MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 29 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-356

विश्वगुरु भारत

महत्वाकांक्षा नहीं, दुनिया की जरूरत : भागवत

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान विश्वगुरु बनने को लेकर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का विश्वगुरु बनने का सफर केवल राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का मामला नहीं है, बल्कि एक वैश्विक आवश्यकता है। हैदराबाद में बोलते हुए मोहन भागवत ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और मानवीय मूल्यों के विकास तथा सामाजिक परिवर्तन पर अटूट ध्यान केंद्रित करना आवश्यक होगा। मोहन भागवत ने आध्यात्मिक और नैतिक मार्गदर्शन में अग्रणी के रूप में विश्व में भारत की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'विश्वगुरु बनना हमारी महत्वाकांक्षा नहीं है।'

टेक्नोलॉजी इंसानियत की मालिक नहीं बनेगी

मोहन भागवत ने कहा, आज, हमें दुनिया को दिखाना है कि टेक्नोलॉजी आएगी, सोशल मीडिया होगा, एआई आएगा, सब कुछ आएगा। लेकिन टेक्नोलॉजी के कोई नकारात्मक परिणाम नहीं होंगे। टेक्नोलॉजी इंसानियत की मालिक नहीं बनेगी। इंसानियत टेक्नोलॉजी की मालिक रहेगी। और इंसानी बुद्धि टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को दुनिया की भलाई की ओर ले जाएगी। यह राक्षसी प्रवृत्तियों की ओर नहीं जाएगी। यह दैवीय प्रवृत्तियों की ओर जाएगी। यह कैसे होगा? हम यह कैसे करेंगे? हमें इसे अपने कामों से दिखाना होगा। हमें इसे जीकर दिखाना होगा।'आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, हमें फिर से 'विश्वगुरु' बनने का काम करना होगा। 'विश्वगुरु' बनना हमारी महत्वाकांक्षा नहीं है। यह दुनिया की ज़रूरत है कि हम 'विश्वगुरु' बनें। लेकिन यह ऐसे ही नहीं बनता। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। यह कड़ी मेहनत कई धाराओं से चल रही है। उनमें से एक संघ भी है। व्यक्तित्व विकास पर

ध्यान केंद्रित करके, हम लोगों के व्यक्तित्व का विकास करते हैं और उन्हें समाज में बदलाव लाने के लिए अलग-अलग कार्यस्थलों पर भी भेजते हैं। आज हर जगह उनके काम की तारीफ होती है। उन्हें समाज का भरोसा मिलता है।

सेवा के बदले कुछ नहीं चाहिए

मोहन भागवत ने कहा, सेवा कई कारणों से की जाती है। हर पांच साल में, हम ऐसे लोगों की बाढ़ देखते हैं जो सेवा करना चाहते हैं। वे हाथ जोड़कर और बड़ी मुस्कान के साथ घर-घर जाते हैं, और कहते हैं, 'हमें आपकी सेवा करने का मौका दीजिए।' अब, ऐसे बहुत सारे लोग होते हैं, और फिर आप उन्हें पांच साल तक दोबारा नहीं देखते। क्यों? क्योंकि सेवा बाद में इनाम की उम्मीद में की जा रही है, इसीलिए यह सच्ची सेवा नहीं है। यह एक लेन-देन है। हम आपका काम करेंगे, आप हमारा काम कीजिए। सेवा करने वाले का अधिकार सिर्फ सेवा करना होता है और कुछ नहीं। सेवा मेरा कर्तव्य है और इसके बदले में मुझे कुछ नहीं चाहिए।

सनातन का पुनरुत्थान भगवान की इच्छा है

उन्होंने आगे कहा, वह समय अब आ गया है। 100 साल पहले, जब योगी अरविंद ने घोषणा की थी कि सनातन धर्म का पुनरुत्थान भगवान की इच्छा है, और हिंदू राष्ट्र का उदय सनातन धर्म के पुनरुत्थान के लिए है। भारत या हिंदू राष्ट्र, और सनातन धर्म, हिंदुत्व, ये सब एक ही बात हैं। उन्होंने संकेत दिया था कि यह प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब हमें उस प्रक्रिया को जारी रखना है। हम देख रहे हैं कि भारत में संघ के प्रयास और अपने-अपने देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघों के प्रयास एक जैसे हैं, यानी हिंदू समुदाय को संगठित करना। पूरी दुनिया में धार्मिक जीवन जीने वाले समाज का उदाहरण पेश करना, धार्मिक जीवन जीने वाले लोगों के उदाहरण पेश करना। उसके आधार पर विश्व का आचरण बदल जाए, इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न हो इसके लिए यह प्रयास है।

मोदी ने भारत की ऐतिहासिक खेल सफलता की तारीफ की

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने महीने के रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 129वें एडिशन में देश को संबोधित करते हुए भारत की खेल उपलब्धियों पर ज़ोर दिया।

2025 को भारतीय खेलों के लिए एक यादगार साल बताते हुए, प्रधानमंत्री ने अलग-अलग डिसिप्लिन और फ़ॉर्मेट में एथलीटों की सफलता की तारीफ की। उन्होंने कहा, 2025 खेलों के लिहाज से भी एक यादगार साल था। हमारी पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफ़ी जीती। महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप जीता। भारत की बेटियों ने महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया। पीएम मोदी ने कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन में भारत की सफलता के बारे में भी बात की, और कहा कि भारत के एशिया कप टी20 टाइटल जीतने के बाद राष्ट्रीय तिरंगा गर्व से लहराया। उन्होंने भारतीय पैरा-एथलीटों की उपलब्धियों की भी तारीफ की, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में कई मेडल जीते।

प्रधानमंत्री ने भारतीय खिलाड़ियों की हिम्मत और बेहतरीन काम की भावना को दिखाते हुए कहा, वर्ल्ड चैंपियनशिप में कई मेडल जीतकर, हमारे पैरा-एथलीटों ने साबित कर दिया कि कोई भी रुकावट उनके पक्के इरादे को नहीं रोक सकती।

भारतीय खेलों में 2025 में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला, जिसमें ओलंपिक, पैरालंपिक और नॉन-ओलंपिक खेलों में सफलता मिली। पुरुषों की क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती, जिससे लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट में भारत का दबदबा और पक्का हुआ, जबकि महिलाओं की टीम ने अपना पहला आईसीसी महिला वर्ल्ड कप खिताब जीतकर इतिहास रच दिया।

पैरा स्पोर्ट में, भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने पहला महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीता, यह एक बड़ी कामयाबी थी जिससे देश में ब्लाइंड महिलाओं के खेल की पहचान काफी बढ़ गई।

300 वार्डों की एक साथ सफाई

कचरा पॉइंट बनेंगे सेल्फी पॉइंट

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (GHMC) सोमवार 29 दिसंबर से पूरे शहर में एक व्यापक स्वच्छता अभियान शुरू करने के लिए तैयार है। इसका मुख्य उद्देश्य शहरी स्वच्छता में सुधार करना और हैदराबाद में लंबे समय से लंबित कचरे का निपटान करना है। हाल ही में हुए वार्डों के परिसीमन के बाद यह पहला बड़ा अभियान होगा, जो 31 जनवरी 2026 तक जारी रहेगा और सभी 300 वार्डों को कवर करेगा।

GHMC आयुक्त आर.वी. कर्णन के निर्देशों के अनुसार, यह अभियान स्वच्छता के प्रति सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने और कचरे के पुराने ढेर (Legacy Waste) को खत्म करने पर केंद्रित होगा।

चरणबद्ध तरीके से होगी शहर की सफाई

नगर निकाय द्वारा जारी सर्कुलर के मुताबिक, अभियान की शुरुआत 29 दिसंबर को फुट ओवरब्रिज की सफाई के साथ होगी। इसके बाद फ्लाईओवरों, सड़कों के किनारों, डिवाइडरों और सेंट्रल मीडियन की सफाई की जाएगी। अगले चरणों में- झीलों और नालों की गाद निकालना (Desilting) और सफाई। फुटपाथों और पार्कों से

अतिक्रमण व गंदगी हटाना। निर्माण और विध्वंस कचरे (C&D Waste) का निपटान। ट्रांसफार्मर और बिजली के खंभों के आसपास की सफाई।

GHMC ने पहचान किए गए 'Garbage Vulnerable Points' (GVPs) यानी कचरा संवेदनशील स्थानों को सुंदर बनाने की योजना बनाई है। इन स्थानों पर वॉल पेंटिंग, रंगोली और वृक्षारोपण करके उन्हें आकर्षक सेल्फी पॉइंट में बदला जाएगा।

इस अभियान में जन-भागीदारी को प्राथमिकता दी जाएगी। आवासीय कॉलोनियों और गेटेड कम्युनिटी में बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के सहयोग से ई-कचरा संग्रहण और पुन: प्रयोज्य वस्तुओं के दान का अभियान चलाया जाएगा। स्कूलों को भी कचरा पृथक्करण (Waste Segregation) और ऑन-साइट कंपोस्टिंग अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

लापरवाही पर लगेगा जुर्माना और डिजिटल निगरानी

सड़क पर कचरा फेंकने, खुले में पेशाब करने और अवैध डंपिंग करने वालों पर मौके पर ही जुर्माना लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, लावारिस पुराने वाहनों और जर्जर सार्वजनिक शौचालयों को हटाया जाएगा। जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इस पूरे अभियान की डिजिटल निगरानी की जाएगी। पर्यवेक्षी अधिकारी दैनिक प्रगति रिपोर्ट Google Sheets पर अपडेट करेंगे।

शहरी सामुदायिक विकास शाखा के अधिकारी कचरा पॉइंट्स की जियो-कोऑर्डिनेट्स और तस्वीरों के साथ दस्तावेजीकरण करेंगे।

पर्याप्त जनशक्ति और मशीनरी के साथ क्षेत्रीय आयुक्त और कचरा प्रबंधन एजेंसियां आपस में समन्वय करेंगे।

GHMC अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का लक्ष्य केवल तात्कालिक सफाई ही नहीं, बल्कि हैदराबाद को एक स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाने के लिए स्थायी स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

आम आदमी की पहुंच से दूर हुआ सोना, निवेशकों की चांदी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

वैश्विक स्तर पर जारी भू-राजनैतिक और व्यापार तनावों के बीच पिछले एक साल में सोने-चांदी में जबरदस्त तेजी रही और एक तरफ जहां दोनों कीमती धातु आम लोगों की पहुंच से दूर हो गयीं, वहीं निवेशकों को खूब फायदा हुआ।

एमसीएक्स इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, अहमदाबाद में सोने की कीमत 31 दिसंबर 2024 को 75,913 रुपये प्रति दस ग्राम थी जो 26 दिसंबर 2025 को बढ़कर 1,37,591 रुपये पर पहुंच गयी। इस प्रकार, इसकी कीमत 81 प्रतिशत से अधिक बढ़ी। इस दौरान चांद भी 85, 851 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 2,28,948 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। इसकी कीमत एक साल में 167 प्रतिशत बढ़ी।

विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमत में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण वैश्विक है। एक तरफ रूस यूक्रेन युद्ध और दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली पीली धातु की मांग बढ़ी है। इसके अलावा, व्यापार तनाव भी इसकी एक वजह है। निवेशक ही नहीं, विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक भी सोना खरीद रहे हैं।

एक तरफ जहां मूल्य में सोने की खपत बढ़ी है, वहीं वास्तविक खपत में कमी आयी है। इसका मुख्य कारण इसकी आसमान छूती कीमतें हैं जिससे यह आम लोगों की पहुंच से दूर चला गया है।

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) ने सोने चांदी में तेजी के लिए वैश्विक कारकों के साथ देश में वैवाहिक और त्योहारी मांग को भी जिम्मेदार ठहराया है। उसका कहना है कि बढ़ती कीमतों के बीच देश में इसकी निवेश मांग भी बनी हुई है। उसने नये साल में भी तेजी जारी रहने की संभावना जतायी है।

जीजेसी के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि साल 2025 में एक बार फिर इस बात को रेखांकित किया है कि कीमती धातुएं रणनीतिक संपत्ति हैं। सोने की ऐतिहासिक तेजी भारतीय परिवारों के इसमें पीढ़ियों से कायम भरोसे का सत्यापन है। दूसरी तरफ, सौर उपकरणों, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों में बढ़ती खपत के कारण चांदी में जबरदस्त देखी जा रही है।

वैश्विक स्तर पर लंदन बुलियन मार्केट में इस साल सोना 70.7 प्रतिशत चढ़कर 4,482 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी भी 135 प्रतिशत की तेजी के साथ 69.22 डॉलर प्रति औंस पर रही। दोनों कीमती धातुओं में विदेशों में रही तेजी और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट से देश में इनके दाम बढ़े हैं।

विश्व स्वर्ण परिषद का कहना है कि पिछले एक साल में सोना 60 प्रतिशत से अधिक महंगा हुआ है। कई दशक में यह सोने का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

हादी हत्याकांड पर बांग्लादेश के आरोपों को बीएसएफ ने किया खारिज

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

मेघालय में सुरक्षा एजेंसियों ने रविवार को बांग्लादेश पुलिस के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारत में घुस गए हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इन आरोपों को बेबुनियाद और गुमराह करने वाला बताया है। मेघालय में तैनात बीएसएफ के चीफ, इंस्पेक्टर जनरल ओ. पी. उपाध्याय ने स्पष्ट कहा,ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि किसी व्यक्ति ने हालुआघाट सेक्टर से मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की हो। बीएसएफ ने न तो ऐसी कोई घटना देखी है और न ही उसे इस तरह की कोई रिपोर्ट मिली है। वहीं, मेघालय के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने भी इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि इस बात की पुष्टि करने के लिए कोई इनपुट या खुफिया जानकारी (इंटेलिजेंस) उपलब्ध नहीं है कि संदिग्ध गारो हिल्स इलाके

में मौजूद हैं।

उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस इकाइयों ने ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नहीं देखा है और इस मामले में केंद्रीय एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय बना हुआ है।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात जवान पूरी तरह हाई अलर्ट पर हैं, खासकर पड़ोसी देश बांग्लादेश में मौजूदा अशांति और अस्थिर स्थिति को देखते हुए।

बीएसएफ के अनुसार, इस सेक्टर में सीमा पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और अवैध रूप से सीमा पार ▶10 पर

लंदन में हिंदू कर रहे थे बांग्लादेश के विरोध में प्रदर्शन, खालिस्तानी समर्थन में लगाने लगे नारे

लंदन,28 दिसंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानियों के दिल में कितनी नफरत है इसकी बानगी यहां हुए एक प्रदर्शन में देखने को मिली। बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपु चंद्र दास की नृशंस हत्या के विरोध में प्रदर्शन हुआ। हालांकि, इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उस समय तनाव पैदा हो गया जब खालिस्तानी अलगाववादी समूह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बचाव में उतर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खालिस्तानी प्रदर्शनकारी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार की ढाल बनकर खड़े हो गए। उन्होंने न केवल हत्या का विरोध कर रहे हिंदुओं को डराने की कोशिश की, बल्कि उनके खिलाफ उकसाने वाले नारे भी लगाए। स्थिति को बिगड़ता देख लंदन पुलिस ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों के बीच दीवार बनकर शांति बनाए रखने की कोशिश की। लंदन में रहने वाले बांग्लादेशी हिंदुओं ने दीपु दास की हत्या और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के खिलाफ उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन आयोजित किया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि दोषियों को कड़ी सजा मिले और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हैरानी की बात यह रही कि इस प्रदर्शन का विरोध करने के लिए वहां खालिस्तानी समर्थक पहुंच गए। यह घटना भारत विरोधी ताकतों के बीच बढ़ते गठजोड़ की ओर इशारा करती है। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस का नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है। हाल ही में पन्नू ने अमेरिका से एक वीडियो जारी कर बांग्लादेश के कट्टरपंथियों का समर्थन किया था। पन्नू ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को तोड़ने की एक नई साजिश रची है। उसने एक विवादास्पद मानचित्र जारी किया है, जिसमें असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नागालैंड को मिलाकर एक अलग देश बनाने का दावा किया गया है। पन्नू ने इस काल्पनिक देश का नाम ट्रम्पलैंड रखा है। साथ ही, उसने अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाने की हिमाकत भी की है।बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब किसी ने पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने की बात कही हो इससे पहले कुछ बांग्लादेशी कट्टरपंथी नेता भी इसी तरह के दावे कर चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

शादी के बाद जल्दी बच्चा होने पर जुर्माना चीन के एक गांव का अनोखा नियम

बीजिंग। चीन के एक गांव में जनसंख्या और सामाजिक व्यवस्था को लेकर एक अनोखा और चौंकाने वाला नियम लागू किया गया है। इस गांव में शादी के तुरंत बाद बच्चा पैदा होने पर दंपती से जुर्माना वसूला जा रहा है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह नियम युवाओं को जिम्मेदारी के साथ परिवार नियोजन अपनाने और शादी के बाद सामाजिक-आर्थिक स्थिरता हासिल करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गांव के नियमों के अनुसार यदि कोई कपल शादी के एक तय समय सीमा, जैसे एक या दो साल के भीतर बच्चे को जन्म देता है, तो उस पर आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा। यह जुर्माना गांव की सामूहिक समिति द्वारा तय किया गया है और इसका इस्तेमाल सार्वजनिक सुविधाओं और विकास कार्यों में किया जाएगा। गांव के अधिकारियों का मानना है कि जल्दी माता-पिता बनने से कई बार युवा दंपती आर्थिक दबाव में आ जाते हैं, जिससे परिवार और समाज दोनों पर असर पड़ता है। हालांकि इस नियम को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि यह निजी जीवन में दखल देने जैसा है और लोगों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। कुछ लोगों ने इसे पुराने सख्त जनसंख्या नियंत्रण नियमों की याद दिलाने वाला कदम बताया है। वहीं, गांव प्रशासन का तर्क है कि यह कानून नहीं बल्कि सामुदायिक सहमति से बनाया गया नियम है, जिसका मकसद सामाजिक संतुलन बनाए रखना है।

अमेरिका में अपने परिवार को आगजनी की धमकी देने वाला भारतवंशी छात्र मनोज गिरफ्तार

टेक्सास। अपने ही परिवार को आग के हवाले करने की कोशिश की और उसी के साथ परिजनों को आतंकी धमकी भी दे डाली। मामला अमेरिका के टेक्सास के रहने वाले एक भारतवंशी युवा छात्र मनोज साई लेल्ला से जुड़ा हुआ है, जिसे उसके परिवार वालों ने मानसिक स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित होने का जिक्र करते हुए दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मनोज टेक्सास के ही डलास विश्वविद्यालय का छात्र भी है। उसके परिजनों ने पुलिस को अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि उसने कुछ दिन पहले घर के एक भाग में संभवत: पूजा स्थल में आग लगाने की कोशिश की थी और उसके बाद वह परिवार के लोगों को भी लगातार जानलेवा धमकी दे रहा है। अमेरिका की पुलिस ने कहा कि मनोज पर लगाए गए आरोप प्रथम श्रेणी के गंभीर अपराधों में शामिल हैं। परिवार के सदस्यों को दी गई आतंकवादी धमकी देश के अंदर 'ए'श्रेणी का अपराध माना जाता है। पूजा स्थल को लेकर पुलिस को फिलहाल कोई सबूत नहीं मिला है। लेकिन उसका कहना है कि अगर मनोज पर परिजनों द्वारा लगाए गए तमाम आरोप साबित हो जाते हैं तो उसकी मुश्किलें काफी बढ़ जाएंगी।

सुरक्षित नहीं हैं उइगर मुसलमान: विदेशों में शरण लेने के बाद भी पीछा नहीं छोड़ रहा चीन

बीजिंग। चीन में रहने वाले करीब सवा दो करोड़ मुसलमानों में सबसे प्रमुख आबादी उइगर समुदाय की है। अपनी विशिष्ट संस्कृति और धार्मिक पहचान के लिए जाने जाने वाले उइगर मुसलमानों पर चीनी सरकार की सख्त निगरानी और उत्पीड़न की खबरें लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय रही हैं। लेकिन अब स्थिति और भी गंभीर हो गई है, क्योंकि चीन के भीतर दमन झेलने के बाद विदेशों में शरण लेने वाले उइगरों पर भी वापसी का खतरा मंडराने लगा है। चीन अब उन देशों पर दबाव बना रहा है जहाँ ये लोग शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं। शिनजियांग प्रांत में रहने वाले उइगरों पर चीन की पाबंदियां अत्यंत कड़ी हैं। यहाँ मस्जिदों के पारंपरिक डिजाइन से लेकर धार्मिक रीति-रिवाजों के पालन तक पर रोक है। चीनी संस्कृति थोपने के नाम पर साल 2017 से 2019 के बीच लगभग 10 लाख उइगरों को डिटेंशन कैंप (नजरबंदी शिविरों) में रखा गया, जहाँ उनसे जबरन मजदूरी कराने के गंभीर आरोप लगे। हालांकि, कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बावजूद कई उइगर चीन से निकलने में सफल रहे और उन्होंने अमेरिका, यूरोप तथा तुर्की जैसे देशों में शरण ली। लेकिन अब चीन के आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव के कारण ये सुरक्षित ठिकाने भी उनके लिए असुरक्षित होते जा रहे हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, तुर्की, जो कभी उइगरों के लिए सबसे सुरक्षित देश माना जाता था, अब बैकफुट पर नजर आ रहा है। आरोप है कि वहाँ रह रहे उइगरों से जबरन चीन वापसी के फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। इसी तरह, थाईलैंड ने भी हाल ही में 40 उइगरों को चीन वापस भेज दिया।

बांग्लादेश में छात्रों की अगुवाई वाले संगठन में गहरा अंतर्विरोध, जमात से गठबंधन के सवाल पर इस्तीफे

ढाका,28 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में फरवरी में होने वाले चुनाव के लिए नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि से ठीक एक दिन पहले, छात्रों की अगुवाई वाली नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) में भारी अंतर्विरोध उभरकर सामने आया है। जमात-ए-इस्लामी के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे के विरोध में संगठन के दो प्रमुख नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है।कई अन्य असंतुष्ट नेताओं के संगठन से जल्द ही अलग होने की चर्चाएं हैं।इन नेताओं ने संगठन के संयोजक नाहिद इस्लाम को पत्र लिख कर जमात के साथ गठबंधन को विश्वासघात और विचारधारा को कमजोर करने जैसा करार दिया है।

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार डेली स्टार के मुताबिक छात्र आंदोलन से उपजी छात्रों की अगुवाई वालीएनसीपी के वरिष्ठ संयुक्त सचिव तसनीम जरा ने शनिवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की। जबकि संयुक्त सचिव अरशदुल हक ने गुरुवार को पद छोड़ दिया। रिपोर्ट के मुताबिक जमात-ए-इस्लामी से गठबंधन को लेकर नाराज कई अन्य असंतुष्ट नेता जल्द इस्तीफा दे सकते हैं।

इन असंतुष्ट नेताओं ने संगठन के संयोजक नाहिद इस्लाम को पत्र लिखकर जमात-ए-इस्लामी के साथ गठबंधन को जमीनी स्तर के नेताओं के साथ विश्वासघात करार देते हुए कहा कि यह पार्टी की विचारधारा को कमजोर करेगा। पत्र में कहा गया है कि , 'हमारा आधार हमारी पार्टी की घोषित विचारधारा, जुलाई विद्रोह से जुड़ी ऐतिहासिक जवाबदेही और लोकतांत्रिक नैतिकता के मूलभूत प्रश्न हैं।

जुलाई विद्रोह का उल्लेख कर आरोप लगाया गया है कि जमात-ए-इस्लामी और उसके छात्र संगठन, इस्लामी छात्र शिबिर ने विभाजनकारी राजनीति, घुसपैठ, तोड़फोड़, एनसीपी के खिलाफ झूठे आरोप, छात्र संघ चुनावों के दौरान प्रचार और महिला सदस्यों पर ऑनलाइन चरित्र हनन में लिप्त रहे हैं। पत्र में जमात की 1971 में स्वतंत्रता-विरोधी भूमिका, नरसंहार में उसकी मिलीभगत और युद्धकालीन अपराधों पर उसके रुख का हवाला देते हुए कहा गया कि ये बांग्लादेश की लोकतांत्रिक चेतना और पार्टी के मूल्यों के साथ मौलिक रूप से असंगत हैं। इनका कहना है कि जमात-ए-इस्लामी के साथ कोई भी गठबंधन पार्टी की नैतिक स्थिति को कमजोर करेगा और पार्टी की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाएगा। पत्र में नेताओं को याद दिलाया गया कि उन्होंने पहले भी सुधार के मुद्दों पर जमात के दोहरे रवैये की आलोचना की थी। पार्टी संयोजक को लिखे पत्र में 30 एनसीपी नेताओं ने लिखा कि, यदि उदारवादी समर्थक साथ छोड़ देते हैं तो पार्टी अपना मध्यमार्गी आधार खो देगी। इससे एनसीपी की स्वतंत्र राजनीतिक क्षमता को नुकसान पहुंचेगा।' पत्र में जमात के साथ किसी भी गठबंधन के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने का आग्रह किया गया। शुरुआत में छात्रों की अगुवाई वाली एनसीपी पिछले दो महीनों से अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही थी, लेकिन ढाका-8 से स्वतंत्र उम्मीदवार और इंकलाब मंचो के प्रवक्ता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या के बाद उसने अपना रुख बदल लिया। तब से, एनसीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं, जबकि पार्टी का दूसरा मजबूत धड़ा यह महसूस होने लगा है कि राष्ट्रीय राजनीति में एनसीपी की स्थिति को मजबूत करने के लिए किसी प्रमुख राजनीतिक शक्ति के साथ गठबंधन करना आवश्यक है। इसी लिहाज से जमात-ए-इस्लामी के साथ गठबंधन की तरफ बढ़ा है।

हालांकि पार्टी में जमात के साथ गठबंधन की कोशिशों पर गहरी आपत्ति है। संगठन से जुड़ी कई महिला नेता भी धार्मिक दलों से गठबंधन के खिलाफ खुलकर असहमति जता चुकी हैं। एनसीपी ने अभी तक गठबंधन को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है लेकिन चर्चा है कि जमात के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत अंतिम चरण में है इसलिए पार्टी नेताओं की तरफ से इस्तीफे की घोषणा शुरू हो चुकी है।

पाक सेना सीमाओं की रक्षा नहीं, कर रही करोड़ों अरबों रुपयों का कारोबार

इस्लामाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग देश बनाने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे मीर यार ने एक वीडियो के जरिए कर बताया कि कैसे पाकिस्तानी सेना बिस्किट से लेकर एयरलाइन तक हर बिजनेस में अपना पैर जमाए हुए है। दूसरी ओर लड़ाई के मैदान पर वह मुंह की खाती रही है। मीर यार अपने एक्स पर पोस्ट में लिखा- सभ्य दुनिया में सेनाएं अपने देश की सीमाओं पर मजबूती से खड़ी रहती हैं। वे सच्चे रखवाले की तरह अपने नागरिकों को खतरों से बचाती हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में सेना एक अलग ही खेल खेलती है। वह सीमेंट फैक्ट्रियों, टीवी ड्रामा, बेकरियों, बैंकों से लेकर रियल एस्टेट और यहां तक कि अनाज का बिजनेस भी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट क मुताबिक मीर यार ने कहा कि पाकिस्तान की सेना सही मायनों में देश का सबसे बड़ा ग्रुप है। एक ऐसा कारोबारी ग्रुप जो अरबों कमा रहा है। यह एक ऐसा देश में हो रहा है, जिसकी अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। देश की इकॉनमी बेलआउट के लिए भीख मांग रही है। एक गरीब देश में सेना जमकर पैसा कमा रही है। मीर का कहना है कि पाकिस्तानी सेना का लड़ाई के मैदान में रिकॉर्ड बहुत बुरा है। 78 साल के इतिहास में कोई बड़ा युद्ध वह नहीं जीत सके हैं। पाकिस्तानी सेना का भारत के खिलाफ 1947, 1965 और 1971 क्या हुआ, सब जानते हैं। 1999 का कारगिल भी किसी से छुपा नहीं है। मीर ने पोस्ट में लिखा- पाकिस्तान खुद को न्यूक्लियर हथियारों वाला बनाना रिपब्लिक कहता है। हालांकि उसने परमाणु हथियारों को भी मजाक ही बना दिया है। वह परमाणु हथियारों को भी सिर्फ अपने पैसे कमाने या कहीं से फंड लेने के तौर पर ही देखती है। मीर के मुताबिक पाकिस्तानी सेना का पूरा ध्यान सिर्फ विदेशी दौलत और गलत तरीके से कमाए गए पैसे को सुरक्षित रखना है। युद्ध के मैदान में जीत का जोखिम उठाने में उनकी दिलचस्पी नहीं है। वह देशभक्ति से ऊपर मुनाफे को रखते हैं।

ग्वाटेमाला में भीषण बस हादसा, खाई में गिरने से 15 लोगों की मौत, 19 घायल

ग्वाटेमाला सिटी। ग्वाटेमाला के पश्चिमी हिस्से में इंटर-अमेरिकन हाईवे पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, एक यात्री बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता लिआंड्रो अमाडो ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष, तीन महिलाएं और एक नाबालिग शामिल है। हादसे के बाद राहत एवं बचाव दल ने घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह दुर्घटना सोलोला विभाग में किलोमीटर 172 से 174 के बीच हुई। यह इलाका घने कोहरे के लिए जाना जाता है, जिससे दृश्यता बेहद कम हो जाती है और हादसों का खतरा बढ़ जाता है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, खराब दृश्यता और सड़क की परिस्थितियां दुर्घटना का कारण हो सकती हैं।

ढाकेश्वरी देवी मंदिर: इतिहास, आस्था और ढाका की पहचान का जीवंत प्रतीक

ढाका,28 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पुराने हिस्से में स्थित ढाकेश्वरी देवी का मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि यह इतिहास, आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का जीता-जागता प्रमाण है। यह वही मंदिर है, जिसने बांग्लादेश की राजधानी को उसका नाम और पहचान दी है। आज के दौर में जब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की जा रही है, तब ढाका का नाम ही यह याद दिलाने के लिए काफी है कि इस शहर की जड़ें कहां से निकली हैं।

नाम की उत्पत्ति और पौराणिक महत्व ढाकेश्वरी मंदिर का नाम देवी दुर्गा के एक स्वरूप पर आधारित है। 'ढाकेश्वरी'का अर्थ है—ढाका की देवी। सदियों से यह मंदिर बंगाल क्षेत्र में शक्ति उपासना का प्रमुख केंद्र रहा है। इसे एक महत्वपूर्ण शक्ति पीठ माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान विष्णु ने माता सती के पार्थिव शरीर के टुकड़े किए थे, तब उनके मुकुट का रत्न इसी स्थान पर गिरा था। इसी विश्वास ने इसे पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में एक पवित्र स्थान बना दिया। सेन वंश और मंदिर का इतिहास इतिहासकारों के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी (लगभग 1100 ईस्वी) के आसपास सेन वंश के राजा बल्लाल सेन ने करवाया था। कहा जाता है कि राजा बल्लाल सेन ने स्वप्न में देवी को एक घने जंगल में छिपा हुआ देखा था, जिसके बाद उन्होंने प्रतिमा को खोजकर वहां मंदिर बनवाया। एक अन्य लोककथा के अनुसार, यह स्थान ढाक के पेड़ों से घिरा हुआ था, जिस कारण देवी को ढाक की देवी कहा गया और कालांतर में यही नाम ढाका शहर की पहचान बना। विभाजन का दंश और विग्रह का विस्थापन 1947 का भारत विभाजन इस मंदिर के इतिहास का सबसे पीड़ादायक अध्याय था। बढ़ती असुरक्षा और हमलों के बीच, मंदिर के मुख्य पुजारी ने 900 साल पुराने मूल विग्रह को सुरक्षित रखने के लिए उसे भारत ले जाने का निर्णय लिया। आज वह ऐतिहासिक प्रतिमा कोलकाता के कुम्हारटुली इलाके में स्थापित है। 1950 में व्यवसायी देवेंद्रनाथ चौधरी ने वहां देवी के लिए मंदिर बनवाया। यह प्रतिमा लगभग डेढ़ फीट ऊंची है, जिसमें देवी दस हाथों वाली महिषासुरमर्दिनी के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

नेपाल: रवि-बालेन के बीच 7 बिंदु समझौता, रवि पार्टी अध्यक्ष, बालेन अगले प्रधानमंत्री के उम्मीदवार

काठमांडू,28 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) और काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन शाह के बीच रविवार सुबह एकता को लेकर समझौता हुआ है। कुछ देर पहले दोनों पक्षों के बीच 7-बिंदुओं वाला समझौता पत्र तैयार किया गया। समझौते के अनुसार, रवि लामिछाने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का नेतृत्व करेंगे, जबकि बालेन शाह को आगामी प्रधानमंत्री के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इस समझौता पत्र पर रास्वपा अध्यक्ष रवि लामिछाने और काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन शाह ने हस्ताक्षर किए। बालेन शाह के राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल होने के लिए तैयार होने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिह्न यथावत रखा गया है। समझौता पत्र में रवि लामिछाने और बालेन शाह दोनों ने अपने-अपने पदों का उल्लेख किए बिना केवल नाम लिखकर हस्ताक्षर किए हैं। यद्यपि दस्तावेज में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का विषय वस्तु दर्ज है, लेकिन उसमें रवि लामिछाने का नाम मात्र उल्लेखित है।रवि लामिछाने ने पार्टी सभापति के रूप में हस्ताक्षर नहीं किए हैं और मेयर बालेन शाह ने भी अपने पद का उल्लेख नहीं किया है। समझौते के बाद संभवत: बालेन शाह मेयर पद से इस्तीफा देकर सक्रिय पार्टी राजनीति में प्रवेश करेंगे।

समझौते के प्रमुख बिंदु - पहले बिंदु में कहा गया है कि भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ नवयुवाओं (जेन-जी) द्वारा चलाए गए आंदोलन को अपनाया जाएगा तथा घायल और शहीद परिवारों की मांगों को संबोधित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।

दूसरे बिंदु में समृद्धि और सामाजिक न्याय के लिए नीतिगत, संस्थागत और संरचनागत सुधार करने का संकल्प लिया गया है। दोनों पक्षों ने नेपाल को 10 वर्षों के भीतर सम्मानजनक मध्यम-आय वाला देश बनाने के रोडमैप पर ईमानदारी से समर्पित रहने की बात कही है। रवि और बालेन ने स्वयं को क्रमश: प्रथम और द्वितीय पक्ष के रूप में प्रस्तुत करते हुए व्यापक एकता की घोषणा की है। पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिह्न पहले की तरह रहेंगे। समझौतापत्र में स्पष्ट किया गया है कि पार्टी का नेतृत्व रवि करेंगे और आगामी सरकार का नेतृत्व बालेन शाह करेंगे। इसमें कहा गया है, 'राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष रवि लामिछाने होंगे और आगामी प्रतिनिधि सभा चुनाव के बाद संसदीय दल के नेता तथा भावी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन्द्र शाह होंगे।' दस्तावेज में कहा गया है कि पार्टी की संगठनात्मक संरचना को अधिक सक्षम और व्यापक बनाने के लिए युवा अभियंताओं और अनुभवी विशेषज्ञों को उनकी योग्यता, समावेशिता और सार्वजनिक छवि के आधार पर जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। समझौते को तत्काल लागू करने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अभिलेख और दस्तावेज अद्यावधिक करने की घोषणा की गई है। इसके अनुसार, अब बालेन पक्ष के समानुपातिक उम्मीदवार स्वत: रास्वपा के टिकट से चुनाव लड़ेंगे और संभवत: दो दिनों के भीतर दोनों पक्ष आपसी सहमति से समानुपातिक उम्मीदवारों की सूची निर्वाचन आयोग में जमा करेंगे। प्रत्यक्ष तर्फ के नामांकन के लिए अभी लगभग तीन सप्ताह का समय शेष है।

50 साल से कांग्रेस में हूं, सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी : दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अपने उस एक्स पोस्ट पर जवाब दिया है, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि मुझे जो कहना था, मैंने कह दिया है और कृपया एक बात समझ लें, मैं 50 सालों से कांग्रेस पार्टी में हूं और मैंने इन सांप्रदायिक ताकतों से हर जगह लड़ाई लड़ी है, चाहे वह विधानसभा हो, संसद हो या संगठन हो। मैं इतने सालों से इन विचारधाराओं से लड़ रहा हूं, और आगे भी लड़ता रहूंगा। दिग्विजय सिंह ने कहा कि बिल्कुल सही, हमें संघ जैसे संगठन से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। दूसरी ओर दिग्विजय सिंह के पोस्ट को लेकर कांग्रेसी नेताओं के बयान भी सामने आए। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर उनके किसी ट्वीट या बयान को भाजपा तोड़-मरोड़कर पेश करती है, और आप सब भी वही करते हैं, तो फिर क्या फर्क रह जाएगा? हमें ऐसे नफरत फैलाने वाले संगठन से कुछ नहीं सीखना है।

कांग्रेस नेता नसीर हुसैन ने कहा कि दिग्विजय सिंह खुद जवाब देंगे। हमें जिस बारे में बात करनी थी, हमने कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में विस्तार से चर्चा की। मनरेगा पर आंदोलन को कैसे आगे बढ़ाया जाए, लोगों तक कैसे पहुंचा जाए, कार्यकर्ताओं को कैसे संगठित किया जाए, और ग्रामीण इलाकों में कार्यकर्ता नेटवर्क को कैसे मजबूत किया जाए। हमने इन सभी मामलों पर चर्चा की।कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव ने कहा कि अगर

किसी संगठन में कुछ ऐसा है, जिसे बेहतर और ज्यादा असरदार काम के लिए अपनाया जा सकता है, तो उसे देखने में क्या गलत है? यह संघ के बारे में नहीं है। जहां तक मुझे पता है, दिग्विजय सिंह ने साफ कहा है कि वह संघ की विचारधारा को पूरी तरह से खारिज करते हैं, वह उससे सहमत नहीं हैं। उनके बयान को संघ के समर्थन के तौर पर लेने का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह ने एक तस्वीर का जिक्र किया और कहा कि उसमें पीएम मोदी, आडवाणी के सामने जमीन पर बैठे दिख रहे हैं और उन्होंने उस पर कमेंट किया। आज, फाउंडेशन डे के मौके पर हम यहां मौजूद हैं। मैं ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे को देख रहा हूं। उनका परिवार कहां से आता है? एक मजदूर परिवार का एक नौजवान, जिसका घर एक बार जला दिया गया था और तबाह हो गया था, इस देश का एक नागरिक जो अनुसूचित जाति समुदाय से है, अगर उसे वहां से उठकर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का प्रेसिडेंट बनने का मौका मिला, तो दिग्विजय सिंह भी यही कह रहे हैं, कि इस तरह का सफर होना चाहिए।

कांग्रेस नेता रजनी पाटिल ने कहा कि हमने अंदर जो सुना, उसके हिसाब से दिग्विजय सिंह का बयान गलत नहीं था, उन्होंने पब्लिकली जो भी कहा, वह उन्होंने आपको बताया होगा और उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा।कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मैं भी चाहता हूं कि हमारा संगठन अंदर से मजबूत और टिकाऊ बने। लेकिन, यह बात दिग्विजय सिंह खुद भी कह सकते हैं, आप उनसे सीधे पूछ सकते हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि मैंने नहीं सुना कि किसने क्या कहा। संगठन के विकास की प्रक्रिया पूरे साल चल रही है। आप इसके नतीजे हर राज्य में देख सकते हैं। अलग-अलग विभाग संगठन के विकास का काम कर रहे हैं। अगर कोई राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जिंदगी देखेगा, तो उसे समझ आएगा कि इस पार्टी में क्या संभव है।

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि संघ एक ऐसा संगठन है, जो नफरत फैलाता है। यह नफरत पैदा करता है और नफरत का प्रचार करता है। संघ से सीखने जैसा कुछ नहीं है।

उत्तर भारत में घने कोहरे के कारण फ्लाइट और रेल सेवाएं बाधित

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)।उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में रविवार सुबह घना कोहरा छाए रहने के कारण फ्लाइट और रेल सेवाएं बाधित हुईं। कई राज्यों में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी बहुत कम हो गई, जिससे सामान्य आवाजाही प्रभावित हुई। इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी) ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह के लिए येलो अलर्ट जारी किया था, जिसमें पूरे इलाके में घने कोहरे और शीतलहर जैसी स्थितियों की चेतावनी दी गई थी। साथ ही, दिल्ली की वायु गुणवत्ता भी रविवार सुबह 'बहुत खराब' कैटेगरी में दर्ज की गई। प्रदूषण और कोहरे के मिले-जुले असर से विजिबिलिटी और कम हो गई, जिससे यात्रा में और भी दिक्कतें आईं। रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं, कई ट्रेनें कई घंटे देरी से चल रही थीं और कुछ को डायवर्ट किया गया।दिल्ली समेत कई शहरों में फ्लाइट्स लेट हुईं, जबकि कैंसिलेशन की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, पूरे उत्तर भारत में घने कोहरे के कारण चार दर्जन से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं। एतिहात के तौर पर ट्रेनों की स्पीड कम कर दी गई है, जिससे यात्रियों को काफी परे-शानी का सामना करना पड़ा।सबसे ज्यादा प्रभावित ट्रेनों में प्रयागराज एक्सप्रेस करीब पांच घंटे, रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस करीब नौ घंटे और नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस करीब चार घंटे लेट थी।ब्रह्मपुत्र मेल लगभग 45 मिनट लेट थी, जबकि महाबोधि एक्सप्रेस और संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस चार से पांच घंटे लेट चल रही थीं। इसके अलावा, कई दूसरी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें भी लेट चल रही थीं।

खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर भी साफ दिख रहा था। स्पाइसजेट, एयर इंडिया और इंडिगो समेत कई एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की, जिसमें उन्हें संभावित देरी के बारे में सावधान किया गया।

एयरलाइंस और रेलवे अधिकारियों दोनों ने यात्रियों से स्टेशनों या एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट और ट्रेनों का स्टेटस चेक करने का आग्रह किया।दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने भी चेतावनी दी कि कम विजिबिलिटी की स्थिति के कारण फ्लाइट शेड्यूल बदल सकता है। दिल्ली एयरपोर्ट पर दस से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से चल रही थीं।

आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस ही बचा सकती है लोकतंत्र : राजेंद्र पाल गौतम

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के मौके पर कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट के नेशनल चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम ने देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज भारत ग्लोबल मंच पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस मजबूत नींव को रखने में कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक भूमिका रही है। कांग्रेस ने न सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ी, बल्कि एक आधुनिक भारत का सपना देखा और उसे साकार करने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है, जिसने देश को एम्स और आईआईटी जैसे संस्थान दिए, सैकड़ों पब्लिक सेक्टर यूनिट्स की स्थापना की और भारत की औद्योगिक व शैक्षणिक संरचना को मजबूत किया। कांग्रेस की नीतियों ने आम भारतीय को अधिकारों से जोड़ा, सूचना का अधिकार, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा और जल, जंगल और जमीन पर अधिकार जैसे कानून इसी सोच का परिणाम हैं। इन कदमों से देश के गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को सम्मान और सुरक्षा मिली। राजेंद्र पाल गौतम ने चिंता जताते हुए कहा कि पिछले 11-12 वर्षों में देश में धर्म के नाम पर नफरत बढ़ी है। जातीय आधार पर दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के खिलाफ उत्पीड़न बढ़ा है। देश के संसाधन पूंजीपतियों के हाथों में सौंपे जा रहे हैं, जिससे यह महसूस होता है कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के सपनों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी, कुर्बानियां दीं और देश को मजबूत आधार दिया। वहीं, भारतीय जनता पार्टी और उससे जुड़े संगठन, चाहे वह आरएसएस हो, हिंदू महासभा हो या जनसंघ, आजादी के आंदोलन में शामिल नहीं रहे। उनके लिए संविधान और लोकतंत्र का कमजोर होना चिंता का विषय नहीं रहा। लेकिन, जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई लड़ी, उसे देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी महसूस होती है।

उन्होंने कहा कि आज देश को कांग्रेस की पहले से ज्यादा जरूरत है। कांग्रेस पूरी ईमानदारी और मजबूती के साथ संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता और आम लोग यह महसूस कर रहे हैं कि आने वाला समय कांग्रेस का है और देश को सही दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी कांग्रेस ही निभा सकती है।

पार्टी स्थापना दिवस पर बोले कांग्रेस नेता- देश की एकता, अखंडता के लिए संघर्ष जारी है

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर कांग्रेस नेताओं का मानना है कि पार्टी ने देश के निर्माण में योगदान दिया है। दिल्ली कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना 1885 में हुई थी और तब से कई महान नेताओं ने पार्टी का नेतृत्व किया है और देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। आज भी, कांग्रेस पार्टी देश के निर्माण में योगदान दे रही है। ऐसे समय में जब सरकार में कुछ ताकतें देश को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं, फिर भी हम मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में दृढ़ संकल्प के साथ अपना संघर्ष जारी रखे हुए हैं। कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि पार्टी ने हमेशा प्रगतिशील सोच, सामाजिक मूल्यों और समानता, भाईचारा, सामाजिक न्याय, स्थिरता और निष्पक्षता जैसे आदर्शों को बनाए रखा है। पार्टी ने अपने पूरे इतिहास में इन सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए काम किया है। इस स्थापना दिवस पर, हम अपनी जड़ों को याद करते हैं और इन

मूल्यों को बनाए रखने और मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हैं और खुद को पूरी तरह से इस काम के लिए समर्पित करते हैं।

कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव ने कहा कि यह गर्व की बात है कि कांग्रेस वह राजनीतिक पार्टी है जिसने एक परिपक्व लोकतंत्र में भारत को आजादी दिलाने की पहल की, और हम सभी इसके सदस्य होने पर गर्व महसूस करते हैं।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि स्थापना दिवस हमारी पार्टी का है, और मेरा मानना है कि यह दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे संगठित पार्टी है। स्थापना दिवस पर, हम पूरे देश में एक बार फिर यह पक्का करेंगे कि हम कांग्रेस के मूल सिद्धांतों और विचारों को कैसे और फैला सकते हैं। मेरा मानना है कि आज हमें एक स्टैंड लेने की जरूरत है, और देश में कई चुनौतियां हैं।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के आदर्शों को देश के आम लोगों ने न सिर्फ आज, बल्कि पिछले 140 सालों से अच्छी तरह समझा है। ये धर्मनिरपेक्ष आदर्श आम लोगों के हितों की रक्षा करते हैं और देश के लोकतांत्रिक नींव को मजबूत करते हैं।कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक ने कहा कि हमारे और सभी कांग्रेस सदस्यों के लिए आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया, जो सिर्फ कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी लोगों की आजादी के लिए थी। जब संविधान लिखा जा रहा था, तो आजादी की लड़ाई में जिन मूल्यों के लिए हमने संघर्ष किया था, उन सभी को भारत के संविधान में शामिल किया गया। चाहे वह समाजवाद हो, संसदीय लोकतंत्र हो, या धर्मनिरपेक्षता हो, आज ये सभी बड़े संकट का सामना कर रहे हैं, और यह सत्ता में बैठी सरकार की जिम्मेदारी है कि वह भारतीय संविधान को मजबूती से बनाए रखे और लागू करे।

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार

नोएडा,28 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को फिलहाल प्रदूषण से कोई राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है। आंकड़ों के अनुसार कई स्थानों पर एक्यूआई 400 के पार पहुंच चुका है, जो स्वास्थ्य के लिहाज से अत्यंत खतरनाक माना जाता है। नोएडा की बात करें तो सेक्टर-1 में एक्यूआई 410 दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है। वहीं, सेक्टर-116 में एक्यूआई 386, सेक्टर-125 में 367 और सेक्टर-62 में 347 रिकॉर्ड किया गया। ये सभी आंकड़े साफ तौर पर दिखाते हैं कि नोएडा के अधिकांश हिस्से गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इस स्तर का प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों के लिए अत्यधिक जोखिम भरा है। दिल्ली में भी हालात कुछ बेहतर नहीं हैं। विवेक विहार में एक्यूआई 422 दर्ज किया गया, जो सबसे ज्यादा प्रदूषित इलाकों में शामिल है। इसके अलावा, शादिपुर में

एक्यूआई 408, रोहिणी में 406, वजीरपुर में 398, आर.के. पुरम में 367, सोनिया विहार में 366, सिरीफोर्ट में 364, पूसा (डीपीसीसी) में 361, पूसा में 327 और श्री अरबिंदो मार्ग में 315 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया।

राजधानी के लगभग सभी प्रमुख इलाकों में हवा सांस लेने लायक नहीं रह गई है। गाजियाबाद में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वसुंधरा क्षेत्र में एक्यूआई 428 दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी से भी ऊपर है। लोनी में एक्यूआई 391, संजय नगर में 375 और इंदिरापुरम में 349 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। इससे साफ है कि पूरे एनसीआर में प्रदूषण का स्तर एक समान रूप से खतरनाक बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। 27 और 28 दिसंबर को सुबह के समय घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इन दिनों अधिकतम तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6 से 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। नमी का स्तर 95 प्रतिशत तक पहुंच सकता है, जिससे प्रदूषण और कोहरे का असर और गहरा होगा।29 दिसंबर को भी मध्यम स्तर का कोहरा छाए रहने का अनुमान है, हालांकि उस दिन फिलहाल कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। घना कोहरा, कम हवा की गति और गिरता तापमान मिलकर प्रदूषकों को वातावरण में ही फंसा रहे हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक तेज हवा या बारिश नहीं होती, तब तक प्रदूषण से राहत मिलना मुश्किल है।

जयराम रमेश ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को लिखी चिट्ठी अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने रविवार को अरावली पहाड़ियों के विषय को लेकर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखा। उन्होंने अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं और इस संबंध में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से चार सवाल पूछे हैं। जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर काफी चिंताएं हैं, जो उन्हें 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई वाले लैंडफॉर्म तक सीमित करती हैं। उन्होंने पत्र के जरिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से पूछा, क्या यह सच नहीं है कि 2012 से राजस्थान में अरावली पहाड़ियों और रेंज की परिभाषा 28 अगस्त 2010 की फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) की एक रिपोर्ट पर आधारित थी? रिपोर्ट का जिक्र करते हुए जयराम रमेश ने कहा, इसमें यह कहा गया था कि ऐसे सभी इलाके जिनका ढलान 3 डिग्री या उससे ज्यादा है, उन्हें पहाड़ियों के तौर पर दिखाया जाएगा। साथ ही ढलान वाली तरफ एक समान 100 मीटर चौड़ा बफर जोड़ा जाएगा, ताकि 20 मीटर की पहाड़ी ऊंचाई के हिसाब से संभावित फैलाव को ध्यान में रखा जा सके।

ओडिशा पीसीसी प्रमुख भक्त चरण दास ने सीईसी के दौरे पर उठाए सवाल, लोकतंत्र कमजोर करने का लगाया आरोप

भुवनेश्वर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के ओडिशा के तीन दिवसीय दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। भक्त चरण दास ने आरोप लगाया कि मौजूदा निर्वाचन आयोग सत्तारूढ़ भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है और इसके चलते लोकतांत्रिक अधिकारों से समझौता किया जा रहा है। भक्त चरण दास ने कहा कि वर्तमान आयोग के कार्यकाल में कई राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, जिससे नागरिकों के संवैधानिक मतदान अधिकारों का हनन हुआ है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जबकि उत्तर प्रदेश में अदालत के

आदेशों के बाद करीब तीन करोड़ नामों को कथित तौर पर मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह की प्रक्रिया अन्य राज्यों में भी अपनाई गई है। उन्होंने इसे लोकतंत्र को कमजोर करने और गरीबों से उनके अधिकार छीनने की साजिश करार दिया।

सीईसी के पुरी दौरे और भगवान जगन्नाथ के दर्शन को लेकर भी दास ने कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कथित गलत कामों के बाद रोज़ भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने से कोई पाप धुलने वाला नहीं है। भगवान जगन्नाथ पूरे ब्रह्मांड के स्वामी हैं और सब कुछ देखते हैं। ऐसे में इन लोगों के पाप यूं ही समाप्त नहीं होंगे।भक्त चरण दास ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से नैतिक जिम्मेदारी लेने की मांग करते हुए कहा कि यदि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सीईसी को हकीकत स्वीकार करनी चाहिए। उन्हें अपनी गलतियों को सुध-ारना चाहिए और जरूरत पड़े तो इस्तीफा देकर जनता का भरोसा बहाल करना चाहिए, ताकि आगामी चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराए जा सकें।

बौद्ध सर्किट यूपी की वैश्विक पहचान : जयवीर

लखनऊ,28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की दूरगामी नीतियों और निरंतर प्रयासों का सकारात्मक असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। राज्य का बौद्ध सर्किट आस्था, विश्वास और वैश्विक पर्यटन का सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। पर्यटन विभाग की जनवरी से सितंबर 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के बौद्ध स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशांबी, कपिलवस्तु और संकिसा जैसे छह प्रमुख बौद्ध स्थल न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं, जो उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिला रहे हैं।पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में बौद्ध पर्यटन को लेकर लगातार बढ़ती वैश्विक रुचि देखने को मिल रही है। वर्ष 2025 के नौ महीनों जनवरी से सितंबर के दौरान भगवान बुद्ध से जुड़े प्रदेश के छह प्रमुख स्थलों पर कुल 61,15,850 पर्यटकों ने दर्शन किए, जिनमें 58,44,591 घरेलू तथा 2,71,259 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। यह आंकड़े प्रदेश में बौद्ध विरासत की अंतरराष्ट्रीय पहचान और पर्यटन सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण का प्रमाण हैं। पर्यटन विभाग का अनुमान है कि वर्ष 2025 के अंत तक इन पवित्र स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की संख्या 64 लाख के पार जा सकता है।

उत्तर प्रदेश का कौशांबी जिला ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक तीनों दृष्टि से महत्व-पूर्ण स्थल है। इसका संबंध प्राचीन कौशांबी नगर सभ्यता से है, जिसका उल्लेख वाल्मीकि रचित रामायण और महाभारत में मिलता है। महाभारत में इसे ''कुशम्ब'' के नाम से जाना जाता था। बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए यह भूमि विशेष महत्व रखती है, क्योंकि भगवान बुद्ध ने यहीं अपना छठा और नौवां वर्षावास व्यतीत किया था। 2025 के जनवरी से सितंबर के बीच जनपद में 23,19,237 पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया, जिनमें 2,884 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। राज्य के पर्यटन विकास में कौशांबी विशेष महत्व रखता है।उत्तर प्रदेश के भगवान बुद्ध से जुड़े प्रमुख तीर्थ स्थलों पर जनवरी से सितंबर में देशी-विदेशी पर्यटकों की उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज की गई है, जिससे प्रदेश के बौद्ध पर्यटन को नई गति मिली है। सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कपिलवस्तु और संकिसा जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचे। कपिलवस्तु में 51,795 पर्यटकों ने भ्रमण किया, जिनमें 15,423 विदेशी सैलानी शामिल रहे। महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में सर्वाधिक 18,60,507 पर्यटकों का आगमन हुआ, जिनमें 1,88,131 विदेशी पर्यटक थे।

जब राजेश खन्ना खुद चाहते थे फिल्में फ्लॉप हों और फिर फिल्म महबूबा ने पूरी कर दी कसर

हिंदी सिनेमा में बहुत कम ही अभिनेताओं ने स्टारडम का असली स्वाद चखा है, जिन्होंने हिट फिल्में देने के साथ लोगों के दिल पर राज किया। ऐसे ही अभिनेता थे राजेश खन्ना, जिनकी एक झलक देखने के लिए फैंस सारी हदें पार कर देते थे। उनके लिए दीवानगी ऐसी थी कि लड़कियां उनके नाम का सिंदूर लगाती थीं, तो कुछ उनकी फोटो के साथ सात फेरे ले लेती थीं। अभिनेता के नाम की कहावत भी मशहूर हुई कि 'ऊपर आका, नीचे काका'। उनका स्टारडम ऐसा था कि भिखारी भी शूटिंग लोकेशन के बाहर उनके नाम पर भीख मांगा करते थे। पंजाब के अमृतसर में जन्मे राजेश खन्ना का स्टारडम किसी से नहीं छिपा। अभिनेता ने 3 साल में 17 हिट फिल्में दी थीं। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर उन्हें फिल्मों की स्क्रिप्ट सुनाने के लिए उनके घर के नीचे लाइन लगाकर खड़े रहते थे, लेकिन कुछ किस्मत वाले डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ही होते थे, जिनकी स्क्रिप्ट पर काका मुहर लगाते थे। अभिनेता फ्लॉप फिल्मों से परेशान होते थे, लेकिन काका इकलौते अभिनेता थे, जो अपनी पॉपुलैरिटी और फिल्मों की वजह से बढ़ती दीवानगी से परेशान हो गए थे और एक समय ऐसा आया कि वे खुद चाहते थे कि कुछ फिल्में फ्लॉप हो। कहते हैं कि समय कभी एक सा नहीं होता, रात के बाद दिन और दिन के बाद रात जरूर आती है। ऐसा ही कुछ काका के साथ हुआ। साल 1976-77 का समय था, जब राजेश खन्ना की फिल्में फ्लॉप होने लगीं। सिनेमाघर खाली होने लगे, फिल्में अपनी लागत भी नहीं निकाल

पा रही थीं। यासिर उस्मान द्वारा लिखी किताब द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज फर्स्ट सुपरस्टार में इस बात का जिक्र है कि लगातार फ्लॉप फिल्में होने की वजह से वे डिप्रेशन में जाने लगे और अपने दुख को भुलाने के लिए ड्रिंक करने लगे।

अभिनेता राजेश खन्ना रात के समय अचानक चीखने लगते थे। उनके मन में आत्महत्या के ख्याल आने लगे थे। द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज फर्स्ट सुपरस्टार के मुताबिक अभिनेता समंदर में डूबकर अपनी जान गंवाना चाहते थे। साल 1976 और 1977 अभिनेता के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल समय रहा था। 1976 में हेमा मालिनी के साथ आई उनकी फिल्म 'महबूबा' सुपर फ्लॉप रही थी और फिल्म को करियर की आपदा कहा गया। ये वो समय था जब अमिताभ बच्चन का एंग्री यंग मैन का दौर शुरू हो चुका था। 1971 में आई फिल्म 'आनंद' में राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन दोनों थे, लेकिन सारी पॉपुलैरिटी अमिताभ बच्चन ले गए, जिसके बाद साल 1976 में 'बंडल बाज,' 1977 में 'अनुरोध,' 'त्याग,' 'कर्म,' 'छैला बाबू,' और 'चलता पुर्जा' रिलीज हुई। राजेश खन्ना की बैक टू बैक पांच फिल्में फ्लॉप हो गई थीं। धीरे-धीरे उन्हें फिल्में मिलना कम हो गया, क्योंकि उस समय तक अभिताभ बच्चन और धर्मेंद्र दोनों ही युवाओं की नई पसंद बन चुके थे।

यश की फिल्म में एलिजाबेथ बनकर छाईं हुमा कुरैशी, टॉक्सिक से फर्स्ट लुक जारी

भारतीय सिनेमा में जब भी किसी बड़े स्टार की नई फिल्म का ऐलान होता है, तो दर्शकों की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। इस कड़ी में इन दिनों रॉकिंग स्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही यह प्रोजेक्ट लगातार फैंस के बीच छाया हुआ है, और अब मेकर्स ने फिल्म से अभिनेत्री हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। फिल्म में हुमा कुरैशी एलिजाबेथ के किरदार में हैं। इस किरदार के लुक को भी मेकर्स ने बारीकी से तैयार किया है। उनका फर्स्ट लुक बेहद रहस्यमय, गंभीर और प्रभावशाली दिखाई दे रहा है।

फिल्म में हुमा की एंट्री को एक अहम मोड़ माना जा रहा है। फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास ने कहा, एलिजाबेथ का किरदार निभाने के लिए सही अभिनेत्री का चयन करना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम था, क्योंकि यह किरदार सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इसमें एक खास व्यक्तित्व, गहराई, और स्क्रीन पर मजबूत मौजूदगी की जरूरत है। हुमा कुरैशी के चयन को लेकर गीतू मोहनदास ने कहा, जैसे ही हुमा कैमरे के सामने आईं, मुझे उनमें कुछ अलग और खास लगा, जो इस किरदार के साथ पूरी तरह मेल खाता था। निर्देशक ने बताया, हुमा के अंदर एक स्वाभाविक ठहराव, शालीनता और तीव्रता है, जो एलिजाबेथ जैसे जटिल किरदार के लिए एकदम सही है। वह इस किरदार को बखूबी समझ रही हैं और बेहतर बनाने की भी कोशिश कर रही हैं। यह किरदार उनके करियर के लिए एक बड़ा मोड़ साबित होगा। इस फिल्म के बाद दर्शक हुमा को एक नए, ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली रूप में देखेंगे, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

फिल्म को यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है।

फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत है। सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि ने संभाली है, जबकि संगीत मशहूर कंपोजर रवि बसरूर ने दिया है। यह फिल्म केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनाई जा रही है और इसे वेंकट के. नारायण और यश ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। फिल्म को कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ शूट किया गया है। इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब किया जाएगा।

पर्दे से दूर रहीं ये बॉलीवुड हीरोइन नहीं रिलीज हुई एक भी फिल्म

बॉलीवुड में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने हिंदी सिनेमा पर राज किया है। हालांकि, टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार और सबसे ज्यादा फीस वसूलने वाली अदाकारा साल 2025 में पर्दे से गायब रहीं। कैटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 के अंत में आई फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में देखा गया था। एक्ट्रेस ने उसके बाद किसी फिल्म में काम नहीं किया है और वे अपने मदरहुड को एंज्वॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने 7 नवंबर को बेबी बॉय को जन्म दिया था। कैटरीना के अलावा, हॉलीवुड और बॉलीवुड फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की भी इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है, लेकिन वे अगले साल 2027 में एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित और महेश बाबू अभिनीत मेगा बजट फिल्म 'वाराणसी' में दिखने वाली हैं। साल 2025 आलिया भट्ट के लिए भी सूखा साबित हुआ। साल 2024 में उनकी फिल्म 'जिगरा' रिलीज हुई थी, जो विवादों के बाद पर्दे पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि साल 2026 में वे दो फिल्मों में नजर आ सकती हैं। उनकी आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' और 'अल्फा' साल 2026 में रिलीज होने वाली हैं।

वहीं दीपिका पादुकोण की भी कोई फिल्म इस साल रिलीज नहीं हुई। ये साल दीपिका के लिए कल्कि 2898 एडी के सीक्वल को लेकर विवादों में रहा। उनके 8 घंटे काम करने वाले बयान को लेकर उन्हें आलोचना और सपोर्ट दोनों मिला। उन्हें आखिरी बार फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था, लेकिन आने वाला साल उनके लिए लाजवाब होने वाला है।

दीपिका शाहरुख खान के साथ 'किंग', 'ब्रह्मास्त्र पार्ट-2', 'पठान-2', और 'एए22ए6' में दिखने वाली हैं, जबकि 'टाइगर वर्सेज पठान' में एक्ट्रेस के नाम को लेकर चर्चा हो रही है।

करीना कपूर खान भी पर्दे से काफी समय से दूर हैं। उन्हें आखिरी बार पर्दे पर 2024 में 1 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था। इस साल अभिनेत्री की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है, लेकिन कहा जा रहा है कि वे 'थ्री इडियट्स 2' में नजर आ सकती हैं। फिल्म की लेखनी का काम पूरा हो चुका है।

इसके अलावा, श्रद्धा कपूर की 2025 में कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई और वह पूरी तरह से बड़े पर्दे से दूर रहीं। हालांकि, खबरों के मुताबिक, वह 2026 में जोरदार वापसी करेंगी; उनकी आगामी फिल्म 'ईथा' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस को आखिरी बार साल 2024 में फिल्म 'स्त्री-2' में देखा गया था और उन्होंने 'थामा' में खास अपीरियंस दी थी।

अजय देवगन ने पाकिस्तान में किया था अपनी फिल्म का प्रमोशन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। उनकी जबरदस्त एक्टिंग को काफी पसंद किया जाता है। साल 2025 में अजय देवगन की चार मूवीज रिलीज हुई हैं, हालांकि, सिर्फ एक फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। उनकी पाइपलाइन में अभी कई फिल्में हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अजय देगवन अपनी एक फिल्म के प्रमोशन के लिए पाकिस्तान गए थे। ये फिल्म भारत के बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी लेकिन पाकिस्तान में इसे पसंद किय गया था। आइए जानते हैं कि अजय देवगन अपनी किस फिल्म के लिए पाकिस्तान गए थे और उन्होंने पड़ोसी देश में जाकर क्या कहा था।

अजय देवगन ने साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'ओमकारा' में काम किया था। इस फिल्म के डायरेक्शन की जिम्मेदारी विशाल भारद्वाज ने संभाली थी। शेक्सपियर के नॉवेल 'ओथेलो' पर बेस्ड फिल्म 'ओमकारा' में अजय देवगन के अलावा करीना कपूर, सैफ अली खान, विवेक ओबेरॉय, नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन शर्मा, बिपाशा बसु, पंकज त्रिपाठी, दीपक डोबरियाल जैसे कलाकर नजर आए थे। इस फिल्म में स्टार्स की जबरदस्त एक्टिंग ने लोगों का ध्यान खींचा था। इस फिल्म के प्रमोशन के लिए अजय देवगन पाकिस्तान गए थे। इंडियन बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की फिल्म 'ओमकारा' कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई लेकिन पाकिस्तान में इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। अजय देवगन ने साल 2007 में पाकिस्तानी चैट शो में हिस्सा लिया था और तमाम मुद्दों पर बात की थी। अजय देवगन से पूछा गया कि पाकिस्तान आकर कैसा लगा? इस पर बॉलीवुड एक्टर ने कहा था, 'यहां के लोगों के बारे में जितना सुना था और सोचा था, मुझे उससे ज्यादा मिला है। बस यहां आए एक दिन हुआ और लोग बहुत अच्छे हैं। मुझे खुशी है कि मैं ओमकारा के लिए यहां आया हूं। अजय देवगन के पास कई मूवीज है, जिनका बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। उनकी साल 2026 में फिल्म 'धमाल 4', फिल्म 'दृश्यम 3' और फिल्म 'रेंजर' रिलीज होने वाली हैं। अजय देवगन पिछली बार फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आए थे। ये फिल्म कुछ खास पसंद नहीं की गई थी। बताते चलें कि साल 2025 में अजय देवगन की चार फिल्में 'आजाद', 'रेड 2', 'सन ऑफ सरदार 2', 'दे दे प्यार दे 2' सिनेमाघरों में रिलीज हुई हैं

नए साल में पुरानी फिल्मों का दबदबा, 2016 की फ्लॉप फिल्म रही सुपरहिट

साल 2025 बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा के लिए शानदार रहा। नई फिल्में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पुरानी क्लासिक्स और कल्ट फिल्मों की री-रिलीज ने सिनेमाघरों को गुलजार रखा। दर्शकों का पुरानी फिल्मों से भावनात्मक लगाव इतना गहरा निकला कि कई ऐसी फिल्में, जो पहली रिलीज पर फ्लॉप हो गई थीं, इस बार सुपरहिट रहीं। नॉस्टैल्जिया वेव की सफलता बताती है कि दर्शक बड़े पर्दे पर यादें फिर से जीना चाहते हैं। सनम तेरी कसम :- साल की सबसे बड़ी सफलता रही हर्षवर्धन राणे और मावरा होकाने की 'सनम तेरी कसम'। साल 2016 में रिलीज हुई यह ट्रैजिक रोमांटिक ड्रामा उस समय फ्लॉप हो गई थी। बॉक्स ऑफिस पर महज 9 करोड़ के आसपास कमाकर दम तोड़ने वाली फिल्म इस साल वैलेंटाइन वीक में री-रिलीज हुई और कमाल दिखाया। ओपनिंग डे पर 4.50 करोड़ की कमाई और टोटल कलेक्शन 40 करोड़ के पार पहुंची। अधूरी प्रेम कहानी, इमोशनल सीन्स और ट्रैजिक लव स्टोरी दर्शकों को थिएटर खींच लाई।

ये जवानी है दीवानी:- नए साल की शुरुआत में 3 जनवरी को रणबीर कपूर-दीपिका पादुकोण की 'ये जवानी है दीवानी' थिएटर में फिर से लौटी। दोस्ती, प्यार, ट्रैवल और सपनों की यह रोम-कॉम मूवी दर्शकों को खूब पसंद आई। री-रिलीज में 20 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। खास बात है कि फिल्म की कहानी के साथ ही 'बदतमीज दिल' और 'कबीरा' जैसे गाने भी दर्शकों को उतने ही फ्रेश लगे, जितनी कहानी।

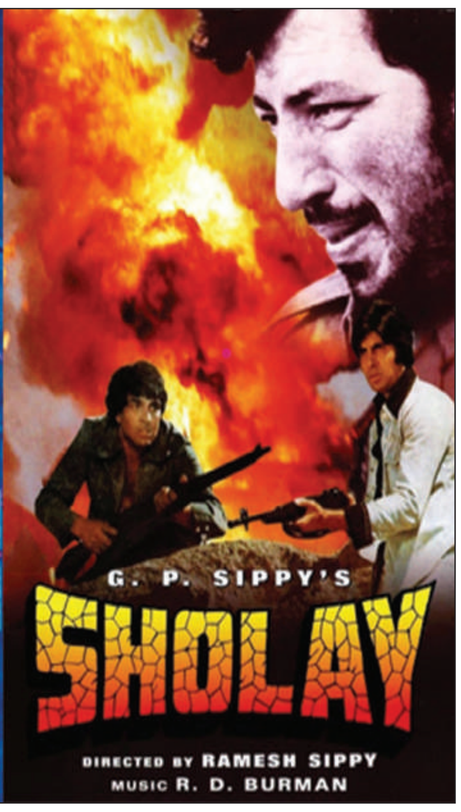

अंदाज अपना अपना :- कल्ट कॉमेडी 'अंदाज अपना अपना' एक बार फिर से दर्शकों को हंसाने के लिए थिएटर में उतरी। आमिर खान-सलमान खान स्टारर साल 1994 की यह फिल्म पहली बार फ्लॉप थी। 4के वर्जन में री-रिलीज हुई तो दर्शकों का खासा प्यार मिला।

नमस्ते लंदन:- होली के मौके पर इस साल विपुल अमृतलाल शाह निर्देशित 'नमस्ते लंदन' भी फिर से रिलीज हुई। अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, ऋषि कपूर, क्लाइव स्टैंडन और जावेद शेख स्टारर यह फिल्म भारतीय कल्चर, परिवार और प्यार की यादें ताजा कर गई। एनआरआई दर्शकों ने भी फिल्म को खूब पसंद किया।

रंगीला :- इस साल रिलीज हुई फिल्मों की लिस्ट में उर्मिला मातोंडकर, जैकी श्रॉफ और आमिर खान स्टारर रंगीला का भी नाम शामिल है। 28 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

शोले :- हीमैन धर्मेंद्र के निधन (24 नवंबर) के बाद उनकी सबसे आइकॉनिक फिल्म 'शोले' सिनेमाघरों में फिर से रीलीज हुई। 12 दिसंबर को रिलीज हुई 'शोले: द फाइनल कट' 4के रिस्टोर्ड वर्जन में आई। दर्शकों ने खचाखच भरे थिएटरों में फिल्म देखी। वीरू बनकर धर्मेंद्र की जोड़ी जय (अमिताभ बच्चन) के साथ अमर हो गई। 1 हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज यह फिल्म धर्मेंद्र के लिए ट्रिब्यूट थी।इन फिल्मों के अलावा, 'घूमर', रजनीकांत स्टारर 'पदयप्पा' की सुपरस्टारडम, रेखा की 'उमराव जान' की क्लासिक अदाकारी, 'धड़कन' की इमोशनल लव ट्रायंगल, 'जो जीता वही सिकंदर' की यूथ एनर्जी, और 'बाहुबली' की एपिक स्केल ने दर्शकों को बांधे रखा।

आयुष्मान खुराना-यामी गौतम की 'विक्की डोनर' ने स्पर्म डोनेशन जैसे टैबू पर हंसाया-रुलाया। राधिका आप्टे की 'हंटर', आलिया भट्ट-रणदीप हुड्डा की 'हाईवे' की खास जर्नी, संजय लीला भंसाली की 'पद्मावत', करिश्मा-सलमान की 'बीवी नंबर-1' ने भी अच्छी भीड़ खींची। वहीं, रोमांस लवर्स के लिए 'कहो ना प्यार है' ने ऋतिक की डेब्यू मैजिक याद दिलाई, 'कल हो ना हो' ने शाहरुख की इमोशनल जर्नी, 'लैला मजनू' ने इंटेंस लव स्टोरी, 'रॉकस्टार' ने रणबीर की म्यूजिकल सोल जर्नी, और 'रहना है तेरे दिल में' ने स्वीट रोमांस को सिनेमाघरों में फिर से दिखाया।क्राइम और ड्रामा में अनुराग कश्यप की 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' ने गैंगस्टर सागा की रॉ एनर्जी, 'तुम्बाड' ने हॉरर-फैंटसी की मास्टरपीस वाइब, 'सत्या' ने मनोज बाजपेयी की अंडरवर्ल्ड क्लासिक, और 'करण अर्जुन' ने शाहरुख-सलमान स्टारर फिल्म का धमाल दिखाया।

शुभ संयोग में शुरू होगा नया साल 2026

इस बार अंग्रेजी नववर्ष बेहद ही शुभ संयोग में शुरू होने वाला है। कई ग्रहों के गोचर से कई शुभ संयोग बनेंगे, ऐसे में वर्ष 2026 कई राशियों के लिए बेहद शुभ साबित होने वाला है। अंग्रेजी नववर्ष के पहले दिन हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 का पहला दिन पौष माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि और गुरुवार के दिन पड़ेगा। इस दिन रोहिणी नक्षत्र का प्रभाव रहेगा, जो सुख-समृद्धि और उन्नति का प्रतीक माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अंग्रेजी नववर्ष 2026 के पहले दिन कई शुभ योग बन रहे हैं, जो सुख समृद्धि और तरक्की के लिए बेहद कारगर माने जा रहे हैं। 1 जनवरी 2026 को रवि योग भी बन रहा है, जो रात 10:48 बजे से शुरू होकर अगले दिन सुबह 7:14 बजे तक प्रभावी रहेगा। ज्योतिष शास्त्र में रवि योग को कार्यसिद्धि और धन लाभ के लिए विशेष फलदायी माना गया है।। इसके अलावा साल भर भी ग्रहों का राशि परिवर्तन जारी रहेगा। इसका असर सभी राशि वालों पर पड़ेगा। इन शुभ योग के बीच नए साल का आना ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नए साल को लेकर मान्यता भी है कि अगर अगर साल का पहला दिन अच्छा हो तो पूरा साल अच्छा रहता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार 1 जनवरी 2026 को पौष मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि रहेगी। त्रयोदशी भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष मानी जाती है और जब यह तिथि गुरुवार के दिन आती है, तो इसे गुरु प्रदोष व्रत कहा जाता है। इस व्रत का संबंध गुरु ग्रह यानी बृहस्पति से जोड़ा जाता है, जो ज्ञान, धर्म, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। गुरु प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं और कई प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं। नए साल पर शाम के समय प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा करें। प्रदोष काल सूर्यास्त से लगभग 45 मिनट पहले और 45 मिनट बाद तक माना जाता है। इस दौरान शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और फल अर्पित करें। 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का श्रद्धापूर्वक जाप करें और अंत में भगवान शिव की आरती करें। ऐसा माना जाता है कि इस विधि से की गई पूजा नए साल में सुख, शांति और सफलता दिलाती है।

वर्ष 2026 में कई महत्वपूर्ण ग्रहों का गोचर होने जा रहा है। साल 2026 में गुरु, राहु, और केतु जैसे बड़े ग्रह गोचर करेंगे। इस साल गुरु कर्क राशि में पहुंचेंगे। साथ ही राहु और केतु का गोचर भी होगा। राहु मकर राशि में और केतु कर्क राशि में पहुंचेंगे। वहीं, वर्ष 2026 में शनि मीन राशि में वक्री मार्गी होते रहेंगे।

ग्रह गोचर 2026

इस साल ग्रहों का ऐसा संयोग बना हुआ है जो कुछ राशियों के लिए भाग्यशाली रहने वाला है। साल 2026 में गुरु, राहु और केतु जैसे बड़े ग्रह गोचर करने जा रहे हैं। इस साल 2 जून को गुरु कर्क राशि में पहुंच जाएंगे इसके बाद अतिचारी चाल से चलते हुए गुरु अक्टूबर में सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, 25 नवंबर को राहु और केतु गोचर करेंगे। जहां राहु कुंभ राशि से मकर राशि में प्रवेश करेंगे वहीं, केतु का गोचर कर्क राशि में होगा। साथ ही सालभर शनि वक्री मार्गी होकर चलेंगे। जोकि कई राशियों के जीवन में बड़े उतार चढ़ाव लेकर आएंगे।

शुभ प्रभाव

बीमारियों के इलाज में भी नए-नए आविष्कार होंगे। नई-नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। चीजों की लागत सामान्य

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रहेगी। महंगाई में कमी आएगी। लोगों की सेहत में सुधार होगा। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रभाव बढ़ेगा और मजबूती भी आएगी। अन्य देशों से संबंध अच्छे हो जाएंगे। राष्ट्र विरोधी गतिविधियां खत्म होंगी। फसल और अनाज का उत्पादन बढ़ेगा। शैक्षणिक और धार्मिक गतिविधियां तेज हो सकती हैं। सरकार धीरे-धीरे आन्तरिक विवादों को खत्म करने में कामयाब रहेगी।

राजनीति क्षेत्र

राजनीति के में थोड़ा उथल पुथल जरूर होगा। लेकिन फिर सब स्थाई हो जाएगा। सभी उत्तम ढंग से काम करेंगे, राजनीतिक क्षेत्र में नेता अपने अपने स्थान पर स्थापित होंगे और फिर उत्तम कार्य करेंगे। राजनीतिक स्थिरता आएगी। राजनीतिक क्षेत्र में कई प्रभावशाली लोग आएंगे जो लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। इस बार कड़ा राजनीतिक द्वंद भी देखने को मिलेगा।

सामाजिक क्षेत्र

साल 2026 में सामाजिक क्षेत्र में कई बड़े काम होंगे। सामाजिक समरसता बहेगी। लोग एकजुट होंगे, धार्मिक क्षेत्र में कई बड़े काम होंगे। कई इतिहास बनेंगे। लोगों की बड़ी आस्था देखने को मिलेगी। समाज में एकता बनेगी।.

व्यापार क्षेत्र

व्यापार क्षेत्र में बहुत लाभ ही लाभ होगा, जैसे दलहन, तिलहन, धान है और विशेष कर जो लोग धनिया की खेती करते हैं, धनिया, लहसुन इसमें विशेष उन्नति लाभ मिलेगा और फसलों में गेहू और धान की उत्पादन अधिक होगी। इससे व्यापारी वर्ग विशेष उसका लाभ उठाएंगे और जो किसान खेती करके वहां जाकर बेचेंगे, उनको भी पूर्ण रूप से लाभ होने की संभावना है।

शिक्षा और रोजगार क्षेत्र

शिक्षा के क्षेत्र में बहुत उत्तम समय रहेगा। प्रतियोगिता में अधिक से अधिक लड़के लाभान्वित होंगे और नौकरी के उत्तम योग भी बनेगा। शिक्षा अच्छी मिलेगी और शिक्षा में सभी बच्चों की विशेष रुचि भी 2026 में बहुत अधिक रहेगी। नौकरी की बात करें तो नौकरी में जैसे प्राइवेट सेक्टर है या सरकारी सेक्टर है। दोनों में विशेष भर्तियां होंगी और अधिक से अधिक छात्र जो विशेष तैयारी कर रहे हैं। मेहनत कर रहे हैं उनको लाभ मिलेगा।

करें पूजा-पाठ और दान

हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

राशियों पर असर

मेष, वृश्चिक : सफलता तो मिलेगी। लेकिन इसके लिए आपको संघर्ष करना पड़ेगा।

वृष, तुला: नया वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाएगा। प्रमोशन भी मिल सकता है।

मिथुन, कन्या : सभी प्रकार के सुखों में वृद्धि होगी। तो वहीं इन्हें भी इंक्रीमेंट मिल सकता है।

कुंभ, मकर : पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। वाहन सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। विवादों से दूर रहें।

धनु, मीन: अभी तक रुके कार्य पूरे होंगे। धर्म लाभ मिलने लगेगा। मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

कर्क : नया साल कुछ मानसिक तनाव लेकर आ सकता है।

सिंह : मेहनत करनी पड़ेगी। इसी के बाद आपको सफलता मिलेगी।

बेडरूम में बेड की गलत दिशा और पोजीशन बन सकता है दुखों का कारण, बेडरूम से जुड़े इन वास्तु नियमों का रखें ख्याल

बेडरूम घर का एक हिस्सा है जहां पूरे दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद वहां जाते ही हमें सुकून महसूस होता है। वहीं, वास्तुशास्त्र में बेडरूम और उसमें रखी वस्तुओं के लिए कुछ ऐसे नियम और टिप्स बताए गए हैं जिनका ख्याल जरूर रखना चाहिए। इससे नेगेटिव एनर्जी दूर रहती है, रात में सुकून की नींद आती है, रोगों से बचाव हो सकता है और आसपास का वातावरण सकारात्मक बना रहता है। लेकिन अगर बेडरूम में बेड की दिशा सही न हो, या उसके आसपास मौजूद वस्तुएं सही स्थान पर न रखी हों तो यह दुखों का कारण भी बन सकता है।

बेड या बेडरूम के पीछे नहीं होनी चाहिए ये चीजें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, जिस स्थान पर बेडरूम मौजूद हो उसके पीछे कोई भी इलेक्ट्रिक मीटर, जनरेटर आदि नहीं होना चाहिए। मान्यता है कि बेड या बेडरूम के पीछे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखने से इसका बुरा प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इसके अलावा, बेडरूम में सिरहाने की तरफ वाली दीवार के पीछे गटर का प्वाइंट होना भी शुभ नहीं माना जाता है। साथ ही, बेडरूम के पीछे भूलकर भी किचन या स्टोव रखने का स्थान नहीं बनवाना चाहिए। इससे जातक के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बेडरूम के गेट के ठीक सामने न रखें बेड

अगर आपने बेडरूम में अपने कमरे के दरवाजे के ठीक सामने बिस्तर रखा है। तो उसकी पोजीशन को तुरंत बदल लें। इसके अलावा, अगर बेडरूम में अंदर प्रवेश करते समय बेड का कोना आना भी शुभ नहीं माना जाता है। वास्तु के अनुसार कमरे में बेड इस प्रकार रखना चाहिए कि उसके गेट के सामने का कुछ हिस्सा खाली नजर आए। गलत स्थान पर बेड रखने से इसका प्रभाव नींद और आसपास के वातावरण पर पड़ सकता है।

बेडरूम में शीशा रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु के अनुसार, शीशा कभी भी बेड के सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि सोते समय हमारे शरीर का जो भी हिस्सा शीशे में दिखता है। व्यक्ति को उससे जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। बेडरूम में शीशा लगवाने की कोई मनाही नहीं होती है। लेकिन इसे सही पोजीशन में रखना महत्वपूर्ण होता है। शीशे को पूर्व या उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही, इस बात का ख्याल जरूर रखें की शीशे में बेड नजर न आ रहा हो।

बेड के नीचे भूलकर भी न रखें ये चीजें

आमतौर पर लोग ऐसा बेड लेना पसंद करते हैं जिसके नीचे स्टोरेज का स्पेस हो। लेकिन अगर संभव हो तो बिना स्टोरेज वाला बेड रखना चाहिए। वहीं, अगर आपके पास स्टोरेज स्पेस वाला बेड है तो इस बात का ख्याल जरूर रखें कि उसमें खराब या टूटी-फूटी चीजें नहीं रखनी चाहिए। इसके अलावा, दवाइयों के बिल, धन आदि भी बेड में नहीं रखना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है।

बेडरूम से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण नियम

वास्तु के अनुसार, बेडरूम में फैमिली फोटो उत्तर-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि पितरों की तस्वीर कमरे के अंदर नहीं लगाना चाहिए।

मैरिड कपल्स को बेड के सामने अपनी मुस्कुराती हुई तस्वीर लगानी चाहिए। इससे आसपास का वातावरण सुखद रहता है और दांपत्य जीवन सुखद बना रहता है।

बेडरूम में हल्के, शांत और पेस्टल कलर का पेंट करवाना चाहिए। ऐसा करने से कमरे में शांति का वातावरण बना रहता है। वहीं, काले, नीले जैसे डार्क कलर्स का पेंट या पर्दे कमरे में नहीं होने चाहिए।

अगर मास्टर बेडरूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो तो इस दीवार पर अलमारी या सामान रखने का स्थान छोड़ना चाहिए। साथ ही, उसमें कुछ धन भी अवश्य रखें। इससे बरकत होती है।

वास्तु के अनुसार मैरिड कपल का बेडरूम दक्षिण और पश्चिम दिशा में होना सबसे उत्तम माना जाता है। अगर बेडरूम में स्टडी टेबल हो तो उसे उत्तर-पूर्व दिशा की ओर लगवाना चाहिए।

बेडरूम में हमेशा ऐसी तस्वीर लगानी चाहिए, जिसे देखकर मन प्रसन्न रहे और आपके मन में अच्छे व शुभ विचार आते हों। इस प्रकार की तस्वीर जीवन में सकारात्मकता बनाए रखती है।

वैतेश्वरन कोइल मंदिर : यहां चिकित्सक के देवता के रूप में मौजूद रहते हैं महादेव

झारखंड के बैद्यनाथ धाम को बीमारियों का काल माना गया है। कहा जाता है कि इस ज्योतिर्लिंग में जाकर दर्शन करने से बड़ी से बड़ी बीमारी से मुक्ति मिलती है। वहीं, तमिलनाडु के तंजावुर में भगवान शिव को 'चिकित्सक का देवता' माना जाता है और भक्त अपनी बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए दूर-दूर से दर्शन के लिए आते हैं। इतना ही नहीं, मंदिर में ताड़ के पत्तों पर भविष्यवाणी भी की जाती है, जिससे भक्त अपनी सेहत के बारे में जान पाते हैं। तमिलनाडु के तंजावुर में भगवान शिव को समर्पित वैतेश्वरन कोइल मंदिर है, जहां भगवान शिव को रोगों से मुक्ति दिलाने वाले देवता के रूप में पूजा जाता है। मंदिर में भगवान शिव की पूजा वैद्यनाथ या वैथीस्वरन के रूप में होती है, जिसका अर्थ तमिल भाषा में 'वैथी' (चिकित्सक) और 'स्वरन' (भगवान) है। मंदिर को नवग्रह में से एक मंगल का प्रतिनिधित्व कर्ता भी माना जाता है, जो बड़े से बड़े कष्टों को हरने की ताकत रखता है। मंदिर के निर्माण में कई शासकों का योगदान रहा है। मंदिर के इतिहास को बताते हुए पांच शिलालेख मौजूद हैं, जिनमें कुलुथुंगा चोल प्रथम के बारे में विस्तार से बताया गया है। मंदिर इतना पुराना है कि इसका जिक्र शैव नयनारों और तमिल कवियों की कविताओं और भजनों में देखने को मिलता है। मंदिर पर चोल राजवंश की वास्तुकला और बारीक शैली देखने को मिलती है। मंदिर की दीवारों और स्तंभों पर कई देवी-देवताओं की प्रतिमाएं उकेरी गई हैं, जो मंदिर के इतिहास को गौरवशाली बनाती हैं। यह मंदिर ताड़ के पत्तों पर आधारित ज्योतिष, जिसे नाड़ी ज्योतिष के नाम से जाना जाता है, के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर में सिद्धामृतम तालाब भी मौजूद है, जिसके जल को औषधीय गुण से भरपूर बताया जाता है। मंदिर में दर्शन करने आने वाले भक्त भी तालाब के जल को पीते हैं और अपने प्रियजनों के लिए भी लेकर जाते हैं। पौराणिक कथा की मानें तो इसी जगह पर भगवान शिव ने अपने भक्त अंगहारा को कुष्ठ रोग से मुक्ति दिलाने के लिए चिकित्सक का रूप लिया था और अंगहारा को रोगों से मुक्ति दिलाई थी। इसी श्रद्धा और भाव के साथ भक्त भगवान शिव के वैथीस्वरन रूप की पूजा करने आते हैं।

शनि-चंद्रमा का अद्भुत संयोग बनाएगा मालामाल, नए साल से पहले निम्न राशियों को करियर में सफलता और धन लाभ

साल के अंतिम सोमवार के दिन चंद्रमा के मेष राशि में होने और चंद्रमा से द्वादश भाव में शनि के मीन राशि में विराजमान होने से अनफा योग बन रहा है। ज्योतिष शास्त्र में अनफा योग को परिश्रम, आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति अपने दम पर आगे बढ़ने की क्षमता रखता है और कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोता। शनि का द्वादश भाव में होना खर्च, विदेश यात्रा और आध्यात्मिक झुकाव को बढ़ा सकता है, जबकि चंद्रमा का मेष राशि में होना व्यक्ति के साहस और निर्णय क्षमता को मजबूत करता है। इस योग के कारण मेष, मिथुन, सिंह और मकर सहित कई राशियों के लिए करियर में सफलता और धन लाभ के योग बन रहे हैं।

मेष – मेष राशि के जातकों के लिए सोमवार का दिन बेहद ही शुभ रहने वाला है। आपने जिस प्रकार की पृष्ठभूमि लोगों के बीच बनाई है उसके बल पर आज का दिन व्यतीत होगा। दोपहर तक आर्थिक संकोच भी खत्म होगा। हालांकि, कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। आज लोग आपके लिए अच्छा सोचेंगे और आपकी मदद करने को तैयार रहेंगे। यह रहे हर बात का दो-हरा अर्थ निकलता है। ऐसे में सतर्क रहें।

वृष –आर्थिक मामलों में वृष राशि के जातकों को साल के अंतिम सप्ताह के पहले दिन भाग्य का साथ मिलने वाला है। स्थापित कारोबार का विस्तार होगा। त्रिपक्षीय साझेदारी करने की स्थिति बनेगी, लेकिन निजी संबंधों के मामले में त्रिपक्षीय रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित होगा, लेकिन वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं कर सकेगा। आपको संसाधन जुटाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सशक्त करना होगा।

मिथुन–सोमवार का दिन मिथुन राशि के जातकों के लिए मिलाजुला रहने वाला है। अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और यह याद रखे कि कुछ कर दिखाने के लिए ज्यादा तामझाम की जरूरत नहीं होती। हालांकि, आज न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ सकता है जो दूसरों के लिए असुविधाजनक हो।

कर्क –कर्क राशि वालों के लिए सोमवार का दिन थोड़ा संभलकर रहने वाला दिख रहा है। आज सुबह से ही कुछ प्रतिकूल समय आपके लिए चल रहा है। हो सकता है आज ही आपको स्वास्थ्य संबंधी प्रॉब्लम भी हो। दिन की शुरुआत में ही किसी अच्छे डॉक्टर आदि से मिलना बेहतर रहेगा। उसके बाद आप अपने रोजमर्रा के काम निपटा सकते हैं।

सिंह – साल के अंतिम सोमवार का दिन सिंह राशि के जातकों के लिए शुभ दिखाई दे रहे है। आपका सब कुछ ठीक-ठीक ही चलता नजर आ रहा है। कारोबार की स्थिति भी सुधरती जाएगी। किसी बड़े अधिकारी का सर पर हाथ होने से नौकरी में भी आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। विरोधियों और आलोचना करने वालों के दिल में अभी आपके लिए गुस्सा भरा हुआ है।

कन्या – कन्या राशि वालों के मददगार स्वभाव का कुछ लोग गलत फायदा उठा सकते हैं। आप जब अच्छे मूड में रहते है तो अपने चहेतों का भला करने में पीछे नहीं रहते हैं। इसका लाभ वे चापलूस भी उठा लेते हैं जो वास्तव में पीछे जाकर आपकी बुराई करते हैं। ऐसे ही लोगों में आज आपका समय व्यतीत होगा। जो सही पात्र हो उसका ही कल्याण करें। मित्रों से चर्चा होगी।

तुला –तुला राशि वालों के लिए आज का दिन अपने पेंडिंग पड़े कामों को निपटाने का दिन है। किसी परीक्षा या प्रतियोगिता के लिए आपको तैयार रहना होगा। अगर आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई अनुबन्ध या लिखा पढ़ी करना चाहते हैं तो दिन के समय ही कर डालें। बाकी और कामों के लिए भी अपराह्न तक अच्छा गोचर चल रहा है।

वृश्चिक –वृश्चिक राशि वालों का कभी कभी कोई काम सोच के विपरीत भी हो जाते हैं। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं वही धोखा दे जाता है। कुछ ऐसी ही घटना आज भी होती दिख रही है। बाकी का दिन मिश्रित फलदायक रहने वाला है। एकाध काम अच्छा हो जाने से मानसिक स्थिति ठीक रहेगी और किसी अच्छे समाचार मिलने से निराशा भी खत्म होगी।

धनु –धनु राशि के जातक कई दिनों से जिस काम के बिगड़ जाने से परेशान थे, उस काम में आज से सुधार हो सकता है। फिर भी किसी व्यर्थ की डर या आशंक से आपका मन आज के दिन अशांत रह सकता है। दोपहर बाद कुछ भागदौड़ करने से छिटपुट लाभ हो सकते हैं। ऐसे में धैर्य बनाए रखें और अपनी कोशिश करते रहें।

मकर –आज का दिन कुछ जानकारीपूर्ण और आपकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने वाला होगा। अच्छे गणमान्य व्यक्तियों से मेल मुलाकात होगी और किसी बड़े लाभ की आशा में दिन सार्थक नजर आएगा। परिजनों की तरफ से भी अच्छी खबरें मिल सकती है। किसी धार्मिक कार्य के लिए योजना बनाते वक्त आपकी सलाह ली जाएगी।

कुंभ –इस समय अपने कार्यक्षेत्र में आने जाने और सभी कार्यों को समय पर निबटाने का दौर चल रहा है। इस बीच कुछ अपने ही लोग आपकी चिन्ता भी बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी प्रेम प्रणय के जाल में उलझे हैं तो उसका फैसला भी जल्दी करें। नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन –आज आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं दिख रहा है। दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ आपके सामने लटके रहेंगे। जहां तक हो सके इनमें महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर लेना। दोपहर बाद फिर समय ठीक नहीं है। बनते काम में रुकावट पैदा होगी और उसका मानसिक अवसाद शाम तक बना रहेगा। मित्रों का सहयोग लेना जरूरी होगा।

संपादकीय

न्याय-अन्याय के बीच

उन्नाव दुराचार मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के खिलाफ शुक्रवार को पीड़िता की मां समेत कई लोगों ने दिल्ली हाईकोर्ट के सामने प्रदर्शन किया। वे दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उन्नाव रेप केस के दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दे दी थी। जिसके बाद फैसले को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। पीड़िता की मां इस जमानत को रद्द करने और शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने की बात कहती रही हैं। वे अपने पति के हत्यारों को फांसी देने की गुहार लगाती नजर आई। विपक्षी नेता भी आरोप लगाते रहे हैं जिस तरह तकनीकी आधार पर दोषी को छूट दी गई है, उसमें न्यायिक प्रणाली के लिये गलत परंपरा विकसित होगी। जिससे पीड़िता के परिवार का ही नहीं, बल्कि देश की महिलाओं का भरोसा भी टूटेगा। दरअसल, वर्ष 2017 में हुए इस बहुचर्चित मामले में पूर्व विधायक को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जिसे हाईकोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ पिछले दिनों जमानत दे दी। जिसके खिलाफ पीड़ित पक्ष और कतिपय महिला संगठन मुखर हुए हैं। बल्कि इस मामले की सर्वाइवर का कहना था कि यदि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर होगा तो सुरक्षा के लिये मुझे जेल भेज दिया जाए। उल्लेखनीय है कि सजा मिलने के छह साल बाद हाईकोर्ट की एक बैंच ने उसकी सजा निलंबित कर दी थी। पूर्व विधायक को 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के तीन जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया था। सजा निलंबित होने के कुछ ही घंटो के बाद पीड़िता व कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनका आरोप था कि उत्तर प्रदेश के अगले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दोषी को जमानत दी गई है। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर रहेगा तो उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इस मामले में विपक्षी राजनीतिक दलों की भी तल्ख प्रतिक्रियाएं आई हैं। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता ने इस जमानत को निराशाजनक बताया। उल्लेखनीय है कि इस अपराध के सामने आने में दस माह लगे थे। मामले के तूल पकड़ने पर पीड़िता के पिता पर हमला हुआ था। उन्हें बाद में जेल भेज दिया गया था और पुलिस हिरासत में रहस्यमय ढंग से उनकी मृत्यु हो गई थी। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट की बैंच ने कहा कि जमानत की अवधि में सेंगर सर्वाइवर के पांच किमी के दायरे में नहीं आएंगे और दिल्ली में ही रहेंगे। उसे हर सोमवार पुलिस के समक्ष रिपोर्ट करने का भी निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी कि किसी भी शर्त के उल्लंघन में जमानत रद्द कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सेंगर ने ट्रायल कोर्ट में दुराचार के लिये दोषी ठहराने वाले फैसले को चुनौती दी थी। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था, उसके खिलाफ बलात्कार, अपहरण और आपराधिक धमकी के आरोप लगे। साथ ही पोक्सो एक्ट के तहत भी मामला दर्ज हुआ था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इससे जुड़े चार मामलों की सुनवाई दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी। इस बीच रायबरेली जाते समय पीड़िता की कार को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी, जिसमें उनकी दो मौसियों की मौत हो गई थी। यही वजह है कि ट्रायल कोर्ट ने दुराचार के मामले में सेंगर को दोषी ठहराते हुए न केवल आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी बल्कि निर्देश दिया था कि सीबीआई सर्वाइवर और उसके परिवार के जीवन व स्वतंत्रता की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे। इतना ही नहीं ट्रायल कोर्ट ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सेंगर के सार्वजनिक सेवक होने के बावजूद अपराध करने को अनैतिक बताया था। जो जनता का विश्वास तोड़ने वाला है। यहीं कानून के जानकार मानते हैं कि पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में भी सेंगर को दस साल की सजा हुई थी, अतः अभी उसके जेल से बाहर आने की संभावना नहीं है। लेकिन इस जमानत के फैसले ने न्याय व अन्याय के सवाल को फिर से सवालों के घेरे में खड़ा किया है।

कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के खिलाफ शुक्रवार को पीड़िता की मां समेत कई लोगों ने दिल्ली हाईकोर्ट के सामने प्रदर्शन किया। वे दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उन्नाव रेप केस के दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दे दी थी। जिसके बाद फैसले को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। पीड़िता की मां इस जमानत को रद्द करने और शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने की बात कहती रही हैं। वे अपने पति के हत्यारों को फांसी देने की गुहार लगाती नजर आई। विपक्षी नेता भी आरोप लगाते रहे हैं जिस तरह तकनीकी आधार पर दोषी को छूट दी गई है, उसमें न्यायिक प्रणाली के लिये गलत परंपरा विकसित होगी। जिससे पीड़िता के परिवार का ही नहीं, बल्कि देश की महिलाओं का भरोसा भी टूटेगा। दरअसल, वर्ष 2017 में हुए इस बहुचर्चित मामले में पूर्व विधायक को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जिसे हाईकोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ पिछले दिनों जमानत दे दी। जिसके खिलाफ पीड़ित पक्ष और कतिपय महिला संगठन मुखर हुए हैं। बल्कि इस मामले की सर्वाइवर का कहना था कि यदि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर होगा तो सुरक्षा के लिये मुझे जेल भेज दिया जाए। उल्लेखनीय है कि सजा मिलने के छह साल बाद हाईकोर्ट की एक बैंच ने उसकी सजा निलंबित कर दी थी। पूर्व विधायक को 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के तीन जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया था।

अपराध उन कमजोर सामाजिक-आर्थिक संरचनाओं में जड़ें जमाता है जहाँ गरीबी, अशिक्षा, विस्थापन, लैंगिक असमानता और प्रशासनिक उदासीनता एक साथ मौजूद रहती हैं

बाल तस्करी और न्याय की परीक्षा

प्रियंका सौरभ

बाल तस्करी की भयावहता केवल इस तथ्य में निहित नहीं है कि बच्चे शोषण का शिकार बनते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि यह अपराध अत्यंत कुशलता से कानून और न्यायिक प्रक्रिया की सीमाओं का लाभ उठाता है। इसी कारण, कड़े कानूनी प्रावधानों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के बावजूद भारत में बाल तस्करी से जुड़े मामलों में दोषसिद्धि दर चिंताजनक रूप से कम बनी हुई है। बाल तस्करी को 'स्तरित संगठित अपराध' कहा जाना मात्र एक सैद्धांतिक अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि यह इसके कार्य-तंत्र की वास्तविक प्रकृति को दर्शाता है। इस अपराध में सामान्यतः कोई एक केंद्रीय संचालक नहीं होता, बल्कि अनेक स्वतंत्र लेकिन परस्पर पूरक इकाइयाँ कार्य करती हैं। भर्ती करने वाला व्यक्ति प्रायः स्थानीय स्तर पर सक्रिय होता है, जो बच्चों या उनके अभिभावकों को शिक्षा, रोजगार, बेहतर जीवन या विवाह जैसे झूठे वादों के माध्यम से फुसलाता है। इसके बाद परिवहन से जुड़े एजेंट, आश्रय उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क, दस्तावेज़ों की जालसाजी करने वाले समूह और अंततः शोषण करने वाले व्यक्ति या संस्थाएँ अलग-अलग स्तरों पर सक्रिय होती हैं।

भारत में बाल तस्करी आज केवल एक सामाजिक विकृति नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित, बहुस्तरीय और संगठित आपराधिक तंत्र का रूप ले चुकी है। यह अपराध उन कमजोर सामाजिक-आर्थिक संरचनाओं में जड़ें जमाता है जहाँ गरीबी, अशिक्षा, विस्थापन, लैंगिक असमानता और प्रशासनिक उदासीनता एक साथ मौजूद रहती हैं। बाल तस्करी की भयावहता केवल इस तथ्य में निहित नहीं है कि बच्चे शोषण का शिकार बनते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि यह अपराध अत्यंत कुशलता से कानून और न्यायिक प्रक्रिया की सीमाओं का लाभ उठाता है। इसी कारण, कड़े कानूनी प्रावधानों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के बावजूद भारत में बाल तस्करी से जुड़े मामलों में दोषसिद्धि दर चिंताजनक रूप से कम बनी हुई है। बाल तस्करी को 'स्तरित संगठित अपराध' कहा जाना मात्र एक सैद्धांतिक अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि यह इसके कार्य-तंत्र की वास्तविक प्रकृति को दर्शाता है। इस अपराध में सामान्यतः कोई एक केंद्रीय संचालक नहीं होता, बल्कि अनेक स्वतंत्र लेकिन परस्पर पूरक इकाइयाँ कार्य करती हैं। भर्ती करने वाला व्यक्ति प्रायः स्थानीय स्तर पर सक्रिय होता है, जो बच्चों या उनके अभिभावकों को शिक्षा, रोजगार, बेहतर जीवन या विवाह जैसे झूठे वादों के माध्यम से फुसलाता है। इसके बाद परिवहन से जुड़े एजेंट, आश्रय उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क, दस्तावेज़ों की जालसाजी करने वाले समूह और अंततः शोषण करने वाले व्यक्ति या संस्थाएँ अलग-अलग स्तरों पर सक्रिय होती हैं। इन सभी के बीच प्रत्यक्ष संपर्क न्यूनतम होता है, जिससे पूरे अपराध तंत्र को एक सूत्र में बाँधकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना अत्यंत कठिन हो जाता है। इस स्तरित संरचना का सबसे बड़ा लाभ अपराधियों को यह मिलता है कि प्रत्येक कड़ी स्वयं को सीमित भूमिका तक प्रतिबंधित दिखा सकती है। कोई स्वयं को केवल 'मददगार', कोई 'दलाल', तो कोई 'नियोक्ता' बताकर अपनी आपराधिक मंशा से पल्ला झाड़ लेता है। परिणामस्वरूप, अभियोजन पक्ष के लिए आपराधिक षड्यंत्र, साझा मंशा और संगठित अपराध को सिद्ध करना लगभग असंभव हो जाता है। यह जटिलता तब और बढ़ जाती है जब तस्करी अंतर-राज्यीय या अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण कर लेती है, जहाँ विभिन्न राज्यों के कानून, पुलिस तंत्र और न्यायिक प्रक्रियाएँ एक-दूसरे से समन्वित नहीं हो पातीं। आधुनिक समय में डिजिटल प्रौद्योगिकी ने इस अपराध को और अधिक अदृश्य बना दिया है। एनक्रिप्टेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, गुप्त मैसेजिंग ऐप्स और डिजिटल भुगतान प्रणालियों के माध्यम से तस्कर न केवल बच्चों की आवाजाही को नियंत्रित करते हैं, बल्कि साक्ष्यों को भी शीघ्र नष्ट कर देते हैं। इस स्थिति में पारंपरिक जाँच पद्धतियाँ अपर्याप्त सिद्ध होती हैं और अभियोजन का पूरा बोझ अंततः पीड़ित की गवाही पर आ टिकता है। यहीं से बाल तस्करी से जुड़े मामलों में साक्ष्यगत चुनौतियों की वास्तविक समस्या प्रारंभ होती है। नाबालिग

पीड़ित अक्सर भय, मानसिक आघात, सामाजिक कलंक और आर्थिक निर्भरता के कारण स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने की स्थिति में नहीं होते। लंबे समय तक चली शारीरिक और मानसिक यातना उनके स्मृति-तंत्र को प्रभावित करती है, जिसके कारण उनकी गवाही में असंगतियाँ, रिक्तताएँ और विरोधाभास स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होते हैं। इसके बावजूद, परंपरागत न्यायिक दृष्टिकोण में इन असंगतियों को गवाही की अविश्वसनीयता के रूप में देखा जाता रहा है। इतिहासतः भारतीय न्याय प्रणाली में तस्करी के शिकार बच्चों को कई बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सह-अपराधी की तरह देखा गया। विशेष रूप से यौन शोषण या अवैध श्रम से जुड़े मामलों में यह धारणा बनी कि पीड़ित ने परिस्थितियों से समझौता किया या किसी स्तर पर अपराध में भागीदारी निभाई। इस दृष्टिकोण के कारण उनकी गवाही को अतिरिक्त पुष्टिकरण की आवश्यकता बताई गई, जबकि संगठित अपराधों में स्वतंत्र साक्ष्य उपलब्ध होना पहले से ही दुर्लभ होता है। नतीजतन, अभियुक्त संदेह का लाभ उठाकर बरी होते रहे और पीड़ित न्याय से वंचित रह गए। शिकायत दर्ज करने में देरी भी एक बड़ी समस्या रही है। सामाजिक भय, परिवार की प्रतिष्ठा, आर्थिक असुरक्षा और अपराधियों की धमकियों के कारण पीड़ित या उनके अभिभावक प्रायः लंबे समय तक चुप रहते हैं। न्यायालयों द्वारा इस देरी को संदेह की दृष्टि से देखा जाना अभियोजन को और कमजोर कर देता है। इसके अतिरिक्त, अपराध की पूरी श्रृंखला को क्रमबद्ध रूप से न बता पाना, विशेषकर तब जब अपराध कई महीनों या वर्षों तक चला हो, पीड़ित की गवाही को तकनीकी आधार पर खारिज करने का कारण बनता रहा है। इसी पृष्ठभूमि में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नाबालिगों को 'पीड़ित गवाह' के रूप में मान्यता देने का निर्देश भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली में एक गुणात्मक परिवर्तन का संकेत देता है। यह निर्देश यह स्वीकार करता है कि बाल तस्करी के शिकार बच्चे अपराध के सहभागी नहीं, बल्कि संरचनात्मक शोषण के शिकार हैं। 'पीड़ित गवाह' की अवधारणा गवाही के मूल्यांकन के पारंपरिक मानकों को मानवीय यथार्थ के साथ जोड़ती है और न्यायालयों को यह स्मरण कराती है कि आघात-ग्रस्त स्मृति पूर्णतः तार्किक या रैखिक नहीं होती। इस न्यायिक दृष्टिकोण के तहत अब यह अनिवार्य नहीं रह जाता कि पीड़ित की गवाही हर बिंदु पर पूर्णतः सुसंगत और त्रुटिहीन हो। सूक्ष्म विरोधाभास, घटनाओं के क्रम में अस्पष्टता या विवरणों में अंतर को स्वाभाविक मानवीय प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाता है, न कि झूठ या मनगढ़ंत कहानी के प्रमाण के रूप में। इससे अभियोजन को यह अवसर मिलता है कि वह अपराध की व्यापक संरचना को परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और पीड़ित के कथन के संयुक्त मूल्यांकन के आधार पर प्रस्तुत कर सके। 'पीड़ित गवाह' का दर्जा यह भी सुनिश्चित करता है कि शिकायत में देरी को स्वचालित रूप से गवाही की कमजोरी न माना जाए। भय, सामाजिक दबाव और मानसिक आघात को न्यायिक संज्ञान में लेते हुए अब देरी को परिस्थितिजन्य वास्तविकता के रूप में समझा जाता है। यह परिवर्तन विशेष रूप से बाल तस्करी जैसे अपराधों में महत्वपूर्ण है, जहाँ पीड़ित की चुप्पी स्वयं अपराध की निरंतरता का परिणाम होती है। इसके अतिरिक्त, यह दृष्टिकोण स्मृति-लोप और विखंडित स्मृति को भी वैध मान्यता देता है। आघात के कारण उत्पन्न स्मृति-विघटन में पीड़ित को अपराध की पूरी श्रृंखला याद न रह पाना स्वाभाविक है। पहले जहाँ यह स्थिति अभियुक्त के पक्ष में जाती थी, वहीं अब न्यायालयों को यह विवेक प्राप्त होता है कि वे गवाही के मूल भाव और संदर्भ को महत्व दें, न कि केवल तकनीकी पूर्णता को। इस प्रकार, 'पीड़ित गवाह' की अवधारणा न्यायिक प्रक्रिया को औपचारिकता-प्रधान से पीड़ित-केंद्रित यथार्थवाद की ओर ले जाती है। यह परिवर्तन न केवल दोषसिद्धि दर बढ़ाने की क्षमता रखता है, बल्कि संगठित अपराधों के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आयामों को भी न्यायिक विमर्श में स्थान देता है। जब पीड़ित की आवाज़ को संदेह के बजाय संवेदना और समझ के साथ सुना जाता है, तभी न्याय प्रणाली अपने वास्तविक उद्देश्य की पूर्ति कर पाती है। फिर भी, यह स्वीकार करना आवश्यक है कि केवल न्यायिक निर्देश पर्याप्त नहीं हैं। यदि 'पीड़ित गवाह' की अवधारणा को प्रभावी बनाना है, तो इसके साथ-साथ जाँच एजेंसियों की संवेदनशीलता, अभियोजकों का प्रशिक्षण, गवाह संरक्षण तंत्र और पीड़ितों का पुनर्वास भी उतना ही आवश्यक है। बिना सामाजिक-आर्थिक पुनर्स्थापन के, पीड़ित पुनः शोषण के चक्र में फँस सकता है, जिससे न्यायिक उपलब्धियाँ खोखली सिद्ध होंगी। अंततः, बाल तस्करी के विरुद्ध संघर्ष केवल कानून का प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक उत्तरदायित्व का विषय है। सर्वोच्च न्यायालय का 'पीड़ित गवाह' संबंधी निर्देश इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो यह संकेत देता है कि न्याय अब केवल प्रक्रिया का पालन नहीं, बल्कि पीड़ित के अनुभव को समझने का प्रयास भी है। यदि इस दृष्टिकोण को सशक्त संस्थागत समर्थन प्राप्त होता है, तो यह भारत में बाल तस्करी जैसे स्तरित संगठित अपराधों के विरुद्ध एक प्रभावी हथियार सिद्ध हो सकता है और न्याय की अवधारणा को वास्तव में मानवीय बना सकता है।

देश दुनिया से

असामान्य ठंड से निपटने को जरूरी कारगर रणनीति

कर्नाटक के हुबली-धारवाड़ में कभी स्वेटर की दुकान नहीं होती थी, आज वहां लोग रूम हीटर खरीद रहे हैं। यह हाल भीषण गर्मी के लिए मशहूर पूरे उत्तरी-कर्नाटक का है। धारवाड़ में तापमान लगातार 10.2 डिग्री के आसपास है। इसी तरह, गदग में न्यूनतम तापमान 10.8, बीदर में 10 डिग्री सेल्सियस, हासन में 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हासन, विजयपुर के बाजारों में पहली बार जाड़े के कपड़ों की बिक्री जमकर हो रही है। बेंगलुरु में इतनी सर्दी कभी देखी नहीं गई। उधर चेन्नई में सालों बाद 20 डिग्री से नीचे तापमान गया और समुद्र किनारे के इस महानगर के लिए यह कड़ाके की ठंड बन गया। ऊटी तो खैर राज्य का पहाड़ी क्षेत्र है लेकिन वहां भी तापमान 5.3 हो जाना अचरज है। ईरोड के तलवाड़ी में 11.4 डिग्री, डिग्री, धर्मपुरी के कुछ हिस्सों में 15 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यही हाल आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में है। मौसम का बदलता मिजाज समाज, अर्थव्यवस्था आदि पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। जलवायु परिवर्तन के लिए सरकार व समाज को चेत जाना चाहिए। भारत के दक्षिणी प्रायद्वीपीय राज्यों- तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना और केरल- को समशीतोष्ण या उष्णकटिबंधीय जलवायु के लिए जाना जाता है, जहां शीत लहर की स्थिति दुर्लभ होती है। हाल के वर्षों में ठंड के मौसम में उत्तरी हवाओं के असामान्य रूप से गहरे प्रवेश के कारण इन क्षेत्रों के आंतरिक हिस्सों में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अप्रत्याशित शीत लहर के चलते कई जगह न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री तक नीचे चला गया है। इसका गंभीर असर स्थानीय पारिस्थितिकी प्रणालियों और मानव जीवन पर हो रहा है भारत के 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी' का एक शोध बताता है कि साल 2021-2050 के बीच दक्षिण भारत के कई इलाकों का तापमान 0.5 डिग्री से 1.5 डिग्री तक और सर्दियों में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक बढ़ सकता है। यही नहीं खरीफ और रबी दोनों फसली-मौसम में वर्षा में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रिपोर्ट में राज्यों को जलवायु जोखिम मूल्यांकन और लचीली आधारभूत संरचना निर्माण की सलाह दी गई है। बढ़ती मौसम असमानता के कारण बाढ़ के बाद जल-जनित रोग और तापमान उतार-चढ़ाव से श्वसन की समस्याएं बढ़ी

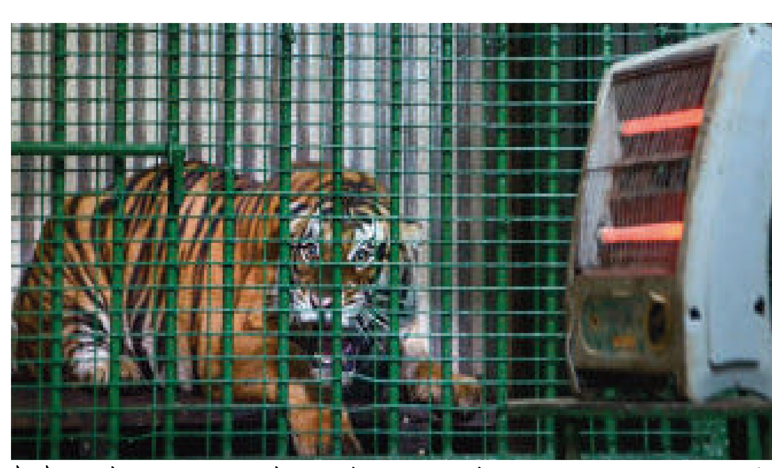

हैं। मौसम की ये प्रवृत्तियां दक्षिण भारत के समाज को नई चुनौती है। दक्षिण भारत की कृषि मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय फसलों पर निर्भर करती है, जो पाले या अत्यधिक ठंड के प्रति अत्यंत संवेदनशील होती हैं। अप्रत्याशित शीत लहर से फसल को नुकसान और उपज में कमी की प्रबल संभावना होती है। दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, कर्नाटक के मलनाड आदि पहाड़ी क्षेत्र और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में कॉफी, चाय और इलायची जैसी बागवानी फसलें उगाई जाती हैं, जो ठंड के प्रति संवेदनशील हैं। कर्नाटक के चिकमंगलूर, कोडागु तथा केरल व तमिलनाडु के पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान में अचानक गिरावट से पौधों की पत्तियां पाले से क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान कम होने से कॉफी के पौधों में पत्ती झुलसने की समस्या हो जाती है। ठंड की मार आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में केले की फसल पर पड़ने की संभावना है। पाला पड़ने पर पत्तियां पीली पड़ जाती हैं व फल छोटे रह जाते हैं। लंबे समय तक ठंड से नारियल व सुपारी के पौधों में विकास रुक जाता है। ऐसा ही असर सब्जी व दालों की खेती पर होगा। कर्नाटक, तमिलनाडु में अचानक शीत लहर के दौरान गायों-भैंसों को बीमारियां तो लगती ही हैं, शरीर का तापमान बनाए रखने को उन्हें अधिक आंतरिक ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है, जिससे दूध पैदावार में 10-20 फीसदी तक की कमी होती है। आंध्र प्रदेश, विशेषकर कृष्णा और गोदावरी जिलों में झींगा और मछली पालन होता है। तालाबों में जब पानी का तापमान अचानक गिरता है, तो मछली की चयापचय दर कम हो जाती है, वे भोजन खाना बंद कर देती हैं, और रोगग्रस्त हो जाती हैं। अत्यधिक ठंड में मछलियां मर भी सकती हैं। इसी तरह झींगा फार्मों में पानी का तापमान 20 डिग्री से नीचे जाने पर झींगा का विकास रुक जाता है जिससे किसानों को नुकसान होता है। अचानक जाड़ा पड़ने के साथ ही दक्षिण भारत में बड़ी संख्या में सांस और खांसी के मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। चूंकि उनकी जीवनशैली और आवास हल्के मौसम के अनुरूप बने हैं, अचानक और तीव्र ठंड के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो दक्षिण भारत में पड़ रही अधिक ठंड अल्पकालिक मौसमी विसंगतियों जैसे - ठंडी हवाओं का गहरा प्रवेश, साफ आसमान, चक्रवात के अप्रत्यक्ष असर का परिणाम है। लेकिन, जलवायु परिवर्तन इस संभावना को बढ़ाता है कि शीत लहर जैसी चरम-मौसम की घटनाएं असामान्य रूप से तीव्र या अप्रत्याशित हो सकती हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में जलवायु परिवर्तन न केवल औसत तापमान बढ़ा रहा है, बल्कि मौसमी घटनाओं को चरम और अप्रत्याशित बना रहा है। शीत लहर ने उजागर किया है कि आंतरिक कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे क्षेत्र अब अत्यधिक ठंड के प्रति असुरक्षित हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों में, जहां बुनियादी ढांचा व जीवनशैली गर्मी और आर्द्रता के अनुरूप बनी है, वहां अप्रत्याशित ठंड से निपटने के लिए सरकारों को बहुआयामी और दूरदर्शी रणनीति अपनाने की जरूरत है।

आप का नज़रिया

सरसों का संकट

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खून-पसीने की उपज को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूं और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन प्रणाली मौजूद है, सरसों की फसल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फलतः किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महंगे आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज की खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएं पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फिट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। निश्चित रूप से इसके लिए अनिवार्य शर्त है कि बाजार की संरचना में जरूरत के अनुरूप बदलाव प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य श्रृंखलाओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है। यही प्रयास पंजाब के खेतों में पीली आभा फिर से पैदा करने की दिशा में कारगर साबित होंगे। सही मायनों में पंजाब में सरसों की खेती की कहानी नीतिगत विसंगतियों को ही उजागर करती है। दरअसल, संस्थागत स्तर पर समर्थन कुछ चुनिंदा फसलों को दिया जाता रहा है। जब तक यह असंतुलन दूर नहीं किया जाता, सरसों एक खोये हुए अवसर का प्रतीक बनकर रह जाएगी। इस फसल के पुनरुद्धार के लिये महज नारों की ही नहीं, बल्कि उसी गंभीरता की आवश्यकता है, जो गेहूं और धान की फसलों को लेकर लंबे समय से बरती जाती रही है।

पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है।

कुछ अलग

धैर्य से सफलता

एक बार मगध के गुरुकुल में आचार्य ज्ञानसागर जी ने अपने शिष्यों के धैर्य की परीक्षा ली। एक सत्र के पूर्ण होने पर आचार्य ने शिष्यों को बांस की टोकरियां देते हुए कहा, 'जाओ और इनमें नदी से जल भर लाओ। गुरुकुल की सफाई करनी है।' शिष्य आचार्य की आज्ञा सुनकर चकित रह गए, क्योंकि बांस की टोकरियों में जल भरकर लाना असंभव-सा था। फिर भी, गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए सभी शिष्य नदी पर गए और प्रयास किया। लेकिन बांस की टोकरियों में जल भरने से वह जल छिद्रों से रिस जाता और कोई भी शिष्य जल भरकर वापस नहीं लौट पाया, सिवाय एक शिष्य के। वह शिष्य आचार्य के प्रति पूर्ण निष्ठा से भरा हुआ था। उसने यह सोचकर बार-बार जल भरने का प्रयास किया कि गुरुदेव ने यह आदेश किसी कारण से दिया है। दिनभर प्रयास करने के बाद, जब बांस की टोकरियां नदी में पानी से भरते-भरते पूरी तरह भीग गईं, तो बांस की तीलियां फूल गईं और सभी छिद्र बंद हो गए। शाम तक वह शिष्य पूरी तरह से जल भरकर आचार्य के पास लौटा। आचार्य ने उसे देखा और अन्य शिष्यों को दिखाकर कहा, 'कार्य तो मैंने तुम्हें कठिन सौंपा था, लेकिन विवेक, धैर्य, लगन और निरंतर प्रयास से यह भी संभव हो गया। कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से असंभव-सा दिखने वाला कार्य भी संभव हो सकता है। इसलिए कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।'

दृष्टि कोण

चक्रव्यूह से मुक्त वसीयत का 'आजादी महोत्सव'

भारत में अपनी ही संपत्ति को अपनों के नाम छोड़ जाने की प्रक्रिया अक्सर एक कानूनी दुःस्वप्न बन जाती थी। लेकिन संसद ने 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' के जरिए भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम की बेड़ियां काटकर एक नई सुबह का आगाज किया है। सालों से चली आ रही 'प्रोबेट' की अनिवार्य शर्त को अब इतिहास के कूड़ेदान में डाल दिया गया है। सरल शब्दों में कहें तो, अब मरने वाले की अंतिम इच्छा यानी उसकी 'वसीयत' को कानूनी मान्यता दिलाने के लिए अदालतों की लंबी कतारों और भारी-भरकम फीस से मुक्ति मिल गई है। सरल शब्दों में समझें तो 'प्रोबेट' अदालत द्वारा जारी किया गया वह प्रमाणपत्र है, जो कानूनी रूप से यह तस्दीक करता है कि वसीयत पूरी तरह असली है और इसे बनाने वाला व्यक्ति (वसीयतकर्ता) इसे लिखते समय पूरी तरह होश-ओ-हवास और सही मानसिक स्थिति में था। अब तक हमारा कानून एक अजीब विरोधाभास और 'क्षेत्रीय भेदभाव' का शिकार था। अगर आप मुंबई, कोलकाता या चेन्नई जैसे पुराने 'प्रेसिडेंसी टाउन्स' में रहते थे, तो वसीयत होने के बावजूद संपत्ति हस्तांतरण के लिए प्रोबेट लेना अनिवार्य था। यह प्रक्रिया किसी दुःस्वप्न से कम नहीं थी; इसमें न केवल सालों का समय बर्बाद होता था, बल्कि संपत्ति की कुल कीमत का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 2 से 5 प्रतिशत तक) भारी-भरकम 'कोर्ट फीस' और वकीलों के खर्च की भेंट चढ़ जाता था। 2025 का यह नया सुधार इसी विसंगति पर प्रहार करता है। अब चाहे आप दिल्ली के दिल में हों, पटना की गलियों में या मुंबई के समंदर किनारे- कानून की नज़र में सब बराबर हैं। सरकार ने इस 'अनिवार्यता' को खत्म कर यह सुनिश्चित किया है कि अब विरासत पाने के लिए आपको अपनी ही जेब खाली नहीं करनी पड़ेगी। यह ऐतिहासिक बदलाव रातो-रात नहीं आया, बल्कि इसके पीछे न्यायपालिका के दशकों पुराने कानूनी मंथन की गूंज है। इस सुधार की बुनियाद असल में साल 2001 में ही रख दी गई थी, जब 'क्लोरेंस पैस बनाम भारत संघ'

मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी। हालांकि उस वक्त अदालत ने धारा 213 की वैधता को बरकरार रखा, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट संकेत भी दिया कि प्रोबेट की अनिवार्यता केवल कुछ विशेष और सीमित परिस्थितियों के लिए ही तर्कसंगत हो सकती है। इस फैसले ने भविष्य के लिए एक नई बहस छेड़ दी थी - कि क्या एक निर्विवाद वसीयत के लिए भी अदालती मुहर हर हाल में जरूरी होनी चाहिए? साल 2005 में 'मैरी कोचु बनाम थॉमस' जैसे मामलों में अदालतों ने और भी सख्त रुख अपनाया। केरल हाईकोर्ट और बाद के विभिन्न फैसलों में यह स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया कि प्रोबेट की अनिवार्यता का नियम अक्सर न्याय दिलाने के बजाय केवल कानूनी पेचीदगियां और बोझ बढ़ाता है। हाल के वर्षों में तो सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार यह दोहराया कि यदि वसीयत की सत्यता पर कोई संदेह नहीं है, तो वारिसों को जबरन अदालती चक्रव्यूह में घसीटना 'ईज ऑफ लिविंग' (सुगम जीवन) के बुनियादी सिद्धांतों के सरासर खिलाफ है। 2025 के इस नए कानून ने असल में न्यायपालिका की इन्हीं प्रगतिशील टिप्पणियों और वर्षों की कानूनी जद्दोजहद को एक 'वैधानिक कवच' प्रदान कर दिया है। संसद ने अदालतों की उस मंशा को कानून का रूप दे दिया है, जो लंबे समय से आम आदमी को वसीयत के नाम पर होने वाली कानूनी प्रताड़ना से बचाना चाहती थी। धारा 213 के हटने से वसीयत अब एक बेहद शक्तिशाली दस्तावेज बन गई है। अब उत्तराधिकारी प्रोबेट के बिना भी सीधे संपत्ति का म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) और बैंक खातों का सेटलमेंट करा सकेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज खर्चा ज्यादा होगा स्वास्थ्य भी चिंतित करेगा इसलिए समजदारी से कार्यो का संचालन करें। आपका जीवन साथी आपकी और परिवार की पूरी देखभाल करेंगे आप को भी खुशी होगी। आपके दुश्मन आपके खिलाफ गुप्त रूप से काम कर सकते हैं और आपको परेशानी दे सकते हैं. आज कोई दुखद घटना आप को परेशान करेगी यात्रा का योग नही हैं फिलहाल टाल दें।
मृत्युंजय यंत्र का जप करें ब्राह्मण बटुक को दूध का दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका दिन बदलाव का हैं परिवर्तन होगा सीनियर्स आपके कार्यो की प्रशंसा होगी. बचपन के किसी मित्र से आपकी मुलाकात होगी. दोस्त के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे. आपका मन प्रसन्न रहेगा. धैर्य पूर्वक किसी कार्य पर किया गया विचार बहुत फलदायी रहेगा. सोचे हुए कार्य पूरे होंगे. बिजनेस में कई नए मौके आपको मिलेंगे. अपने कारोबारी पार्टनर के साथ सही तालमेल रहेगा अपने परिवार के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच करने भी जा सकते हैं.शिवजी को जलधारा अर्पित करें बिल्वपत्र चढाए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को साझेदारी वाले कारोबार मे बहुत सोचसमझकर निर्णय लेने होंगे जीवनसंगिनी का पगपग पर साथ मिलेगा। कर्मचारियों के साथ आप असहज महसूस करेंगे . आज कहीं प्राकृतिक सौंदर्ययुक्त स्थान पर घूमने का आनन्द उठाएंगे. विद्यार्थियों के लिए समय मध्यम है. आपका रोमांटिक अंदाज दाम्पत्य जीवन को प्यार से भर देगा. समाज में मान सम्मान बढ़ेगा. संबंधो को बहुत ही नाजुकता से निभाने की जरुरत हैं घर मे पौधरोपण करें सुबह तुलसी को जल सींचे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अविवाहित है तो दुर्गा जीको घी का दीपक प्रज्वलित करें मंत्र का जप करें सम्बन्ध हो सकता हैं आप को रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हैं तो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे और आकर्षक सौदे हाथ लग सकते हैं. आप स्वयं के लिए यश एव कीर्ति भी अर्जित कर पाएंगे. आपके काम और व्यवसाय में सकारात्मक विकास होगा. अगर आप नौकरी या व्यवसाय बदलना चाहते हैं, तो आपको सफलता मिलेगी. आप आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित होंगे. आप के दिन का उतरार्ध सुखमय बीतेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सामाजिक कार्यों हिस्सा लेने से दिन ठीक बीतेगा आप को भी कार्य के प्रति रुचि भी रहेगी . कार्यस्थल पर किसी सहयोगी से वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है. किसी से बिना वजह आपको उलझने से बचना चाहिए. परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं. आपको कोई नया काम सिखने का अवसर मिल सकता है. कोई व्यक्ति आपकी योजनाओं को बिगाड़ने की कोशिश कर सकता है. मा भगवती को कमल का पुष्प अर्पित करें धनकोष बढेगा मन भी प्रफुल्लित रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ नया निवेश करना जोखिम भरा हो सकता हैं फिलहाल निवेश की योजना को टालदें यात्राका योग बन रहा हैं संभव हो सके तो अचल संपत्ति के विषय में आज चर्चा टाल दें. रात्रि में कुछ लोगों पर धन खर्चा करना पड़ सकता है. रोजी व रोजगार में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा. कुछ लोगों के जीवन में नये अवसर आएंगे जिन्हे नजरअंदाज न करें अन्यथा बाद में आत्मग्लानि होगी. आपके स्वभाव की सबसे खास बात संतुलित रहना है.शक्कर की मिठाई कन्याओं को खिलाएं रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन सकारात्मक रहेगा कार्य के परिणामदायक सुखद रहेगें . सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोग कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेंगे. आप में से कुछ नवीन संपर्क स्थापित कर पाएंगे. रचनात्मक क्षेत्रों में आप असाधारण रूप से अच्छा करेंगे. परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश करने वालों को शुभ परिणाम प्राप्त होंगे. कोर्ट में लंबित कोई संपत्ति संबंधी मामला आपके पक्ष में जाएगा. घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा डीनर को कुछ समय के लिए रोग दें आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन उर्जा से भरा रहेगा कोई शुभ समाचार मिलेगा आपके मन में किसी की मदद करने का भाव आ सकता है. आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर सामने आ सकती है. आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी. आप किसी धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे. समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा. आगे बढ़ने के आपको नए मौके मिल सकते हैं. आज आप जिससे भी बात करेंगे, उसे अपनी राय से सहमत कर सकते हैं. शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करने जाए नारियल अर्पण करें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कार्य मे रुकावटें तो जरुर आंएगी परन्तु दृढसंकल्पित होकर आगे बढते जाए. सफलता निश्चित होगी . नौकरी पेशावालों की पदोन्नति की संभावनाएं हैं. आपका साथी आपके विचारों के प्रति ग्रहणशील होगा. अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे. जीवन के प्रति गंभीरता को बनाये रखने की जरुरत है. कार्य क्षेत्र में सहकर्मियों का आपको सहयोग मिल सकता है. डिनर के वक्त कोई कारोबारी चर्चा नही करें केवल परिवार के साथ भोजन का आनंद उठाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज स्वभाव कुछ मे चिडचिडापन रहेगा लोगों से वाद विवाद होगा , किन्तु आपको शांत और संयम रखने की ज़रूरत है. जल्द ही सब ठीक हो जाएगा. आपके बच्चे आपका ध्यान रखेंगे. आपको दफ़्तर में आपके सहयोगियों का सहयोग मिलेगा. वरिष्ठ आपके काम को सराहेंगे. वित्तीय फैसले लेने के लिए यह बहुत अच्छा वक़्त है. प्रेम प्रसंग के मामले में आज का दिन अनुकूलता लिए हुए है. खास कर वो लोग जो समाज की मर्यादाओ को अधिक महत्त्व नहीं देते ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें। गुरुदेव के मंत्र का जप करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज खुश होने वाला दिन. रूका हुआ धन वापस मिल जायेगा. आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे. व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा. समाज के कार्यों में आप आगे रहेंगे. योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी. आपकी यात्रा सुखद रहेगी. आपके काम से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे. स्टूडेंट्स को पढ़ाई–लिखाई में साथियों से मदद मिलेगी. आपका दाम्पत्य जीवन ख़ुशी से भरा रहेगा. सुबह भोर मे ॐ नमः शिवाय मंत्र का उच्चारण से कीर्तन करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज कारोबार की स्थिति ठीक है परन्तु निवेश टाल दें क्योंकि आपकी परेशानी बढ़ने की भी संभावना है. दिनभर संभलकर रहना होगा. घर–परिवार की चिंता बढ़ सकती है. कामकाज में नए बदलाव करने से बचना होगा. उच्च अधिकारियों से अच्छे सम्बन्ध आपको बिजनेस में लाभ प्राप्त करवाएंगे. संतांन पक्ष की ओर से चिंताएं दूर होंगी. वैवाहिक जीवन आनंद पूर्वक बीतेगा. स्टूडेंट्स के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी बस किसी भी काम में लापरवाही न बरतें.आलस्य को छोड दें भविष्य सुनहरा होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 दिसंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 10:14 तक
नक्षत्र : रेवती प्रातः 07:41 तक
योग : परिघ प्रातः 07:36 तक
करण : कौलव प्रातः 10:14 तक
चन्द्रराशि : मीन प्रातः 07:41 तक
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 05:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:02 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी, गण्डमूल चालू है , पंचक प्रातः 07:41 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

'मन की बात' देश की उपलब्धियों पर गर्व करने का अवसर : भजनलाल

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 129वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। वर्ष 2025 में इस कार्यक्रम की यह अंतिम कड़ी थी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वर्ष 2025 में देश को विभिन्न क्षेत्रों में मिली उपलब्धियों और सफलताओं का जिक्र करते हुए उम्मीद जताई कि वर्ष 2026 विकसित भारत के संकल्प की सिद्धी में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश ने वर्ष 2025 में अंतरिक्ष, विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन और अयोध्या मंदिर में ऐतिहासिक ध्वजारोहण ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया। वर्ष 2026 में देश नई उम्मीदों और संकल्पों के साथ आगे बढ़ने

को तैयार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया को भारत से बहुत आशाएं हैं। युवा अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मक सुझावों से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 का आयोजन किया जाएगा, जो युवाओं के लिए अपने सुझाव साझा करने का महत्वपूर्ण मंच होगा। श्री मोदी ने तकनीकी युग में लोगों की जिंदगी में तेजी से आ रहे बदलाव के बारे में चर्चा करते हुए स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन–2025 में युवाओं की उत्साहपूर्वक भागीदारी के बारे में बताया। इसके साथ ही, उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में आयोजित होने वाले गीतांजलि आईआईएससी कार्यक्रम की भी बात की। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में मणिपुर में सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली समस्या के समाधान, बांस से तैयार हैंडीक्राफ्ट उत्पादों तथा फूलों की खेती के माध्यम से महिलाओं के आत्मनिर्भर होने की भी चर्चा की। उन्होंने जम्मू–कश्मीर की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और कच्छ रणोत्सव का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले माह देश 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। देश की आजादी में अनेकों लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन उन्हें वह सम्मान नहीं मिल पाया जो उन्हें मिलना चाहिए था। ओडिशा की पार्वती गिरि ऐसी ही एक स्वतंत्रता सेनानी थी, जिन्होंने आजादी आंदोलन में हिस्सा लेने के साथ ही अनाथालयों की स्थापना के माध्यम से समाज सेवा भी की।

पूर्व सीएम का सिस्टम पर वार

जनता चुस्त, अफसर सुस्त, ऐसा नहीं चलेगा : वसुंधराराजे

कोटा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे कहा है कि वे सनातनी है। गौमाता के संरक्षण में अधिकारियों की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि गौरक्षक प्रदर्शन कर रहे हैं और अधिकारी सुन ही नहीं रहे हैं। जनता चुस्त है, अफ़सर सुस्त हैं। अजीब बात है 14 दिसंबर से लोग आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अफ़सर हैं कि उनकी सुन ही नहीं रहे। ऐसा नहीं चलेगा। पूर्व मुख्यमंत्री रविवार को सुबह झलावाड़ से ब्यावर जाते समय कोटा में हैंगिंग ब्रिज के पास गौ संरक्षण की माँग को लेकर प्रदर्शन कर रहे सनातन गोरक्षा सेवा समिति, कोटा से जुड़े गौ रक्षकों को देखकर रुक गई। उन्हें गौरक्षकों ने बताया कि कोटा में मृत गायों का सम्मान जनक अंतिम संस्कार नहीं किया जा रहा है और मृत गायों की आड़ में जिंदा गायों को मार कर उनका गौमांस बेचा जा रहा है।

यह सुनकर वसुंधराराजे ने कोटा रेंज के डीआईजी राजेंद्र गोयल व एसपी तेजस्विनी गौत्तम को मौके पर बुलाया और उन्हें इस मामले की गहनता से जांच कर दोषियों के खिलाफ शख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। दोनों पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि दोषियों को दंड मिलेगा और गौमाता का अंतिम संस्कार मिट्टी डालकर विधि पूर्वक किया जाएगा।

पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव

आत्मनिर्भर भारत से व्यापार को नई गति

जोधपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव–2026 के अंतर्गत आयोजित स्वदेशी व्यापार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह ने यह स्पष्ट कर दिया कि आत्मनिर्भर भारत अभियान अब केवल सरकारी नारा नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर व्यापार, उद्योग और रोजगार सृजन का मजबूत आधार बन चुका है। जोधपुर में आयोजित इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि केंद्र सरकार की नीतिगत पहलें देश के व्यापारिक परिवेश को नई दिशा दे रही हैं। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से सरकार ने व्यापारियों और उद्यमियों को सशक्त बनाने का ठोस प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए नीतिगत सुधारों से व्यापार जगत में विश्वास का वातावरण बना है, जिससे निवेश, उत्पादन और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने विशेष रूप से जीएसटी सुधारों और आयकर प्रणाली में किए गए बदलावों को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि इससे न केवल अनुपालन सरल हुआ है, बल्कि छोटे और मध्यम व्यापारियों को भी बड़ी राहत मिली है। कर संरचना में पारदर्शिता आने से अब व्यापारी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।कार्यक्रम में विधायक अतुल भंसाली ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर बल देते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम स्वदेशी है। वहीं जोधपुर व्यापार महासंघ के नवीन सोनी ने व्यापार संगठनों की एकजुटता को समय की आवश्यकता बताया।

प्रदेश सरकार राजस्थान के सतत् एवं समावेशी विकास के लिए कटिबद्ध : जोगाराम पटेल

जोधपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को बाबा रामदेव मंदिर नांदड़ी में बजट घोषणा वर्ष 2024–25 के तहत अटल प्रगति पथ सहित 634.52 लाख रूपये के सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार राजस्थान के सतत् एवं समावेशी विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा 2 वर्ष के कार्यकाल में राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास, सड़क निर्माण और शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास कार्य करवाए है। पटेल ने कहा नांदड़ी का विकास मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा नांदड़ी अब नगर निगम क्षेत्र में शामिल हो गई है, जिससे आमजन को नगरीय सुविधाएं प्राप्त होगी। उन्होंने कहा क्षेत्र में सड़क, सीवरेज और स्ट्रीट लाइट से संबंधित कार्य चरणबद्ध रूप से करवाए जाएंगे।

पटेल ने कहा नांदड़ी में जोधपुर विकास प्राधिकरण के माध्यम से लगभग 8 करोड़ रूपये की लागत से 9 सड़कें स्वीकृत करवाई गई। उन्होंने कहा क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या के समाधान के लिए आरटीओ नाला निर्माण कार्य तय समयावधि में पूर्ण होगा। विधि मंत्री ने कहा नांदड़ी में समुचित पेयजल आपूर्ति के लिए संपूर्ण क्षेत्र को जोन में बांट कर नई पाइप लाइन और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को बदलने कार्य चरणबद्ध रूप से करवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा पूर्ववर्ती सरकार के समय जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, जिसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा जांच उपरांत जल जीवन मिशन के कार्य भी पूरे करवाए जायेंगे।

नूंह में शटर तोड़कर ज्वेलर्स की दुकान में चोरी

करोड़ के सोने–चांदी के जेवरात लेकर चोर फरार

नूंह, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में नूंह के पिनंगवा कस्बे के मुख्य बाजार में स्थित हरिओम ज्वेलर्स की दुकान से शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने शटर तोड़कर करोड़ों रुपए के सोने–चांदी के जेवरात चुराए और फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। दुकानदार ने जब सुबह दुकान खोली तो उसे पूरे मामले की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और अपने स्तर पर छानबीन शुरू कर दी। दुकान मालिक हरिओम ने बताया कि मुख्य रूप से चांदी का सामान चोरी किया गया है। कितने का नुकसान हुआ है, अभी नहीं बोला जा सकता है। यह वारदात करीब साढ़े तीन बजे रात को अंजाम दी गई। चोरों ने दुकान के सीसीटीवी कैमरे पर ब्लैक स्प्रे डाल दिया था, जिससे घटना रिकॉर्ड न हो सके, लेकिन पास के अन्य कैमरों में करीब 6 से अधिक चोर साफ दिखाई दे रहे हैं, जो जेवरात लेकर अनाज मंडी की तरफ भागते नजर आ रहे हैं।

चोरी की सूचना मिलते ही डीएसपी पुनहाना जितेंद्र सिंह राणा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम बुलाई। दुकान के बाहर तंग गली में भारी भीड़ जुट गई। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

इलाके में चोरी की इस बड़ी वारदात से व्यापारियों में दहशत का माहौल है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस वारदात की जांच के लिए टीमों को लगा दिया गया है। डीएसपी जितेंद्र राणा ने बताया कि बड़ी वारदात हुई है, जिसमें सीसीटीवी वीडियो में पता चला है कि 6 संदिग्ध दिखाई दे रहे हैं। हादसे के बाद ही स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी, पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। कुल कितने रुपए के आभूषण चोरी हुए हैं, इसका आकलन किया जा रहा है। फिलहाल गलियों में पुलिस की तरफ से गश्त बढ़ाई जाएगी। उन्होंने लोगों से सहयोग करने की अपील की है। ज्यादा से ज्यादा बाइक राइडर लगाए जाएंगे। जांच के लिए तीन अलग–अलग टीमें लगा दी गई हैं।

सीसीटीवी वीडियो में दिखाए गए 6 संदिग्धों की तलाश के लिए टीम लगा दी गई है। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी के बाद मामले का खुलासा किया जाएगा।

राज्यपाल बागडे ने सांवलिया सेठ के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

चित्तौड़गढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे रविवार को चित्तौड़गढ़ के सांवलिया सेठ मंदिर पहुँचे। उन्होंने वहाँ सांवलिया सेठ के दर्शन कर विधिवत पूजा–अर्चना की। राज्यपाल ने सांवलिया सेठ से प्रदेश की सम्पन्नता और खुशहाली की कामना की।

बेरोजगार युवाओं और भूमिहीन किसानों के लिए आय का साधन बना मधुमक्खी पालन

नूंह, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में बेरोजगार युवाओं और उन किसानों के लिए जिनके पास अपनी जमीन नहीं है, मधुमक्खी पालन आय का बेहतरीन जरिया बन सकता है। जिला बागवानी विभाग की मधुमक्खी पालन योजना के तहत न सिर्फ प्रशिक्षण दिया जा रहा है, बल्कि भारी अनुदान, बैंक लोन में सहायता और शहद की सरकारी खरीद की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। जिला बागवानी अधिकारी डॉ. अब्दुल रजाक ने यह जानकारी दी। डॉ. अब्दुल रजाक ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश भर में मधुमक्खी पालन के लिए 13 प्रशिक्षण केंद्र खोले गए हैं, जिनमें केवीके मंडकोला, केवीके भूपानी सहित अन्य संस्थान शामिल हैं। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवाओं के लिए रहने, खाने और आने–जाने की पूरी व्यवस्था नि:शुल्क की गई है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं को बैंक लोन दिलाने में भी विभाग सहयोग करता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद एक लाभार्थी को 50 लकड़ी के बॉक्स उपलब्ध कराए जाते हैं, जिन पर करीब 85 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। किसान को केवल 21,600 रुपए का अंशदान करना होता है। फैमिली आईडी, आधार कार्ड और प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के साथ रामनगर पहुंचते ही किसानों को मधुमक्खी के डिब्बे मिल जाते हैं। एक डिब्बे में 8 से 10 फ्रेम होते हैं और इस पर भी लगभग 85,000 रुपए की सहायता बागवानी विभाग द्वारा दी जाती है।

डॉ. रजाक के अनुसार, एक वर्ष में एक डिब्बे से औसतन 50 किलो शहद तैयार हो जाता है। यदि 50 डिब्बों का आकलन किया जाए तो सालाना करीब 2,500 किलो शहद का उत्पादन संभव है। वर्तमान में जिले के पांच किसानों के पास लगभग 800 मधुमक्खी बॉक्स हैं, जिनसे प्रति वर्ष करीब 26,000 किलो शहद तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने भावांतर भरपाई योजना में भी मधुमक्खी पालन को शामिल किया है। शहद निकालने की मशीन, डिब्बे, टोपी और अन्य उपकरणों की खरीद के लिए भी बागवानी विभाग सहायता करता है।

खरखौदा में विकसित किया जाएगा विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर : नायब सिंह

चंडीगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो सशक्त, समृद्ध तथा आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में सहभागी बनना चाहता है, सरकार हर उस हरियाणवी के विकास के लिए सुशासन और पारदर्शिता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने रविवार को खरखौदा में विकास रैली को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सोनीपत के गांव सोहंटी और थाना कलां में 2 उप–स्वास्थ्य केंद्रों का शिलान्यास भी किया। इन दो विकास परियोजनाओं पर 1 करोड 10 लाख रुपए की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने खरखौदा में घोषणाओं की झड़ी लगाई और खरखौदा के विकास के लिए अलग से 5 करोड़ रुपए की राशि देने की घोषणा की। खरखौदा शहर में थाना चैक व दिल्ली चैंक का सौंदर्यकरण किया जाएगा और मुख्य पार्क के लिए 8 करोड़ रुपए व स्टेडियम के जीर्णोद्धार के लिए 3.50 करोड रुपए देने की घोषणा की। शहर में कूडे के निपटान के लिए 8 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से प्लांट लगेगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि शहर में डिजिटल लाईब्रेरी बनाई जाएगी। शहर में पीने के पानी के लिए 26 करोड़ 46 लाख रुपए की लागत से परियोजना का कार्य चल रहा है जो दिसम्बर 2026 तक पूर्ण हो जाएगा। इसके अलावा भूमि उपलब्ध होने पर रेस्ट हाउस व मल्टीस्टोरी पार्किंग बनाई जाएगी। खरखोदा विधानसभा क्षेत्र में पीडब्लूडी की 45 किलोमीटर लम्बाई की 9 सड़कों

पर 28.30 करोड रूपए खर्च होंगें। इसी प्रकार 35 किलोमीटर लम्बाई की 6 सड़कों की मुरम्मत करवाई जाएगी। 175 किलोमीटर लम्बाई की 42 सड़के तथा मार्केटिंग बोर्ड की 31 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों को डीएलपी के तहत ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 465 लाख रुपए की लागत से 20 किलोमीटर लम्बाई की 7 सड़कों की रिपेयरिंग भी करवाई जा रही है और मुख्यमंत्री ने 25 किलोमीटर के कच्चे रास्तों को पक्का करवाने की भी घोषणा की।

विकास रैली को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा संकल्प पत्र अनुसार जल्द ही 2 लाख युवाओं को नौकरियां दी जाएगी जिसमें से 34 हजार युवाओं को नौकरियां दी जा चुकी है। नव वर्ष पर पुलिस व अन्य विभागों में नौकरियों का बड़ा जखीरा निकलने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान का सम्मान, युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा और स्वावलंबन, बुजुर्गो को सम्मानजनक जीवन और गरीब को उनका अधिकार देने के लिए वचनबद्ध है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले 11 वर्षों में हरियाणा को एक नई दिशा दी है। हम खरखौदा में भी विश्व स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित है और इसी को साकार करने के लिए कार्य कर रहे है।

‘अंतरराष्ट्रीय अनुदानित धर्मान्तरण’ रैकेट होगा नेस्तनाबूद

सीएम ‘पुलिस मंथन’, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र में हुए शामिल

लखनऊ,28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ‘पुलिस मंथन’ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 के दूसरे दिन समापन अवसर पर प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से सोशल मीडिया और साइबर क्राइम पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिये। सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द प्रभावित करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा। पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की ओर से प्रदेश में बढ़ने वाली आतंकी गतिविधियों, नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए सीमा सुरक्षा एवं आतंकवाद निरोधक तंत्र को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने के निर्देश दिये। गो-तस्करी और धर्मांतरण के लिए चलाए जा रहे संगठित गिरोह पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। सोशल मीडिया के दुरुपयोग, दुष्प्रचार, डीपफेक, डार्कवेब, साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस एवं इंटेलिजेंस तंत्र को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले किसी भी

आपत्तिजनक कंटेंट पर तत्काल संज्ञान लेकर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जाति या धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने, पुलिस पर दबाव बनाने अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति ढिलाई न बरती जाए। ऐसे पोस्ट, फेक अकाउंट एवं संगठित दुष्प्रचार अभियानों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाए। असामाजिक तत्व महापुरुषों के नाम का दुरुपयोग कर संगठन बनाकर अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को ऐसे संगठनों की पृष्ठभूमि की गहन जांच कर उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने तथा कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने धार्मिक कन्वर्जन को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि बलरामपुर जैसी घटनाएं संकेत हैं कि ऐसे प्रयास संगठित रूप से किए जा रहे हैं। पुलिस एवं इंटेलिजेंस को निर्देश दिए कि धार्मिक कन्वर्जन से जुड़ी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाए, सोशल मीडिया के माध्यम से इंटेलिजेंस को और मजबूत किया जाए तथा ऐसी किसी भी घटना को प्रारंभिक स्तर पर ही प्रभावी ढंग से रोका जाए। पुलिस के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान परिदृश्य में इंटेलिजेंस, लोकल इनपुट और तकनीकी निगरानी को और अधिक सक्रिय व प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। प्रदेश में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया की प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखते हुए कार्रवाई की जाए।मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से उत्पन्न हो रही आतंकवादी गतिविधियों के नए आयामों का गहन विश्लेषण करते हुए सीमा निगरानी सर्विलांस को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया। ‘अंतरराष्ट्रीय अनुदानित धर्मान्तरण रैकेट’ की रोकथाम के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वित्तीय ट्रेल, तकनीकी विश्लेषण एवं आधुनिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग को और मजबूत करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी एवं संगठित अपराध के विरुद्ध पुलिस द्वारा की गई अब तक की कड़ी कार्रवाई की सराहना की। इसे और प्रभावी व निर्णायक बनाने की आवश्यकता है। गो-तस्करी के मामलों में केवल गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे नेटवर्क एवं उसके मास्टरमाइंड की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए।

2027 में जीतेंगे, उत्तर प्रदेश में तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे : केशव प्रसाद

सहारनपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव होने में अभी काफी समय है, लेकिन सभी दल अभी से जीत का दावा करने लगे हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य रविवार को कहा कि भाजपा तीसरी बार यूपी की सत्ता में वापसी करेगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सिर्फ वापसी ही नहीं करेगी, बल्कि 2017 का रिकॉर्ड भी ध्वस्त करेगी। इंडी अलायंस को निशाने पर लेते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी गुंडागर्दी और माफिया को बढ़ावा देती है, चुनाव में

सहारनपुर से सोनभद्र, गाजियाबाद से गाजीपुर तक उसका सूपड़ा साफ हो जाएगा। कांग्रेस को बूढ़ी पार्टी बताते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 140 की हो गई, वह बूढ़ी हो चली है। 140 साल पुरानी पार्टी जिसने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी, उसने वंदे मातरम के टुकड़े किए, इसके बाद देश के टुकड़े हुए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुद्दाविहीन पार्टी है। कांग्रेस का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं बचा है। लोकसभा चुनाव के दौरान आरक्षण खत्म करने का भ्रम फैलाया है, लेकिन जनता ने तीसरी बार नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया और तीसरी बार देश में एनडीए की सरकार बनी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की जो स्थिति है वे सिर्फ इतिहास के पन्नों में ही रहेगी।

2029 के लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इंडी अलायंस को जिन दलों को भी साथ लेना है, वे ले सकते हैं। भाजपा-एनडीए जैसे लड़ता रहा है, वैसे ही लड़ेगा। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि पीएम मोदी को चौथी बार पीएम बनाने के लिए यूपी से भरपूर समर्थन मिलेगा। 2029 में भी एनडीए जीतेगी।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने भले ही भ्रम फैलाया, लेकिन इसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार हर जगह एनडीए की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी कमल खिलेगा।

एसआईआर पर विपक्ष के हंगामे पर कहा कि भाजपा शुद्ध वोटर लिस्ट और वैध मतदाता की वोटिंग की पक्षधर है। मतदाता सूची शुद्ध हो जाएगी तो कांग्रेस-सपा का खाता ही नहीं खुलेगा।

यूपी की बेटियां गल्फ कंट्रीज की मार्केट में जमायेगी धाक

लखनऊ,28 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी की बेटियां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन और प्रेरणा से आत्मनिर्भर बन रही हैं, अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी पहचान बनाने को तैयार हैं। मिलेट्स आधारित ऑर्गेनिक फूड स्टार्टअप के जरिए यूपी की दो बेटियों ने ऐसा काम कर दिखाया है, जो प्रदेश की नई उद्यमशील शक्ति का प्रतीक बन रहा है। दिल्ली-एन-सीआर में मजबूत पकड़ बनाने के बाद इनका लक्ष्य गल्फ कंट्रीज का बाजार है, जहां ऑर्गेनिक, मिलेट्स उत्पादों की धाक जमाने की तैयारी है। किसानों को प्रशिक्षण देकर प्राकृतिक और रसायन-मुक्त खेती करवाई जा रही है।दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई करने के बाद पारंपरिक करियर की राह छोड़कर गांव लौटने वाली शिखा चौहान और सौम्या सिंह ने सामाजिक उद्यमिता का रास्ता चुना। किसानों, ग्रामीण महिलाओं को साथ लेकर ऑर्गेनिक और मिलेट्स आधारित खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में कदम रखा। उनकी यूनिट में 15 से अधिक महिलाएं उत्पादन, प्रोसेसिंग और पैकेजिंग का जिम्मा संभाल रही हैं। शिखा सिंह चौहान दिल्ली विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट, नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी गांधीनगर, गुजरात से फूड टेक्नोलॉजी में पोस्ट-ग्रेजुएट हैं।

सौम्या सिंह डीयू से फूड टेक्नोलॉजी में बी.टेक हैं।सौम्या सिंह ने बताया, राज्य सरकार की नीतियों और एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के सहयोग से प्रोसेसिंग और पैकेजिंग यूनिट का विस्तार हुआ। उत्पादन क्षमता बढ़ी महिला-नेतृत्व वाले एग्रीबिजनेस मॉडल को मजबूती मिली। दिल्ली-एन-सीआर में ऑर्गेनिक फूड के बाजार में इनका ब्रांड तेजी से उभरा है।सोहा ऑर्गेनिक्स की को-फाउंडर शिखा सिंह चौहान नागली वाजिदपुर सेक्टर 130, गौतमबुद्ध नगर की रहने वाली हैं। उनकी पार्टनर सौम्या सिंह बागपत की निवासी हैं। रासायनिक खाद्य पदार्थों और उनसे होने वाली समस्याओं से लोगों को बचाने के लिए उन्होंने मिलेट्स-ऑर्गेनिक फूड स्टार्टअप की शुरुआत की। यह स्टार्टअप फार्म-टू-फोर्क मॉडल पर काम करता है।

बुनकरों के बहुरेंगे दिन, किसान सम्मान निधि की तर्ज पर मिल सकती इमदाद

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार किसान निधि सम्मान की तर्ज पर यूपी में नई योजना शुरू करने की तैयारी है। बुनकरों के दिन बहुरने वाले हैं।घर-घर सर्वे किया जा रहा है। खाता नंबर और आईएफएससी कोड के साथ मोबाइल नंबर लिया जा रहा है,जिनके खाते नहीं हैं, उन्हें खाते खुलवाने के लिए कहा जा रहा है। किसानों को हर तीन महीने पर सम्मान निधि मिलती है। उसी तरह पावरलूम बुनकरों को भी खाते में पैसे देने की तैयारी है। पूर्वांचल के वाराणसी, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर में बुनकरों की बड़ी आबादी रहती है। इनकी बदहाली

को देखते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए नई योजना की तैयारी शुरू की गई है। किसान सम्मान निधि की तर्ज पर पंजीकृत पावरलूम बुनकरों को हर तिमाही एक निश्चित धनराशि दी जाएगी। राशि सीधे बुनकरों के बैंक खाते में डीबीटी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से भेजी जाएगी।

हस्तकरघा विभाग की टीमें इन दिनों डोर टु डोर सर्वे कर बुनकरों की जानकारी एकत्र कर रही हैं। सर्वे के दौरान उनसे बैंक खाता संख्या, आईएफएससी कोड और मोबाइल नंबर लिए जा रहे हैं ताकि सहायता राशि भेजने में किसी प्रकार की समस्या न हो। शासन की मंशा है कि पंजीकृत बुनकरों को योजना का लाभ मिले, जिससे वे व्यवसाय को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ा सकें। योजना लागू होने के बाद बुनकरों को आर्थिक राहत मिलेगी, पावरलूम उद्योग को नई ऊर्जा और स्थिरता मिलेगी। आजमगढ़ मंडल में सबसे ज्यादा पावरलूम के कनेक्शन हैं। बुनकर बिजली का कनेक्शन लेने के बाद पावरलूम मशीन से साड़ी और कपड़ों की बुनाई करते हैं। सबसे अधिक मऊ में 32 हजार पावरलूम कनेक्शन हैं। आजमगढ़ में छह हजार, गाजीपुर में पावरलूम के एक हजार कनेक्शन हैं।हथकरघा विभाग 31 जनवरी तक बुनकरों का डाटा शासन को भेजेगा।आजमगढ़ मंडल समेत पूर्वांचल के जिलों से पावरलूम बुनकरों का डाटा एकत्र किया जा रहा है। अब तक विभाग ने 250 बुनकरों का डाटा इकट्ठा कर लिया है।हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग के सहायक आयुक्त अरविंद कुमार सिंह कहते हैं, पावरलूम बुनकरों का डाटा इकट्ठा किया जा रहा है। उन्हें किसान सम्मान निधि की तर्ज पर बुनकरों को भी तिमाही आर्थिक सहायता देने की तैयारी है।

पुलिस और गो तस्करों में मुठभेड़, एक बदमाश गिरफ्तार

रायबरेली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में ऑपरेशन लंगड़ा के तहत सलोन कोतवाली क्षेत्र में पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। वाहन चेकिंग के दौरान हुई इस मुठभेड़ में एक वांछित बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। घटना छोटा घोसियाना नहर पुलिया के पास की है। पुलिस शनिवार देर रात संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर अफरातफरी मच गई।

पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इस दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। घायल बदमाश को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। बदमाश की पहचान

नफीस के रूप में हुई है, जो गो तस्करी से जुड़े मामलों में वांछित चल रहा था। वहीं, उसका साथी अबरार अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिस ने घायल बदमाश को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और एक बाइक बरामद की।

अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि फरार अभियुक्त अबरार की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ऑपरेशन लंगड़ा के तहत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। फरार अपराधी की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया है।

संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि नफीस का इलाज जारी है। पुलिस की एक टीम उससे पूछताछ कर इसके गिरोह के अन्य सदस्यों को गिरफ्तार करेगी। टीम को उचित दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। जो भी लोग गो तस्करी में शामिल हैं, किसी को छोड़ा नहीं जाएगा।

एसआईआर से बाहर हुए लोगों को एक और मौका !

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जिन मतदाताओं के नाम सूची से बाहर हो गए हैं या जिनकी मैपिंग नहीं हो पाई है, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है।निर्वाचन आयोग ऐसे मतदाताओं को अपना नाम वापस जुड़वाने के लिए एक अंतिम मौका अभी देगा। 31 दिसंबर को नई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के प्रकाशन के साथ 'दावा और आपत्ति' प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यूपी में इस बार 2003 की आधार सूची से डिजिटल मैपिंग की गई। लाखों वोटर मैपिंग से वंचित रह गए हैं। इसके अलावा, एएसडी श्रेणी एब्सेंटी, शिफ्टेड,डेड यानि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत के तहत बड़ी छंटनी की गई है।यदि नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं है तो घबराएं नहीं। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए अलग अलग टाइमलाइन तय की है। 31 दिसंबर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। 1 से 30 जनवरी तक मतदाता अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं या नए सिरे से नाम जोड़ने का दावा फार्म-6 दाखिल कर सकते हैं। 20 फरवरी तक प्राप्त आपत्तियों और दावों का अंतिम निस्तारण किया जाएगा।

जिनको नोटिस मिलेगा या जिनका नाम कट गया है, उन्हें 13 प्रकार के पहचान दस्तावेज जैसे आधार, पैन, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि में किसी एक के जरिए अपनी पहचान साबित करनी होगी। ऑनलाइन या अपने क्षेत्र के बीएलओ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने लखनऊ में किया प्रदर्शन

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे कथित अत्याचार और हिंसा की घटनाओं के विरोध में शनिवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भाजपा के प्रदेश मुख्यालय के बाहर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री यूनुस खान और कट्टरपंथी तत्वों का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे कथित उत्पीड़न पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

कार्यकर्ताओं के हाथों में तख्तियां और बैनर थे, जिन पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और

मानवाधिकारों के समर्थन से जुड़े संदेश लिखे हुए थे। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा, धार्मिक स्थलों पर हमले और सामाजिक भेदभाव की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उनका कहना था कि ये घटनाएं न केवल चिंताजनक हैं, बल्कि मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन भी हैं।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की सरकार कट्टरपंथी तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण करने में विफल साबित हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप करे और बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाए ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सके।

भाजपा नेताओं का कहना था कि भारत को पड़ोसी देश में रह रहे धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी आवाज उठानी चाहिए।

प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ता इशरार बेग ने कहा कि यह प्रदर्शन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि वहां की सरकार को जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि अल्पसंख्यक समुदाय खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

अखिलेश का सवाल: एसआईआर में कहां से आई 1.11 करोड़ की शुभ संख्या

निर्वाचन आयोग कहता,कटेंगे 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर वार-पलटवार जारी है। एसआईआर की डेडलाइन पूरी होने के बाद जारी सूची में पिछली बार से 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटने की बात कही गई है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने एसआईआर में कटे वोटों की बड़ी संख्या को लेकर सवाल उठाया है। अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री कह रहे थे कि एसआईआर में चार करोड़ वोटर कम हुए हैं, फिर 2.89 करोड़ वोट कम होने का आंकड़ा कहां से आ गया। दो हफ्ते में 1.11 करोड़ की शुभ संख्या अचानक कैसे बढ़ गई। पिछले दिनों भाजपा की बैठक में सीएम योगी ने कहा था कि पिछली बार से करीब चार करोड़ वोटरों की संख्या कम है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एसआईआर अभियान में जुटने का निर्देश दिया था। सीएम के चारकरोड़ वोटरों के नाम कम होने के बयान पर अखिलेश यादव ने

हमला बोला है। अखिलेश ने पूछा कि वोटों की यह संख्या जुड़ी है या जोड़ी गई है। इतने सारे लोगों ने एक साथ वोट बनवाया है तो वे दिखाई क्यों नहीं दिए। कोई सीसीटीवी है, जिसमें इतने बड़े पंजीकरण का वीडियो उपलब्ध है। कहीं ये आभासीय वोटर तो नहीं हैं। अखिलेश ने प्वाइंट में कई सवाल पूछे हैं। मुख्यमंत्री तो कह रहे थे कि एसआईआर में '4 करोड़' वोटर कम हुए हैं फिर '2 करोड़ 89 हज़ार' का आँकड़ा कैसे आया? ऋतो हफ़्ते में '1 करोड़ 11 लाख' की शुभ संख्या अचानक कैसे बढ़ गयी?वोटों की ये संख्या जुड़ी है या जोड़ी गई है?ऋइतने सारे लोगों ने अगर एक साथ वोट बनवाया है तो वो दिखाई क्यों नहीं दिये? क्या कोई सीसीटीवी है जिसमें इतने बड़े पंजीकरण का वीडियो उपलब्ध है? ये आभासीय वोटर तो नहीं हैं ? ये भाजपा के अजैविक डिजिटल वोटर तो नहीं है?ऋभाजपा का मंत्रिमंडल और कार्यकर्ता तो दो हफ़्तों से किसी के महाप्रयाण के लिए ज़बरदस्ती की भीड़ जुटाने में लगा था, फिर ये काम हुआ कैसे? ये कार्य किसी और के 'कर-कमल' से तो अंजाम नहीं दिया गया?

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार कुल 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। सबसे ज्यादा 12 लाख मतदाताओं के नाम लखनऊ में काटे जाएंगे। दूसरे नंबर पर प्रयागराज में 11.56 लाख और तीसरे नंबर पर कानपुर नगर में 9.02 लाख वोटरों के नाम कटेंगे। यह स्थानांतरित, अनुपस्थित व जिनकी मृत्यु हो गई है वह मतदाता हैं। महोबा में सबसे कम 85354 वोटरों के नाम ही कटेंगे। अभी जो मतदाता सूची थी उसमें 15.44 करोड़ मतदाताओं के नाम थे। अब

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में ऋषभ की जगह ईशान को मिल सकता है अवसर

मुम्बई,28 दिसंबर (एजेंसियां) ।

नये साल की शुरआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ऋषभ पिछले कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वहीं ईशान ने हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसके कारण उन्हें टी20 विश्वकप के लिए भी बैकअप विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है।

वहीं पिछले कुछ समय से गर्दन की अकड़न के कारण टीम से बाहर चल रहे शुभमन गिल एक बार फिर इस

शुभमन की कप्तान के तौर पर वापसी तय, श्रेयस पर संशय बरकरार

सीरीज से एकदिवसीय टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। बीसीसीआई चयन समिति के अनुसार टीम प्रबंधन फॉर्म और टीम संतुलन को प्राथमिकता देना चाहता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 11 से 18 जनवरी तक खेली जाएगी। इसके लिए टीम की घोषणा इस सप्ताह के अंत तक हो सकती है। इसमें ऋषभ के बाहर होने की स्थिति में ईशान को अवसर मिलना तय है।

गौरतलब है कि ऋषभ ने भारतीय टीम की ओर से अंतिम एकदिवसीय साल 2024 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेला था। वह चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी भारतीय दल में शामिल थे पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। वहीं अब चयनकर्ता न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बदलाव चाहते हैं।वहीं ईशान की दो साल से अधिक समय के बाद टीम में वापसी हो सकती है। ईशान ने अंतिम बार अक्टूबर 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेला था। ईशान ने हाल ही में अपनी कप्तानी में झारखंड को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में जीत दिलायी।

इस टूर्नामेंट में ईशान ने काफी रन बनाये। टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने हरियाणा के खिलाफ शतक भी लगाया था। इसो बाद विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में कर्नाटक के खिलाफ उन्होंने केवल 33 गेंदों में शतक लगाया। न्यूजीलैंड सीरीज से शुभमन जहां वापसी करेंगे। वहीं उप-कप्तान श्रेयस अय्यर का खेलना अभी तय नहीं हैं। श्रेयस पसली की चोट के बाद से ही टीम से बाहर हैं और अभी तक पूरी तरफ से फिट नहीं हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहले ही दबाव में आ गयी थी भारतीय टीम : फिंच

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ऑरोन फिंच ने कहा है कि 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारतीय टीम पहले ही दबाव में आ गयी थी। इसी कारण वह मैच उसके हाथ से निकल गया था। फिंच के अनुसार भारतीय टीम उस मैच में इतने अधिक दबाव में थी कि टीम खुलकर नहीं खेल पायी। इसी कारण उसे हार झेलनी पड़ी। फिंच ने साल 2022 के सेमीफाइनल को लेकर कहा कि भारतीय टीम उसे मैच में हार से बचने की मानकिता के साथ खेल रही थी जिसका उसे नुकसान हुआ। इस पूर्व कप्तान के अनुसार जब टीम जीत की जगह हार से बचने का प्रयास करती है तो उसपर दबाव आ जाता है। टीम को जीत के निडर होकर प्रयास करना होता है। फिंच ने बताया कि बड़े टूर्नामेंट में बाहर होने के बाद टीमों को अपनी रणनीति पर विचार करते हुए छोटे लक्ष्य तय करते हुए प्रयास करना चाहिये। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन इयोन मॉर्गन भी फिंच से सहमत हैं। बदलाव उन्होंने कहा कि शुरुआती दस ओवरों के बाद भारत की बल्लेबाजी पर दबाव आ गया था। टीम ने पहले तेज शुरुआत की थी पर बाद में वह कमजोर पड़ गयी थी। इस मामले को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि तब बार-बार बदलावों से भी नुकसान हुआ। साथ ही कहा कि एक स्थिर अंतिम ग्यारह अच्छी रहती है। फिंच ने माना है कि बदलाव हमेशा नकारात्मक नहीं होते। कभी-कभी नई सोच या नई आवाज चाहे वह कप्तान हो या कोच टीम को नई दिशा दे सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में हाल में जो सुधार आया है। उसके पीछे बदलाव की मानसिकता रही है।

भारतीय मुक्केबाजों के लिए मिला-जुला रहा ये साल

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजों के लिए साल 2025 मिश्रित सफलताओं वाला रहा। सबसे बड़ी सफलता मुक्केबाजों को वर्ल्ड चैंपियनशिप, लिवरपूल में मिली। यहां जैस्मिन (57 किग्रा) और मीनाक्षी (48 किग्रा) ने स्वर्ण पदक हासिल किये। इसके अलावा पूजा रानी ने 80 किग्रा और नुपुर शेरोन ने 80 किग्रा में कांस्य और रजत पदक जीते थे। पुरुष टीम की ओर से धर्मेंद्र यादव और महिला टीम के लिए डी चंद्रलाल। ब्राजील और कजाखस्तान में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में अच्छा प्रदन किया। सम्मानजनक प्रदर्शन किया। वहीं कुछ अच्छे मुक्केबाजों ने निराश किया। इसमें निखत जरीन और लवलीन बोरगोहैन जैसे मुक्केबाज रहीं हैं। पुरुष टीम विश्व चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटी हालांकि युवा मुक्केबाज अभिनाश जमवाल, सचिन सिवाच और पवन बर्तवाल ने अच्छा प्रदर्शन कर भविष्य के लिए उम्मीदें जगायीं। भारत ने वर्ल्ड कप फाइनल्स की मेजबानी करते हए रिकॉर्ड 9 स्वर्ण सहित 20 जीते। इसके बाद पूर्व हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर सेंटियागो नीवा को महिला टीम का कोच बनाया गया। वहीं इस साल कई विवादों से भी मुक्केबाजी महासंध घिरा रहा। साल की शुरुआत में अफरातफरी रही , फेडरेशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने सचिव हेमंता कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को निलंबित किया, जिसके बाद मामला अदालत में पहुंच गया। इस संघर्ष के कारण सीनियर महिला नेशनल चैम्पियनशिप भी कई बार स्थगित हुई और मार्च में विवादों के बीच आयोजित हुई। इसके बाद विश्व मुम्केबाजी संघ के हस्तक्षेप से मामला हल हुआ।

टेम डेविड के चोटिल होने से ऑस्ट्रेलिया ही नहीं आरसीबी की भी मुश्किलें बढ़ीं

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड के बिग बैश लीग (बीबीएल) में चोटिल होने से आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। डेविड को बीबीएल मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था। टिम को ये खिंचाव पर्थ स्टेडियम में हॉबर्ट हरिकेन्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच मुकाबले में आया था। मैच में दूसरा रन लेने के प्रयास में उनके पैर में खिंचाव आ गया। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर गये। इससे अब उनका टी20 विश्वकप और आईपीएल खेलना संदिग्ध हो गया है इससे पहले 2025 में आईपीएल में भी टिम को इसी प्रकार से खिंचाव आया थ और वह दो माह के लिए मैदान से बाहर हो गये थे। इससे वह आसीबी के प्लेऑफ अभियान से भी बाहर हो गए थे। इसके बाद से ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने उनका कार्याभार प्रबंधन शुरु कर दिया था। वर्कलोड को लेकर सतर्क रवैया अपनाया था। टिम आरसीबी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। वह नंबर 4 और 5 पर आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। उन्होंने नंबर 4 या 5 पर खेलते हुए उन्होंने इस साल अपना पहला टी20 शतक लगाया था। इसके अलावा वह दक्षिण् अफ्रीका के खिलाफ प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने थे।

बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका दौरे और अंडर 19 टी20 विश्वकप के लिए घोषित की टीमें

दक्षिण अफ्रीका दौरे में वैभव, विश्वकप में आयुष करेंगे कप्तानी

मुम्बई,28 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट कमेटी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ ही आईसीसी अंडर-19 पुरुष टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। नियमित कप्तान आयुष म्हात्रे के चोटिल होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को कप्तानी दी गयी है।

आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप में आयुष कप्तानी करेंगे। वहीं विहान मल्होत्रा उपकप्तान होंगे।विश्वकप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेल जाएगा। आयुष के अभी फिट नहीं होने के कारण दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए वैभव को पहली बार कप्तानी दी गयी है।

आयुष के अलावा विहान की भी कलाई में चोट लगी है और इस कारण वह भी दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर रहेंगे। ये दोनों ही फिटनेस हासिल करने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जाएंगे और आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के लिए टीम में शामिल होंगे.

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका में वैभव सूर्यवंशी की कप्तानी में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी. सीरीज का पहला एकदिवसीय 3 जनवरी को, दूसरा वनडे मैच 5 जनवरी को और तीसरा वनडे मैच 7 जनवरी को खेला जाएगा. सभी मैच विलोमूर पार्क में खेले जाएंगे.

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम- वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), आरोन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी. दीपेश, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, युवराज गोहिल और राहुल कुमार

अंडर-19 विश्व कप के लिए भारतीय टीम - आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी. दीपेश, किशन कुमार सिंह और उधव मोहन।

ब्रेट ली ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को संन्यास के एक दशक से भी अधिक समय के बाद हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार ब्रेट ली को साल 1999 से 2012 तक शानदार प्रदर्शन के कारण सम्मानित किया जा रहा है। इस तेज गेंदबाज ने अपने करियर के 76 टेस्ट मैचों में 310 विकेट लेने के साथ ही 221 एकदिवसीय मैच मैचों में 380 विकेट लिए। इसके अलावा 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 28 विकेट अपने नाम किये। इस गेंदबाज ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिक्सर्स की ओर से भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ली एशेज विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। इसके अलावा उनके रहते टीम ने तीन विश्वकप कप खिताब भी जीते हैं। वह साल 1999, 2003 और 2007 की खिताब विजेता टीम में शामिल रहे हैं। ली ने साल 2008 में एलन बॉर्डर पदक जीता और साल 2006 में उन्हें विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर का सम्मान दिया गया। वह ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। इस तेज गेंदबाज के प्रशंसकों की भारी तादाद है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम के चेयरमैन पीटर किंग ने कहा, 'ब्रेट ली ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के योग्य हैं। वह विश्व के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक होने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के ब्रांड एंबेसडर भी रहे हैं।' संन्यास के बाद से ही वह एक कमेंटेटर के रूप में खेल से जुड़े हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम उन खिलाड़ियों का सम्मान करता है जिनके करियर ने खेल पर अपना प्रभाव छोड़ा है।

अब 2026 टी20 विश्वकप जीतना चाहती है भारतीय महिला टीम : हरमनप्रीत

त्रिवेंद्रम,28 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2026 टी20 विश्वकप जीतना है। भारतीय टीम ने इसी साल हरमनप्रीत की कप्तान में एकदिवसीय विश्वकप जीता था जिसके बाद से ही उसके हौंसले बुलंद हैं। श्रीलंका के खिलाफ जारी सीरी में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती तीन मैच आसानी से जीत लिए हैं।

हरमनप्रीत ने साफ किया कि श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज से आने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रीलंका

श्रीलंकाई टीम के खिलाफ सीरीज से अभ्यास का अच्छा अवसर मिला

के खिलाफ अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। ताकि एक प्रयोग किया जा सके। हरमनप्रीत ने कहा, एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद हमने तय किया था कि टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और आगे ले जाना है। इसी कारण आक्रामक रुख अपनाया गया है। विश्व कप में जीत के लिए आक्रामक तरीके से खेलना बहुत जरूरी होता है। इसी को देखते हुए अभ्यास के तौर पर इस सीरीज में टीम आक्रामक रही। हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम की गेंदबाजी ताकत उभरकर सामने आयी है। टी20 प्रारुप में गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम होती है। इसमें विरोधी टीम को छोटे स्कोर पर रोकना होता है ।

ऑकलैंड क्लासिक 5 से 11 जनवरी तक खेला जाएगा

वॉशिंगटन। न्यूजीलैंड में अगले साल की शुरुआत में ऑकलैंड क्लासिक 5 से 11 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा। इसमें अमेरिका की अनुभवी टेनिस स्टार वीनस विलियम्स भी खेलेंगी। वीनस को इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। इससे 18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए अभ्यास का अभी अच्छा अवसरा मिलेगा। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस लंबे ब्रेक के बाद इसी साल में प्रतियोगिता में लौटीं थी। उन्होंने वाशिंगटन में विश्व नंबर 35 पेटन स्टर्न्स को हराकर शानदार वापसी की थी। इससे वह महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे अधिक उम्र की खिलाड़ी बनी थी। इसके बाद भी उन्हें एकल और युगल में अमेरिकी ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला है। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से मुकाबला किया और कनाडा की लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में जीत के साथ ही क्वाटर्र फाइनल में पहुंचीं थी। ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा प्रभाव रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है।

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की मिली सजा पाकिस्तान के कबड्डी खिलाड़ी पर लगा प्रतिबंध

कराची,28 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत को एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की सजा मिली है। उबैदुल्लाह पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने आपातकालीन बैठक बुलाई और उबैदुल्लाह पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

बिना एनओसी लिए खेलने के पाए गए दोषी

उबैदुल्लाह पर महासंघ या अन्य संबंधित अधिकारियों से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना टूर्नामेंट में खेलने के लिए विदेश यात्रा करने का दोषी पाया गया। पीकेएफ के सचिव राणा सरवर ने कहा कि उबैदुल्लाह को अनुशासनात्मक समिति के समक्ष अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि महासंघ ने इस तथ्य पर गंभीरता से ध्यान दिया कि राजपूत न केवल बिना एनओसी के विदेश यात्रा पर गए, बल्कि उन्होंने भारत की एक टीम का प्रतिनिधित्व किया, उसकी जर्सी पहनी और एक अवसर पर मैच जीतने के बाद भारतीय ध्वज को अपने कंधों पर लपेटा।

सरवर ने कहा कि उबैदुल्लाह ने दावा किया है कि यह पूरी तरह से गलतफहमी थी और उन्हें यह नहीं बताया गया था कि इस निजी टूर्नामेंट में वह जिस टीम के लिए खेलेंगे वह भारतीय टीम होगी। लेकिन फिर भी वह एनओसी नियमों का उल्लंघन करने के दोषी हैं। जीसीसी कप के दौरान भारतीय जर्सी पहने और भारतीय ध्वज लहराते हुए उबैदुल्लाह के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी जिसके बाद वह मुश्किल में फंस गए।

उबैदुल्लाह ने मांगी थी माफी

सरवर ने कहा कि अन्य खिलाड़ियों पर भी एनओसी लिए बिना इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिबंध और जुर्माना लगाया गया है। उबैदुल्लाह ने इससे पहले माफी मांगते हुए कहा था कि उन्हें बहरीन में खेली गई प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था और वह एक निजी टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारतीय टीम रखा था। मैंने आयोजकों से कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के नाम का इस्तेमाल न करें। अतीत में निजी प्रतियोगिताओं में भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक साथ निजी टीम के लिए खेले हैं, लेकिन उन टीमों के नाम भारत या पाकिस्तान की टीम नहीं था। मुझे गलत जानकारी दी गई थी।

अभय प्रशाल में पैडलर्स का पावर प्ले : एकल में मोमा-विग्रय की धाक, मिक्स्ड डबल्स में हरमीत-यशस्विनी का जलवा

52वीं अ.भा. अंतर संस्थान टेबल टेनिस स्पर्धा : पीएसपीबी और रेलवे के खिलाड़ियों ने दिखाया दबदबा, पायस-सिंद्रेला अंतिम-8 में

इंदौर,28 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तत्वावधान में एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 52वीं अंतर संस्थान अखिल भारतीय टेबल टेनिस स्पर्धा अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुँच गई है। शहर के अभय प्रशाल में सफेद गेंद की गूँज और पैडलर्स की फुर्ती ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। मुख्य दौर के मुकाबलों में जहाँ अनुभवी खिलाड़ियों ने अपना वर्चस्व कायम रखा, वहीं कुछ युवा प्रतिभाओं ने भी दिग्गजों को कड़ी टक्कर देकर सनसनी फैला दी।

मिश्रित युगल : हरमीत-यशस्विनी और पायस-सिंद्रेला की आंधी - मिश्रित युगल के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में पीएसपीबी (पीएसपीबी) का एकछत्र राज देखने को मिला। शीर्ष वरीयता प्राप्त पायस जैन और सिंद्रेला दास ने आक्रामक शुरुआत करते हुए के.जे. आकाश और नैशा रेवास्कर की जोड़ी को सीधे गेमों में 11-8, 11-6, 11-7 से परास्त किया। वहीं, अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े ने असम के प्रियांशु और त्रिशा गोगोई के विरुद्ध पहला गेम गँवाने के बाद शानदार वापसी की और 9-11, 11-8, 11-7, 11-8 से मुकाबला जीतकर अंतिम-8 में जगह पक्की की। रेलवे (आरएसपीबी) की ओर से आकाश पाल और पोयमंती बैश्य ने आरबीआई के भरत और अयहिका को 3-0 से हराकर अपनी दावेदारी पेश की।

पुरुष एकल : विग्रय और साहिल का दबदबा - पुरुष एकल वर्ग के ग्रुप लीग मुकाबलों में विग्रय रेड्डी (आरबीआई) ने अपनी लय बरकरार रखते हुए केरल के आर.एस. कुमार को सीधे सेटों में 3-0 से हराकर आक्रामक शुरुआत की। पीएसपीबी के साहिल रावत ने मध्य प्रदेश के साहिल मोडवेकर को 3-0 से मात दी। अन्य मैचों में सिद्धांत कटारिया (हरियाणा) ने पी. हिमांशु (उत्तराखंड) को 3-1 से, प्रथम मदलानी (गुजरात) ने चंदन शर्मा (एएफएस) को 3-0 से और अनिश सोनवणे (महाराष्ट्र) ने श्रीपाल सिंह (एएफएसबी) को 3-0 से पराजित किया। तमिलनाडु के एस. श्रीराम ने एक कड़े संघर्ष में पीएसपीबी के ऋषिकेश जगताप को 3-2 से शिकस्त दी। यूपी के अंश सबरवाल और उमेश कुमार भी अपने मुकाबले जीतकर आगे बढ़े।

महिला एकल : मोमा दास और अवनी त्रिपाठी का जलवा - महिला एकल में अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोमा दास (पीएसपीबी) ने तमिलनाडु की अनन्या मुरलीधरन को 3-2 से रोमांचक मुकाबले में हराया। उत्तर प्रदेश की अवनी त्रिपाठी ने एएआई की नंदिनी शाह को 3-1 से मात दी। अन्य परिणामों में नेहा कुमारी (ओडिशा) ने अनन्या बसाक को 3-2 से, श्रुति अमृत (महाराष्ट्र) ने फातिमा कादरी को 3-0 से और पृथा वर्तीकर (महाराष्ट्र) ने प्रिशा गोयल (दिल्ली) को 3-0 से पराजित किया। एफसीआई की लंक्षिता नारंग ने बंगाल की बी. सपुर्नी को 3-2 से शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनाई।

पुरुष युगल : सोनवणे-कस्तुरे और विग्रय-आसिफ चमके - पुरुष युगल वर्ग के मुख्य दौर में भी रोमांच चरम पर रहा। महाराष्ट्र के अनिश सोनवणे और सागर कस्तुरे की जोड़ी ने एफसीआई के समीर साहनी और एम. घोष को 3-1 से हराया। आरबीआई के विग्रय रेड्डी और आसिफ हक ने पंजाब के जतिन और वैभव को 3-0 से मात दी। एएआई की जोड़ी के.एस. सिंह और रूपम सरदार ने छत्तीसगढ़ के राजीव व रामजी को 3-0 से शिकस्त दी।

नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन शाओमी 17 अल्ट्रा लॉन्च

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। शाओमी ने चीन में नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन शाओमी 17 अल्ट्रा लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत करीब रुपए 89,450 है। इसके लाइका एडिशन की कीमत करीब 1 लाख रुपए है। फोन को स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 प्रोसेसर, 200 मेगापिक्सल कैमरा और 6800 एमएएच बैटरी के साथ पेश किया गया है। फोन को तीन स्टोरेज वैरिएंट में पेश किया गया है। फोन में चार कलर ऑप्शन- ब्लैक, वाइट, कूल पर्पल और स्टारी स्काई ग्रीन मिलेंगे। कंपनी ने हाल ही में शाओमी 17, 17 प्रो और प्रो मैक्स मॉडल चीन में लॉन्च किया था। शाओमी 2026 में 17 सीरीज के सभी मॉडल भारत में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने 17, 17 प्रो और प्रो मैक्स मॉडल्स को दिल्ली में हुए एक इवेंट में पेश किया था। शाओमी 17 अल्ट्रा में फोटोग्राफी के लिए लाइका लेंस का इस्तेमाल किया गया है। मोबाइल के बैक पैनल पर ट्रिपल कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 50 मेगापिक्सल लाइट फ्यूजन 1050एल मेन सेंसर, 50 मेगापिक्सल अल्ट्रा वाइड एंगल लेंस और 200 मेगापिक्सल 3.2-4.3गुणा पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस शामिल है। फोन से 8के वीडियो रिकॉर्ड की जा सकती है। वहीं, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए फोन में 50 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा मिलेगा। शाओमी 17 अल्ट्रा में 2608गुणा1200 पिक्सल रेजोल्यूशन वाला 6.9 इंच का 2के डिस्प्ले दिया गया है। एम10 ओलेड पैनल पर बनी ये स्क्रीन 120एचझेड रिफ्रेश रेट पर काम करती है। इसकी पीडब्ल्यूएम डिमिंग 1920 हर्ट्ज और पीक ब्राइटनेस 3500 निट्स है। कंपनी ने फोन स्क्रीन को डॉल्बी विजन और डीसी डिमिंग से भी लैस किया है। मोबाइल इन-डिस्प्ले 3डी अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट सेंसर सपोर्ट करता है और स्क्रीन पर शाओमी शील्ड ग्लास 3.0 की प्रोटेक्शन दी गई है। शाओमी 17 अल्ट्रा एंड्रॉयड 16 पर बेस्ड शाओमी हाइपर ओएस 3.0 पर काम करता है। परफॉर्मेंस के लिए स्मार्टफोन में 3नैनोमीटर फेब्रिकेशन्स पर बना क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 ऑक्टा-कोर प्रोसेसर दिया गया है, जो 4.6जीएचझेड तक की क्लॉक स्पीड पर रन कर सकता है। एआई क्षमता के लिए इसमें हेग्सागोन एनपीयू और बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी के लिए एक्स85 5जी मॉडम आरएफ सिस्टम लगाया गया है। ग्राफिक्स के लिए शाओमी 17 अल्ट्रा एड्रेनो 840 जीपीयू सपोर्ट करता है। शाओमी 17 अल्ट्रा में कंपनी ने 3डी डुअल चैनल आइसलूप सिस्टम लगाया है, जो पिछल जेनरेशन के मुकाबले 50 प्रतिशत बेहतर थर्मल कूलिंग देता है। फोन में यूजर्स को इन्फ्रारेड सेंसर, 4 माइक्रोफोन, डॉल्बी एट्मॉस स्टीरियो स्पीकर्स जैसे टूल्स भी मिलेंगे। कनेक्टिविटी के लिए शाओमी 17 अल्ट्रा 5जी स्मार्टफोन वाई-फाई 7 और ब्लूटूथ 6.0 जैसे एडवांस फीचर्स के साथ ही एनएफसी और सैटेलाइट कम्युनिकेशन भी सपोर्ट करता है।वहीं इस फोन से एपल आईफोन, आईपैड और मैक भी कनेक्ट व कंट्रोल किए जा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

स्टीव वॉजनिएकः एप्पल की नींव रखने वाले शांत और उदार इंजीनियर

नई दिल्ली। स्टीव जॉब्स के नाम से एप्पल प्रसिद्ध है, लेकिन इसके असली निर्माता स्टीव वॉजनिएक थे। वे तकनीक को लोगों की जिंदगी आसान बनाने के लिए बनाते थे और दौलत या शोहरत के पीछे नहीं भागे। बचपन में ही वॉजनिएक टीवी और रेडियो खोलकर समझते थे कि ये कैसे काम करते हैं। घर पर खुद कंप्यूटर बनाना उनका शौक बन गया। 975 में एलटेयर 8800 से प्रेरित होकर उन्होंने एप्पल बनाया। स्टीव जॉब्स ने इसकी क्षमता देखी और दोनों ने कैलिफोर्निया के एक छोटे गैराज में मिलकर एप्पल की नींव रखी। वॉजनिएक ने दौलत समेटने के बजाय बच्चों को कोडिंग सिखाना चुना और अपने कई एप्पल शेयर उन कर्मचारियों को दे दिए, जिनके पास कुछ नहीं था। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने इतना सब क्यों दान कर दिया, तो उनका जवाब था, यह सही लगा। मैं चाहता था कि सफलता सबके साथ बांटी जाए। वॉजनिएक दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल हो सकते थे, लेकिन उन्होंने सबसे उदार इंसान बनना चुना, जहां स्टीव जॉब्स ने डिजाइन में परफेक्शन खोजा, वहीं स्टीव वॉजनिएक ने उदारता में। आज भी वॉजनिएक दौलत या शोहरत की बात नहीं करते। वे शिक्षा, रचनात्मकता और सादगी की बात करते हैं।

बैंक से लोन लेने पर 5 बातों का रखें ध्यान, नहीं होगा रिजेक्शन

नई दिल्ली। आज के समय में घर खरीदना हो, बच्चों की पढ़ाई या कोई बड़ी जरूरत, लोन लेना आम हो गया है। लेकिन कई बार बैंक में आवेदन करने के बाद भी लोन रिजेक्ट हो जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह खराब सिबिल स्कोर होता है। अगर आप भी बिना परेशानी लोन पाना चाहते हैं, तो इन पांच जरूरी बातों को जरूर अपनाएं- 1. 700 से ऊपर रखें सिबिल स्कोर- बैंक लोन देते समय सबसे पहले आपका क्रेडिट स्कोर देखते हैं। 300 से 900 के बीच आने वाले इस स्कोर में 700 से ऊपर का आंकड़ा सबसे सुरक्षित माना जाता है। अच्छा स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है। 2. ईएमआई समय पर चुकाना जरूरी- अगर होम लोन, पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड की ईएमआई समय पर नहीं भरी जाती, तो इसका सीधा असर सिबिल स्कोर पर पड़ता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आम आदमी की...

इसके पीछे मुख्य वजह निवेश मांग है। बेहद तनावपूर्ण भू-राजनैतिक परिवेश और कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण निवेशक सोने में पैसा लगा रहे हैं। साथ ही केंद्रीय बैंकों की ओर से भी मांग ऊंची बनी हुई है।

रिजर्व बैंक की दिसंबर की मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की उपयोगिता बनी हुई है। मूल्य के मामले में यह सबसे स्थिर कॅमोडिटी है। वहीं, सोने की तुलना में अस्थिर होने के बावजूद सफेद धातु में भी काफी हद तक सुरक्षित निवेश के गुण हैं।

सोने की ऊंची कीमतों के कारण इसकी वैवाहिक मांग कम हुई है। लोग अब पहले के मुकाबले जेवर कम खरीद रहे हैं या कम कैरेट के गहने लेना पसंद कर रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, इस साल भारत में सोने की मांग में 12 प्रतिशत की कमी का अनुमान है। वहीं, सोने के बिस्कुट और सिक्कों की मांग बढ़ी है।

निवेशकों के अलावा सर्राफा कारोबारी और शो-रूम चेन को भी भारी मुनाफा हो रहा है। ये मेकिंग-चार्ज प्रतिशत में लेते हैं जिससे सोना-चांदी जितनी महंगी होती जा रही है, मेकिंग-चार्ज का शुद्ध मूल्य उतना ही बढ़ रहा है।

हादी हत्याकांड ...

करने की किसी भी कोशिश का तुरंत पता लगाकर सख्ती से निपटा जाएगा।

इससे पहले बांग्लादेश पुलिस ने दावा किया था कि इंकलाब मंचो के नेता उस्मान हादी की हत्या के दो मुख्य संदिग्ध देश छोड़कर मेघालय सीमा के रास्ते भारत में घुस गए हैं।

हालांकि, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इन दावों को सिरे से नकारते हुए स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में बताया है।

आपात स्थिति में जान बचाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है ईएलएस

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत में गूगल का इमरजेंसी लोकेशन सर्विसेज (ईएलएस) फीचर लांच हो चुका है। गुगल का यह फीचर आपात स्थिति में जान बचाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। कंपनी ने सबसे पहले इस फीचर को उत्तर प्रदेश में शुरू किया गया है।

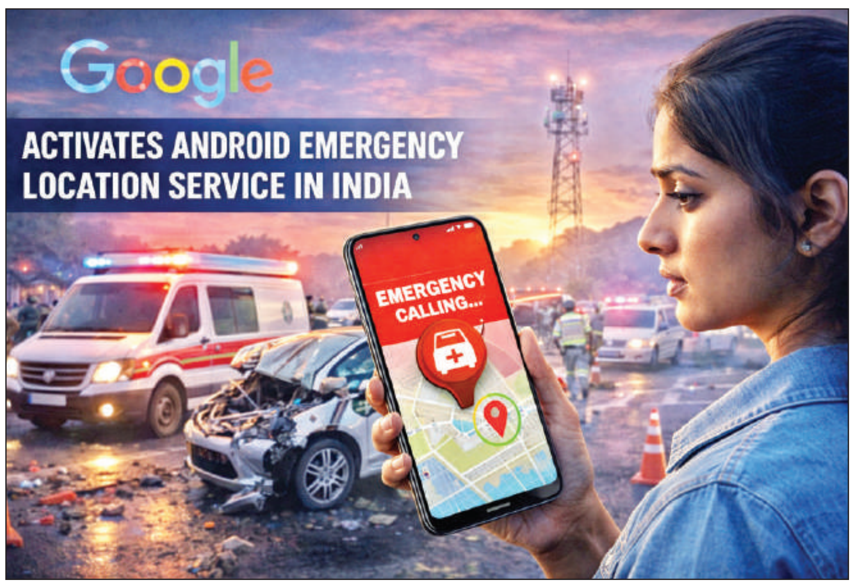

गूगल के इस फीचर की मदद से कॉल करने वाले की लोकेशन अपने आप इमरजेंसी सर्विस तक पहुंच जाएगी। ऐसे में यह फीचर आपात स्थितियों में बहुत काम का साबित हो सकता है। यह फीचर एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स में पहले से मिलता है। जब कोई 112 नंबर पर कॉल करता है, तो ईएलएसअपने आप उस शख्स की लोकेशन को इमरजेंसी सर्विस के साथ शेयर कर देता है। ऐसे में मदद मांग रहे शख्स को अपनी लोकेशन से जुड़ी जानकारी उपलब्ध नहीं करानी पड़ती। बता दें कि यह फीचर जीपीएस, वायफाय और मोबाइल नेटवर्क की मदद से लोकेशन का पता लगा लेता है। ईएलएस फीचर को सबसे पहले उत्तर प्रदेश में शुरू किया गया है। इसे उत्तर प्रदेश पुलिस और पेर्ट टेलिकॉम साल्यूशन की मदद से 112 इमरजेंसी सिस्टम से लिंक किया गया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश को सबसे पहले इसलिए चुना गया क्योंकि राज्य में हर दिन लाखों इमरजेंसी कॉल और मैसेज आते हैं। पायलट टेस्टिंग के दौरान ईएलएस ने 2 करोड़ से ज्यादा कॉल और मैसेज की लोकेशन पहचानने में मदद की। कई मामलों में कॉल कुछ सेकंड में कट गई, फिर भी लोकेशन सफल तरीके से कंट्रोल रूम तक पहुंच गई थी। गूगल का दावा है कि इमरजेंसी लोकेशन सर्विस के साथ प्राइवेसी का पूरा ध्यान रखा गया है। यह फीचर न सिर्फ पूरी तरह से फ्री है बल्कि सिर्फ इमरजेंसी कॉल या मैसेज के वक्त ही एक्टिवेट होता है। इसकी मदद से यूजर की लोकेशन फोन से सीधे इमरजेंसी सर्विस तक जाती है। गूगल ने साफ किया है कि इस सर्विस के जरिए भेजे जाने वाली लोकेशन को खुद गूगल भी नहीं देख सकेगा। जैसे ही आप 112 नंबर पर कॉल करते हैं, यह फीचर खुद ब खुद एक्टिवेट हो जाएगा और यूजर के फोन से लोकेशन इमरजेंसी सर्विस तक पहुंच जाएगी। इमरजेंसी फीचर होने के लिहाज से इसे अलग से एक्टिवेट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।फिलहाल इस फीचर का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश में एंड्राएड 6.0 या उससे ऊपर के यूजर के लिए उपलब्ध है। जल्द ही इसे गूगल दूसरों राज्यों में भी लॉन्च करेगा।

ऐपल ने 25 से ज्यादा डिवाइस और एक्सेसरीज किए बंद

नई दिल्ली। टेक दिग्गज कंपनी ऐपल ने 25 से ज्यादा डिवाइस और एक्सेसरीज को बंद कर दिया। इनमें 7 आईफोन मॉडल, मेकबुक एयर एम3 समेत कई मैकबुक शामिल हैं। दरअसल, ऐपल हमेशा से नए मॉडल आने पर पुराने मॉडल को बंद यानी डिस्कंन्टीन्यू कर देती है। इस साल बंद किए गए सबसे अहम मॉडलों में शामिल रहा आईफोन एसई। फरवरी में कंपनी ने तीसरी जेनरेशन के आईफोन एसई को बंद कर दिया। कौन से गैजेट्स पर चली कैंची, आइए जानते हैं। ऐपल ने आईफोन एसई को बंद करने के बाद आईफोन 16ई को पेश किया। यह ऐपल का सबसे कॉम्पैक्ट और सस्ता आईफोन है। बहरहाल, अब ऐपल ऑफिशियली ऐसा कोई आईफोन नहीं बेचती जिसमें होम बटन, टच आईडी, एलसीडी स्क्रीन, 6 इंच से छोटा डिस्प्ले या लाइटनिंग पोर्ट हो। उनके जगह ऐपल की तमाम आईफोन लाइनअप में अब फेस आईडी, ओएलईडी डिस्प्ले और यूएसबी-सी टाइप चार्जिंग है। इस साल आई आईफोन 17 सीरीज में कोई प्लस मॉडल शामिल नहीं था। इसके अलावा, कंपनी ने आधिकारिक तौर पर आईफोन 14 प्लस और आईफोन 15 प्लस को बंद कर दिया है। जल्द आईफोन 16 प्लस की विदाई भी हो सकती, जो यह संकेत है कि कंपनी प्लस मॉडल के बजाए अब स्लमि स्मार्टफोन पर फोकस कर रही है। इस साल प्लस मॉडल की जगह आईफोन एयर को लाया गया है। यह फोन चर्चाओं में तो खूब रहा, लेकिन सेल में इसे मामूली परफॉर्म किया। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले वक्त में आईफोन सीरीज के प्लस मॉडल नहीं लॉन्च होंगे। इस साल ऐपल ने कई वॉच मॉडल को आधिकारिक तौर पर अपने स्टोर से हटा दिया। इनमें ऐपल वॉच अल्ट्रा 2, ऐपल वॉच सीरीज 10 और ऐपल वॉच एसई 2 शामिल है। एम4 चिप वाले आईपैड प्रो, एम2 चिप वाले आईपैड एयर और 10वीं जनरेशन के आईपैड को बंद कर दिया। ध्यान रहे कि इन गैजेट्स को ऐपल स्टोर से हटाया गया है।

वॉरेन बफे की जिद ने बदल दिया निवेश की दुनिया का इतिहास

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)।

सिर्फ 12 सेंट की रकम से शुरू हुई एक जिद ने निवेश की दुनिया का इतिहास बदल दिया। यह कहानी है दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे और उनकी कंपनी बर्कशायर हैथवे की, जिसकी वैल्यूएशन 900 अरब डॉलर से भी ज्यादा है। साल 1964 में बर्कशायर हैथवे एक घाटे में चल रही टेक्सटाइल कंपनी थी। कपड़ा, ऊन और कॉटन का कारोबार करने वाली इस कंपनी के शेयर बेहद सस्ते थे। वॉरेन बफे ने इसमें मौका देखा और धीरे-धीरे शेयर खरीदकर करीब 7 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली। इसी दौरान कंपनी के सीईओ ने बफे को 11.50 डॉलर प्रति शेयर पर हिस्सेदारी वापस खरीदने का ऑफर दिया।

एक कमजोर टेक्सटाइल से ताकतवर होल्डिंग कंपनी बनने तक का सफर

बफे ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, लेकिन जब कागजी प्रक्रिया पूरी हुई तो सीईओ ने कीमत 12.5 सेंट कम कर दी। यही छोटा सा फर्क बफे के लिए अपमान बन गया। उन्होंने शेयर बेचने के बजाय और अधिक शेयर खरीदने का फैसला किया। एक साल से भी कम समय में उनकी हिस्सेदारी 43 फीसदी तक पहुंच गई और कंपनी पर उनका नियंत्रण हो गया। बफे ने सबसे पहले सीईओ को बाहर का रास्ता दिखाया। बाद में उन्होंने इस फैसले को अपनी सबसे बड़ी गलती भी माना। हालांकि, उन्होंने बर्कशायर हैथवे को एक होल्डिंग कंपनी के रूप में इस्तेमाल किया और इसके जरिए बीमा, बैंकिंग, रेलवे और बड़ी कंपनियों में निवेश शुरू किया। 1985 में टेक्सटाइल बिजनेस बंद हुआ और यहीं से असली बर्कशायर हैथवे की कहानी शुरू हुई, जो निवेश की दुनिया की सबसे बड़ी मिसाल बन चुकी है।

रामराज कॉटन ने लॉन्च किया नया एलीट व्हाइट प्रीमियम कलेक्शन

चेन्नई। पारंपरिक परिधानों के प्रमुख भारतीय ब्रांड रामराज कॉटन ने अपने प्रीमियम पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए एलीट व्हाइट कॉटन फैब्रिक कलेक्शन को बाजार में उतारने की घोषणा की है। दशकों से अपनी सिग्नेचर सफेदी और गुणवत्ता के लिए पहचाने जाने वाले इस ब्रांड ने नए कलेक्शन में सेलिब्रिटी व्हाइट, पेपर कॉटन, गीज़ा व्हाइट्स और व्हाइट प्लस जैसी चार विशिष्ट श्रेणियां पेश की हैं। यह नया संग्रह विशेष रूप से के दौर की आधुनिक सिलाई और समकालीन स्टाइल की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें ग्राहकों को बेहतरीन चमक के साथ-साथ लंबे समय तक चलने वाली मजबूती का भरोसा दिया गया है। ब्रांड के पास अब 500 से अधिक सफेद फैब्रिक वैरायटी उपलब्ध हैं, जिनमें 100% सुपिमा कॉटन, शुद्ध लिनेन और विश्व प्रसिद्ध मिस्र की गीज़ा कपास का उपयोग किया गया है। नए फैब्रिक के बारे में जानकारी देते हुए रामराज कॉटन के संस्थापक और चेयरमैन के.आर. नागराजन ने कहा कि उनका उद्देश्य पारंपरिक जड़ों से जुड़े रहकर दुनिया की सबसे सम्मानित कपास किस्मों को आम लोगों तक पहुँचाना है।

एसआईपी और स्टेप-अप से रिटायरमेंट तक 6 करोड़ का फंड

24,000 की मंथली एसआईपी से बनेंगे 6 करोड़, 22 साल तक करना होगा निवेश

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। रिटायरमेंट के लिए सही प्लानिंग और निवेश में अनुशासन हो, तो बड़ा फंड बनाना मुश्किल नहीं है। अगर किसी निवेशक की उम्र 34 साल है और वह अगले 22 साल तक हर महीने 24,000 रुपये की एसआईपी करता है, तो रिटायरमेंट तक करोड़ों का कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि केवल निवेश शुरू करना ही नहीं, बल्कि समय के साथ निवेश की रकम बढ़ाना भी बेहद जरूरी है। एक अधिकारी के मुताबिक अगर 24,000 रुपये की मंथली एसआईपी पर औसतन 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिलता है, तो 22 साल में करीब 3 करोड़ रुपये का फंड बन सकता है। वहीं अगर हर साल एसआईपी की रकम में 10 फीसदी का स्टेप-अप किया जाए, तो यही कॉर्पस लगभग 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। बढ़ती इनकम के साथ निवेश बढ़ाना महंगाई से लड़ने का सबसे कारगर तरीका माना जाता है। निवेशक के पोर्टफोलियो में फ्लेक्सीकैप, मल्टीकैप, लार्ज एंड मिडकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप जैसे अलग-अलग फंड शामिल हैं। इसके अलावा आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड भी पोर्टफोलियो का हिस्सा है। हर फंड में लगभग 4,001 रुपये की एसआईपी की जा रही है, जिससे सभी मार्केट कैप को कवर किया जा सके। रिटायरमेंट आधारित फंड्स में 5 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जो लंबे समय के लक्ष्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि फंड के नाम से ज्यादा जरूरी उसका एसेट एलोकेशन है। इक्विटी की अस्थिरता से बचने के लिए पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ या गोल्ड म्यूचुअल फंड शामिल करने की सलाह दी जाती है। 2,000 से 4,000 रुपये की गोल्ड एसआईपी पोर्टफोलियो को मजबूती दे सकती है।

एलआईसी जीवन शांति प्लानः सिर्फ एक बार निवेश, जीवनभर मिलेगी 1 लाख पेंशन

न्यूनतम निवेश 1.5 लाख, अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। हर व्यक्ति चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी आमदनी बनी रहे और पैसों की चिंता न हो। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) कई पेंशन योजनाएं चलाती है। इन्हीं में से एक है एलआईसी न्यू जीवन शांति प्लान जो आजकल काफी लोकप्रिय है। यह एक पेंशन स्कीम है। इसमें पॉलिसीधारक को एक बार (लंपसम) निवेश करना होता है। तय अवधि पूरी होने के बाद उसे जीवनभर नियमित पेंशन मिलती रहती है। इस स्कीम की खास बात यह है कि निवेश करते समय ही पेंशन की राशि फिक्स हो जाती है।

इस प्लान में 5 साल का लॉक-इन पीरियड होता है। न्यूनतम निवेश 1.5 लाख रुपये है, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। निवेश जितना ज्यादा होगा, पेंशन उतनी ही ज्यादा मिलेगी। यह पॉलिसी दो ऑप्शन में मिलती है, सिंगल लाइफ एन्युटी जिसमें पॉलिसीधारक को जीवनभर पेंशन, मृत्यु के बाद रकम नॉमिनी को, दूसरी जाइंट लाइफ एन्युटी जिसमें पति-पत्नी दोनों के लिए पेंशन, एक की मृत्यु के बाद दूसरे को पेंशन जारी रहती है। पॉलिसीधारक अपनी सुविधा के अनुसार पेंशन मासिक, तिमाही, छमाही या सालाना ले सकता है। एलआईसी के अनुसार, अगर 55 साल का व्यक्ति इस स्कीम में करीब 11 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करता है और 5 साल बाद पेंशन शुरू करता है, तो उसे करीब 1,01,880 रुपये सालाना पेंशन मिल सकती है।

इंदौर बनेगा इंडस्ट्रियल हब : 9 जनवरी से सजेगा मध्य भारत का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग महाकुंभ

इंदौर। स्वच्छता में सात आसमान छूने के बाद अब इंदौर मध्य भारत के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है। शहर के बायपास रोड स्थित लाभगंगा एग्जीबिशन सेंटर में आगामी 9 से 12 जनवरी 2026 तक 'इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग एक्सपो' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। लगभग 25,000 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला यह मेगा शो मध्य भारत की अब तक की सबसे बड़ी एसएमई आधारित औद्योगिक प्रदर्शनी होगी, जो स्थानीय उद्योगों को वैश्विक पहचान दिलाने का काम करेगी। एक ही छत के नीचे भविष्य की स्मार्ट फैक्ट्रियों की झलक देखने को मिलेगी। इस वर्ष प्रदर्शनी का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण सोलर एवं रिन्यूएवल एनर्जी सेक्टर है। औद्योगिक इकाइयों को टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से एक्सपो में ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबल इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस पर विशेष फोकस रखा गया है। इसके साथ ही पम्प्स, वाल्व्स एंड सिस्टम्स एक्सपो और वेयरहाउसिंग एंड इंट्रा लॉजिस्टिक्स एक्सपो का समानांतर आयोजन इसे एक संपूर्ण औद्योगिक मंच बना रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 29 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

नुमाइश का उद्घाटन 1 जनवरी को, इस साल लगेंगे 1,050 स्टॉल

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद का लोकप्रिय वार्षिक व्यापार मेला, 85वां अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी (नुमाइश), 01 जनवरी से शुरू होगा। दुनिया की सबसे पुरानी वार्षिक उपभोक्ता प्रदर्शनियों में शामिल इस मेले का उद्घाटन तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क करेंगे।

राज्य के उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने रविवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि 45 दिनों तक चलने वाली इस वार्षिक प्रदर्शनी के लिए विशाल नुमाइश मैदान में 1,050 स्टॉल लगाए जाएंगे। अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी समिति (एआईआईईएस) ने देश के विभिन्न हिस्सों के व्यापारियों और विभिन्न व्यावसायिक संगठनों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए स्टॉल आवंटित किए हैं।

प्रवेश शुल्क, समय और विशेष व्यवस्थाएं

आयोजकों ने इस वर्ष प्रवेश शुल्क 40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये प्रति व्यक्ति कर दिया है, जबकि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।यह प्रदर्शनी प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 10:30 बजे तक आगंतुकों के लिए खुली रहेगी। शनिवार और रविवार को यह रात 11 बजे तक खुली रहेगी।उद्योग मंत्री ने कहा कि नुमाइश उद्यम, संस्कृति और साझा सार्वजनिक जीवन पर आधारित विरासत को आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा, यह एक ऐसा स्थान है जहां कारीगर, लघु एवं मध्यम उद्यम, परिवार और समुदाय एक ही स्थान पर नवाचार, परंपरा और किफायतीपन का अनुभव करने के लिए एक साथ आते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष की नुमाइश में सुरक्षा, सुलभता और महिला उद्यमियों के लिए अवसरों पर विशेष ध्यान दिया गया है, साथ ही उस भावना को भी संरक्षित रखा गया है जिसने इसे पीढ़ियों से एक अनिवार्य वार्षिक परंपरा बना दिया है।

1938 से चली आ रही नुमाइश की ऐतिहासिक विरासत

नुमाइश-ए-मसनुआत-ए-मुल्की, जिसे संक्षेप में नुमाइश कहा जाता है, की शुरुआत 1938 में स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम के रूप में हुई थी। हैदराबाद राज्य के सातवें निज़ाम मीर उस्मान अली खान ने पहली नुमाइश का उद्घाटन किया था।अच्छी प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर इसे वार्षिक आयोजन बनाने और इससे होने वाली आय का उपयोग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए करने का निर्णय लिया गया।महज 50 स्टॉल और 2.50 रुपये की पूंजी से शुरू होकर यह आज देश की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदर्शनियों में से एक बन चुकी है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के स्नातकों के एक समूह ने राज्य का आर्थिक सर्वेक्षण करने के उद्देश्य से इस प्रदर्शनी का विचार प्रस्तुत किया था। भारत की स्वतंत्रता के बाद फैली उथल-पुथल के कारण 1947 और 1948 में नुमाइश का आयोजन नहीं हो सका।

हैदराबाद के भारतीय संघ में शामिल होने के बाद 1949 में यह आयोजन फिर से शुरू हुआ। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में प्रदर्शनी आयोजित नहीं की जा सकी।

व्यापार, मनोरंजन और संस्कृति का संगम

मनोरंजन के झूलों से लेकर किफायती खरीदारी और तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों तक, नुमाइश हर उम्र के लोगों के लिए मस्ती और आनंद का केंद्र है।अपने 85वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी यह प्रदर्शनी ङ्गसभी कार्निवलों की जननीफ मानी जाती है और हैदराबाद की समृद्ध संस्कृति का अभिन्न अंग है।यह आयोजन न केवल हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों से, बल्कि तेलंगाना के अन्य हिस्सों और पड़ोसी राज्यों से भी लोगों को आकर्षित करता है।हर साल 1 जनवरी से शुरू होकर 45 दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में देशभर से व्यापारी अपने स्टॉल लगाते हैं, जिसे प्रतिदिन औसतन 45,000 लोग देखने आते हैं।अर्थव्यवस्था और संस्कृति का अनूठा मिश्रण यह आयोजन विशाल मैदानों में आयोजित किया जाता है, और इससे प्राप्त राजस्व को सोसायटी द्वारा संचालित शैक्षिक और धर्मार्थ संस्थानों पर खर्च किया जाता है।

आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने जारी किया बिट्स पिलानी ग्लोबल मीट 2026 का पोस्टर

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने रविवार को बिट्स पिलानी ग्लोबल मीट 202 का आधिकारिक पोस्टर जारी किया। यह बिट्स पिलानी के पूर्व छात्रों का एक प्रमुख वैश्विक सम्मेलन है, जो हर तीन साल में आयोजित किया जाता है। इस पोस्टर का अनावरण बीजीएम 2026 की चेयरपर्सन अनीता सकुरु और सीईओ मयूर पटनाला की उपस्थिति में किया गया। बीजीएम 2026 का आयोजन 9 से 11 जनवरी, 2026 तक हैदराबाद में होना तय हुआ है। इस सम्मेलन में दुनिया भर से 1,000 से अधिक वैश्विक नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें प्रमुख प्रौद्योगिकीविद्, उद्यमी, निवेशक, शोधकर्ता और नीति निर्माता शामिल होंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह सम्मेलन मुख्य रूप से नवाचार , नेतृत्व और वैश्विक सहयोग पर केंद्रित होगा, जो बिट्स पिलानी के पूर्व छात्रों की वैश्विक ताकत को प्रदर्शित करेगा।

गोशामहल में मन की बात कार्यक्रम का आयोजन

गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र ने की शिरकत

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंदर के नेतृत्व में रविवार को गोशामहल डिवीजन के पार्षद लाल सिंह के निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गोलकोंडा भाजपा जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंदर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि मन की बात कार्यक्रम किस तरह नागरिकों को सीधे राष्ट्रीय विकास, सामाजिक जागरूकता और प्रेरणा से जोड़ने का माध्यम बन गया है।श्री उमामहेंदर ने पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता से राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र सरकार के सुशासन और जन-कल्याणकारी संदेशों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक कल्याण, विकास की पहल और जनता की सेवा के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर भी चर्चा की गई।इस अवसर पर गोशामहल डिवीजन के कई वरिष्ठ भाजपा नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम में लाल सिंह जी (कॉर्पोरेटर), सुरेंद्र जी (महासचिव), नटराज नामधारी (जिला सचिव, प्रेस एवं मीडिया), रणधीर सिंह, विपिन रामावत, उदय सिंह, शंकर सिंह, जुगल किशोर सोनी, आनंद लाल यादव, मुरली कृष्ण, राजा जौहरी, देवा जोशी, आनंद उपाध्याय, अक्षय साहू, कैलाश सिंह, रोहित जौहरी, संदीप सिंह, साईं डोमल्ला, प्रदीप सिंह एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे ने 2025 में रचा इतिहास

बुनियादी ढांचे और राजस्व में शानदार वृद्धि

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के लिए कैलेंडर वर्ष 2025 मील का पत्थर साबित हुआ है। रेलवे ने बुनियादी ढांचे के विकास, यात्री सुविधाओं, राजस्व सृजन और सुरक्षा के क्षेत्र में निरंतर वृद्धि दर्ज करते हुए कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रमुख बुनियादी ढांचे और स्टेशन विकास

चेरलापल्ली सैटेलाइट टर्मिनल: हैदराबाद के प्रमुख टर्मिनलों पर भीड़ कम करने के लिए चेरलापल्ली में एक नया सैटेलाइट टर्मिनल विकसित किया गया, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी 2025 में किया।

अमृत स्टेशन योजना: मई 2025 में बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल स्टेशनों का पुनर्विकास कर उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया गया।

काचीगुड़ा स्टेशन का सौंदर्यीकरण: विरासत स्टेशन काचीगुड़ा का 2.2 करोड़ रुपये की लागत से वास्तुकला सौंदर्यीकरण किया गया। इसकी इंडो-सारासेनिक और इंडो-गोथिक डिजाइन को निखारा गया, जिसका उद्घाटन केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने जून में किया।

नई रेल सेवाएं और यात्री सुविधाएं

वर्ष के दौरान कई नई ट्रेनें और विस्तार शुरू किए गए । जिनमें-

वंदे भारत विस्तार: वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं का विस्तार नांदेड़ और नरसापुर तक किया गया।

नई ट्रेनें: काचीगुड़ा-भगत की कोठी दैनिक ट्रेन और साप्ताहिक तिरुपति-साईनगर शिरडी ट्रेन शुरू की गई।

रेलवे स्वास्थ्य: लल्लागुडा सेंट्रल हॉस्पिटल में 64-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन और इन-हाउस कार्डियक कैथ लैब स्थापित की गई।

राजस्व और परिचालन दक्षता

जनवरी से नवंबर 2025 के दौरान एससीआर ने वित्तीय रूप से शानदार प्रदर्शन किया।

कुल राजस्व: रेलवे ने 19,314 करोड़ रुपये का सकल मूल राजस्व प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष के 18,831 करोड़ रुपये से अधिक है।

माल ढुलाई: 136.2 मिलियन टन माल लदान दर्ज किया गया।

यात्री राजस्व: यात्री सेवाओं से आय बढ़कर 5,525 करोड़ रुपये हो गई (पिछले वर्ष 5,261 करोड़ रुपये थी)।

परिचालन: पेद्दापल्ली और वाडी में बाईपास लाइनों के चालू होने से परिचालन दक्षता में सुधार हुआ।

स्थिरता और सुरक्षा के उपाय

शून्य ऊर्जा लेबलिंग: एससीआर ने 52 स्टेशनों और सेवा भवनों के लिए शून्य और शून्य प्लस ऊर्जा लेबलिंग हासिल की, जो सभी रेलवे जोनों में सर्वश्रेष्ठ है।

ट्रैक विस्तार और विद्युतीकरण: 2025 में 199 किमी नया ट्रैक (दोहरी और तीसरी लाइन) जोड़ा गया और 184 ट्रैक किलोमीटर का विद्युतीकरण पूरा किया गया। इसके साथ ही सिकंदराबाद डिवीजन ने 100% विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया। **सुरक्षा:** 68 मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग को समाप्त किया गया और 22 रोड ओवरब्रिज तथा 60 रोड अंडरब्रिज का निर्माण किया गया।

पुरस्कार और सम्मान

साल के अंत में, दक्षिण मध्य रेलवे ने चार राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार अपने नाम किए। काचीगुड़ा, रायचूर और लिंगमपल्ली स्टेशनों को उनकी ऊर्जा दक्षता के लिए मेरिट प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

जैन सेवा संघ चुनाव में अरिहंत पैनल के विजयी उम्मीदवारों का तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने किया सम्मान

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन सेवा संघ के हालिया चुनाव में अरिहंत पैनल की शानदार जीत पर तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से विजयी सदस्यों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।सम्मानित होने वालों में योगेश सिंघी, उमेश बागरेचा, अशोक संचेती, अविनाश भंडारी, अशोक सोनी, हुक्मीचंद कोटेचा, सुनील बोहरा, सुरेश कोठारी, उमेश नाहर, अमित मुणोत, डॉ. अनीश पोकरणा, आशीष भंसाली, अशोक कोठारी, विक्रम चौधरी, महावीर मुणोत, मनोज तातेड, सज्जनराज गांधी, त्रिलोक झाबक, विजय आंचलिया, विक्रम श्रीश्रीमाल, प्रवीण पांड्या एवं अन्य का सम्मान करते हुए परामर्शदाता रमेश कुमार बंग, मंत्री अमित लड्डा, गोविंद नारायण राठी, कैलाश मंत्री, राज बंग, राधेश्याम सारडा, मनोज डालिया, श्याम बाहेती, सीए कन्हैयालाल राठी एवं अन्य। सभी ने विजयी पैनल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने सपरिवार माँ भाग्यलक्ष्मी के दर्शन किए

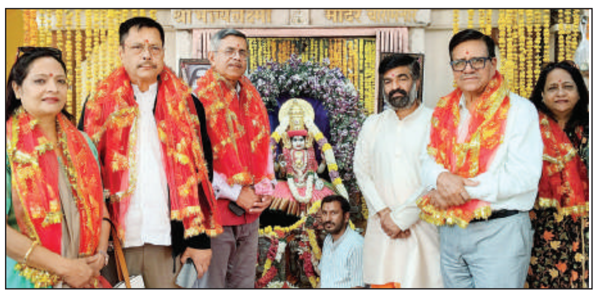

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री अपरेश कुमार सिंह जी ने रविवार को पुराने शहर स्थित प्रसिद्ध माँ भाग्यलक्ष्मी मंदिर का दौरा किया। मुख्य न्यायाधीश अपनी धर्मपत्नी और परिवार के सदस्यों के साथ चारमीनार स्थित मंदिर पहुँचे, जहाँ उन्होंने माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट और पुजारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें माता की चुनरी व प्रसाद भेंट किया। न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह जी ने परिवार के साथ मंदिर परिसर में कुछ समय बिताया और राज्य की सुख-समृद्धि व न्याय व्यवस्था की कुशलता की प्रार्थना की।

चामुंडा युवा समिति, सिकंदराबाद द्वारा महेश बैंक के पूर्व चैयरमेन श्री रमेश कुमार बंग, वाईस चैयरमेन गोविन्दनारायण राठी, नवनिर्वाचित निर्देशक अमित लड्डा (गग्गू), कैलाश मंत्री, साथ मे सुमित राठी, श्रीनिवास लोया का सम्मान करते हुए समिति के सदस्य जयकिशन उपाध्याय, पवन कुमार मायछ, नंदकिशोर उपाध्याय, विजय कुमार मायछ।

कर्नाटक बना साउथ जोन फिजिकल डिसेबिलिटी टी20 चैंपियन

फाइनल में हैदराबाद को 5 विकेट से हराया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक ने हैदराबाद के एनएफसीएल (एनएफसीएल) क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए भव्य फाइनल में हैदराबाद पर पांच विकेट की शानदार जीत दर्ज कर साउथ जोन फिजिकल डिसेबिलिटी टी20 टूर्नामेंट 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 115 रनों का संघर्षपूर्ण स्कोर खड़ा किया। हैदराबाद की ओर से प्रशांत राम ने सर्वाधिक 27 रनों का योगदान दिया। कर्नाटक के गेंदबाजी आक्रमण ने बेहद अनुशासित प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व अशोक यादव ने किया। अशोक ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके और विपक्षी टीम को बड़े स्कोर से रोक दिया।

जवाब में, कर्नाटक ने लक्ष्य का पीछा आत्मविश्वास के साथ किया और 18.3 ओवर में 118/5 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। सलामी बल्लेबाज भरत ने 35 रनों की धैर्यपूर्ण और मैच जिताऊ पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जीत दिलाई। इससे पहले दिन में खेले गए प्लेऑफ मैच में आंध्र प्रदेश ने केरल को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि और डीसीसीआई के सचिव रवि कांत चौहान ने कहा कि इस टूर्नामेंट ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रतिभा शारीरिक सीमाओं से परे है। खिलाड़ियों ने असाधारण दृढ़ संकल्प और खेल भावना का प्रदर्शन किया है। डीसीसीआई दिव्यांग क्रिकेटरों के लिए मजबूत मंच और व्यापक अवसर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।26 से 28 दिसंबर तक आयोजित इस टूर्नामेंट का आयोजन डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सहयोग से किया गया। इसकी मेजबानी तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द डिसेबल्ड ने की। इस प्रतियोगिता में हैदराबाद, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पांडिचेरी और केरल की टीमों ने हिस्सा लिया।

पुरस्कार और सम्मान

समारोह में विजेता और उपविजेता टीमों को नकद पुरस्कारों से नवाजा गया:

प्रथम पुरस्कार (विजेता): 51,000 0 कर्नाटक

द्वितीय पुरस्कार (उपविजेता): 21,000 0 हैदराबाद

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: साई नाथ रेड्डी (हैदराबाद) 0 11,000

प्लेयर ऑफ द मैच: 3,100 (प्रत्येक मैच के लिए)

इस अवसर पर टीसीएडी के अध्यक्ष एम. नरेंद्र गौड़, सचिव चंद्रभास गिरी, इमरान खान (अध्यक्ष, डीसीसीआई साउथ जोन), और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह टूर्नामेंट समावेशिता और खेल उत्कृष्टता के उत्सव के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जैन सेवा संघ के सेवा कार्य सभी के लिए प्रेरणादायी : तलसानी

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और सनतनगर के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि जैन सेवा संघ विभिन्न सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। रविवार को श्री जैन सेवा संघ की नवनिर्वाचित समिति के सदस्यों ने वेस्ट मैरडपल्ली स्थित विधायक के कैंप कार्यालय में उनसे शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधायक ने नई समिति के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने जैन सेवा संघ द्वारा गरीब लोगों को दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं और गरीब छात्रों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता की सराहना की। उन्होंने याद दिलाया कि महावीर अस्पताल गरीबों को बहुत कम शुल्क पर इलाज उपलब्ध करा रहा है। विधायक ने उल्लेख किया कि महावीर अस्पताल की सेवाओं को मान्यता देते हुए तत्कालीन केसीआर सरकार ने अस्पताल के विस्तार के लिए करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि मुफ्त में आवंटित की थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि श्री जैन सेवा संघ को उनके भविष्य के सामाजिक कार्यों में भी उनका पूर्ण सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा। विधायक से मिलने वालों में नई समिति पदाधिकारी और सदस्य शामिल थे।

आग्रसेन बायो-डाटा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आग्रसेन बायो-डाटा कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक सिकंदराबाद स्थित पान बाज़ार में दुर्गा प्रसाद बंसलजी के प्रतिष्ठान पर सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज से संबंधित बायो-डाटा कार्यों को और अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना रहा।

इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज कुमार संघी, पुरुषोत्तम गुप्ता, सत्यनारायण मोदी, रवि अग्रवाल, संजय गुप्ता, पुनीत गोयल, संजय अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अजय बंसल, सुरेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, संतोष देवी बंसल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई।

उपस्थित सदस्यों ने समिति के उद्देश्यों और कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में पूर्ण सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता का आश्वासन दिया।

सिखवाल समाज नागौर पट्टी द्वारा स्नेह मिलन समारोह व नववर्ष 2026 के कैलेंडर का भव्य लोकार्पण

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय द्वारा ऋषि शृंग भवन में स्नेह मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज के अध्यक्ष अनिल जायलवाल की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सायं 6:31 बजे से स्वजाति बंधुओं के अपनों से अपना मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान नववर्ष 2026 के कैलेंडर का भव्य लोकार्पण लालचंदजी जायलवाल एवं सहयोगियों के करकमलों से संपन्न हुआ। कैलेंडर के लोकार्पण पर समाज में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली।

इस अवसर पर प्रमुख भजन गायक सुर सम्राट सुनील जायलवाल द्वारा श्याम बाबा के भजनों की मधुर प्रस्तुति दी गई। भजनों के दौरान पूरा भवन श्याममय हो गया। भक्ति रस में डूबे महिला एवं पुरुषगण भजनों के बीच झूमते और गाते नजर आए, जिससे वातावरण भक्तिमय बन गया।

समारोह में 40 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ दंपतियों का सम्मान किया गया तथा समाज के उभरते बच्चों को बाल पुरस्कार प्रदान किए गए। इस पहल की समाजजनों ने सराहना की।

कार्यक्रम में स्वजाति बंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर इसे सफल बनाया।

आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष अनिल जायलवाल, मंत्री राजेन्द्र ओझा, कोषाध्यक्ष अजय पंडित, प्रचार मंत्री संदीप जायलवाल सहित संयोजक मंडल के संतोष व्यास, गोपाल ओझा, राधेश्याम नागला तिवारी, अमर जायलवाल, संदीप पंडित, पवन तिवारी, वरुण पंडित, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, अजय व्यास, पप्पु ओझा एवं अन्य स्वजाति बंधुओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम सौहार्द, एकता और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जन सेवा संघ की वर्चुअल बैठक में नई समितियों का गठन

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ की वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया जिसमें केंद्रीय समिति, संचालन समिति और संरक्षण समिति के सदस्यों ने भाग लिया । बैठक में यह प्रस्ताव आया कि चूंकि मौजूदा केंद्रीय समिति का कार्यकाल इसी माह के अंत में समाप्त हो रहा है अतः समय रहते नई केंद्रीय समिति का निर्धारण अति आवश्यक है जिससे नई समिति आगामी वर्ष के प्रथम सप्ताह में ही अपना पद ग्रहण करते हुए संस्था के कार्यों को सुगमता से संचालित कर सकें। जूम बैठक पर उपस्थित सदस्यों द्वारा गहन चर्चा करते हुए अपने अपने सुझावों से अवगत कराया । इस बैठक मे उपस्थित सदस्यों द्वारा निर्णय लेते हुए कार्यकारी अध्यक्ष पद के रूप में बिस्वजीत सिंह, उपाध्यक्ष एस ए खान, महासचिव श्प्रकाश चौधरी, संयुक्त सचिव नेमीचंद गोयल, कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य श्री मोहम्मद मुनव्वर,राधे श्याम राय यादव, कपिराज सिंह, सुरेश पंडित, अरुण सिंह राजपुरोहित, सुबोध सिंह का चयन किया गया ।

संचालन समिति के संयोजक डी डी तिवारी, शिक्षा समिति के संयोजक डॉ अमित, चिकित्सा समिति के संयोजक राजेश शर्मा, क्रीड़ा समिति के संयोजक सुबोध सिंह, अनुशासन समिति के संयोजक श्पी पी पांडेय एवं उप संयोजक गोविंद तिवारी, समस्या निवारण समिति के संयोजक परमानंद शर्मा, प्रोटोकॉल समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय, कल्चरल समिति के संयोजक अनिल श्रीवास्तव, छठ पूजा समिति के संयोजक आर पी सिंह एवं उप संयोजक श्री सीताराम ठाकुर, संरक्षण समिति के संयोजक वी डी चौबे और उप संयोजक एल एन चौबे, मेदक जोन जोनल प्रेसिडेंट सुरेश पंडित जी को चयनित किया गया ।मार्गदर्शक समिति में के डी चौबे, एल एम चौधरी, आर पी सिंह, वी डी चौबे, मदन लाल रावल, परमानंद शर्मा को जिम्मेदारी दी गई । डेलिगेशन समिति में डी डी तिवारी, आर पी सिंह, मदन लाल रावल, विश्वजीत सिंह और प्रकाश चौधरी को मनोनीत किया गया ।

बैठक में आर पी सिंह, गोविंद तिवारी, श्री राजीव चौबे, बिनीत सिंह, हरेंदर चौबे, एल एम चौधरी, पी पी पांडेय, के एल श्रीनिवासा राव, के डी चौबे, श्रीकांत पांडेय, डी डी तिवारी, वी डी चौबे, सीताराम ठाकुर, एस ए खान, सुबोध सिंह, सुशील श्रीवास्तव, मदन लाल रावल, मोहम्मद मुनव्वर, संजय कुमार भगत, अनिल श्रीवास्तव आदी सदस्यों ने भाग लिया ।

वर्ष की अंतिम अष्टमी के शुभ अवसर पर भाग्यलक्ष्मी माता के दर्शन

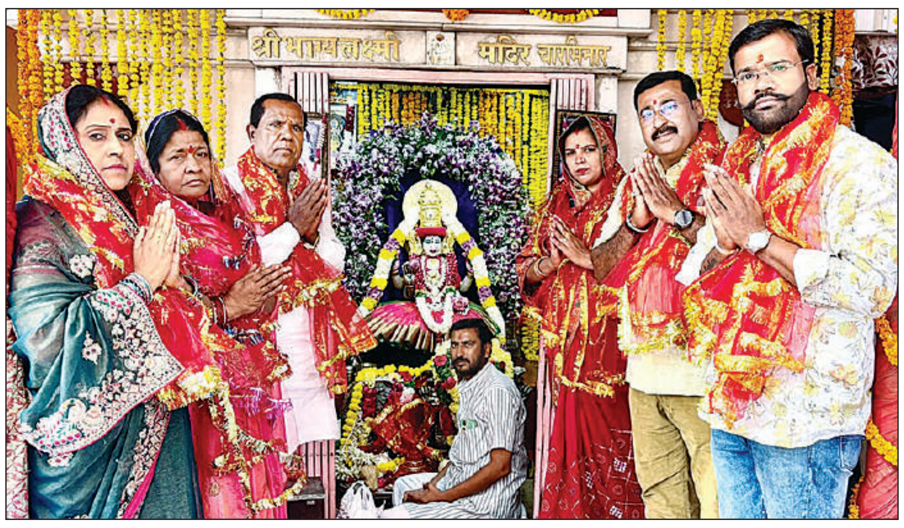

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिनांक 28-12-2025 को वर्ष की अंतिम अष्टमी के पावन अवसर पर चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

इस शुभ अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एन.के. सिंह के साथ राज कमल सिंह, अमरजीत सिंह, जागृति सिंह, दीपिका सिंह एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मंदिर में सभी ने माता भाग्यलक्ष्मी से देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। अष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे।

श्री लक्ष्मी नर्सिंग मंदिर में श्री गोदा रंगनाथजी की सगाई पर उपस्थित गोविन्द राठी (वाइस चेयरमैन महेश बैंक) एवं संचालक राधेश्याम राठी एवं भक्त गण।

तेरापंथ किशोर मंडल का नाश्ता सेवा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ किशोर मंडल ने टीम पारस सेवा के सहयोग से नाश्ता वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया गया, जो करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व को दर्शाता है। कार्यक्रम में अध्यक्ष राहुल गोलछा की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने स्वयं सेवा में भाग लिया और स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। सह-संयोजक रुद्र बैद, ग्रीन ब्रिगेड सदस्य सौरभ बैद, कृष्णा दुगड़, रोणक सुराणा एवं रोणक नाहटा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

10 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया और 100 से ज्यादा नाश्ते की प्लेटें वितरित कीं। सभी के समन्वित प्रयासों से कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ। यह युवाओं के नेतृत्व वाली सेवा युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनी, जो मानवता के मूल्यों को मजबूत करती है।

सड़क हादसे में दंपत्ति गंभीर रूप से घायल

मंचेरियाल, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामगुंडम पुलिस कमिशनरेट के अंतर्गत पेड्डापल्ली जोन के गोदावरीखनी नगर के टी-जंक्शन पर हुए एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए, हादसे के समय मौके पर मौजूद रामगुंडम ट्रैफिक इंस्पेक्टर बी. राजेश्वर राव ने तुरंत मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए स्थिति को संभाला, इंस्पेक्टर राजेश्वर राव ने बिना देरी किए घायलों को स्थानीय सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जिससे समय पर उपचार मिल सका,इसके साथ ही उन्होंने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार कार और उसके चालक को गोदावरीखनी वन टाउन पुलिस के हवाले कर दिया,

ड्यूटी के दौरान यातायात को सुचारु रूप से नियंत्रित करते हुए इंस्पेक्टर द्वारा दिखाई गई तत्परता और मानवता की स्थानीय नागरिकों ने खुले दिल से सराहना की,लोगों का कहना है कि इस घटना से यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि ट्रैफिक पुलिस न केवल यातायात व्यवस्था बनाए रखने में, बल्कि आम जनता की सुरक्षा और जीवन रक्षा में भी हमेशा आगे रहती है।

श्री बालाजी मंदिर में वैकुंठ एकादशी महोत्सव कल

मंदिर को पुष्पों व जगमगाती रोशनी से सजाया जा रहा, भक्तों में उत्साह

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चारमीनार खाँ चौक स्थित श्री बालाजी मंदिर मैदान में मंगलवार, 30 दिसंबर को वैकुंठ एकादशी महोत्सव भव्यता और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर मंदिर परिसर में तैयारियाँ जोर-शोर से जारी हैं। मंदिर को अत्यंत भव्य रूप से पुष्पों एवं आकर्षक रोशनी से अलंकृत किया जा रहा है, जिससे पूरा परिसर दिव्य आभा से जगमगा रहा है।

1980 से मनाया जा रहा वैकुंठ उत्सव, भक्तों की संख्या में निरंतर वृद्धि

श्री बालाजी मंदिर के अर्चक आत्रेयाचार्यजी महाराज ने बताया कि मंदिर में वर्ष 1980 से वैकुंठ उत्सव भव्यता से मनाया जा रहा है और हर वर्ष भक्तों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 से मंदिर का विस्तार आरंभ हुआ, जिसके बाद मंदिर को पुष्पों एवं जगमगाती रोशनी से अलंकृत करने की परंपरा शुरू हुई। शृंगारिक दर्शन एवं अलौकिक शृंगार के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगती हैं।

मंदिर को देश-विदेश के कलाकार सजाते हैं। पुष्पों की साज-सज्जा अनोखी और मन मोहने वाली होती है। विशेष रूप से चेन्नई के कलाकारों द्वारा पुष्पों का विशेष शृंगार किया जाता है। इस वर्ष भी अलौकिक शृंगार का कार्य जारी है।

वैकुंठ एकादशी पर उत्तर द्वार दर्शन का विशेष महत्व

आत्रेयाचार्यजी महाराज ने बताया कि धनुर्मास में आने वाली वैकुंठ एकादशी अत्यंत फलदायी मानी जाती है, जिसमें उत्तर द्वार से भगवान के दर्शन का विशेष पुण्य प्राप्त होता है।

इस वर्ष वैकुंठ एकादशी महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार, 30 दिसंबर को तड़के सुबह 3.00 बजे सुप्रभातम से होगा। इसके बाद सुबह 3:30 बजे – अभिषेक, सुबह 4 बजे – तोमल सेवा, सुबह 6 बजे – बालाजी भगवान के नेत्र दर्शन एवं आरती, सुबह 6:30 बजे – वैकुंठ द्वार दर्शन एवं सवारी और सुबह 8 बजे – आरती एवं तुलसी अर्चना होगी। पूरे दिन का कार्यक्रम रात 11 बजे तक चलेगा। सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक प्रमुख भजन गायकों द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। रात 12 बजे विशेष शयन आरती संपन्न होगी।

परमपद महोत्सव एवं गोदम्माजी उत्सवों का आयोजन

गुरुवार, 1 जनवरी को नम्मालवार परमपद महोत्सव मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत सुबह 7:30 बजे भगवान का अभिषेक, अर्चना, आरती एवं तीर्थ प्रसाद का आयोजन होगा। शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे तक परमपद महोत्सव, 7:30 बजे सवारी, रात 9 बजे आरती एवं तीर्थ प्रसाद गोष्ठी होगी।

इसके अलावा, बुधवार, 14 जनवरी को गोदम्माजी कल्याणोत्सव शाम 6 बजे से रात 8:30 बजे तक मनाया जाएगा। रात 9 बजे आरती के बाद तीर्थ प्रसाद का वितरण होगा।

जो भक्त गोदम्माजी कल्याणोत्सव में भाग लेना चाहते हैं, वे मंदिर के पुजारी से संपर्क कर सकते हैं।

शुक्रवार, 16 जनवरी को गोदम्माजी का चोली उत्सव शाम 6 बजे से आयोजित होगा, जिसके साथ ही धनुर्मास व्रत की समाप्ति होगी। भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में भाग लेने का आग्रह किया गया है।

महोत्सव की व्यवस्थाओं में श्रृंगारम कृष्णाचार्य स्वामी, रमनाचारी महाराज, प्रधान अर्चक श्रृंगारम रमनापापणा, आत्रेयाचार्यजी एवं गोविंदाचार्य सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

गौसेवा और मानव सेवा का पुण्य संगम : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के सामने गौशाला परिसर में राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में श्रीमती राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि यहाँ गौमाता की सेवा के साथ-साथ मानव सेवा का भी दुर्लभ और पुण्य अवसर प्राप्त होता है।

उन्होंने आगे कहा कि अन्नदान और गौसेवा दोनों ही भगवान की साक्षात सेवा हैं। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद सेवा को साधना बनाकर समाज में प्रेम, करुणा और संस्कारों का प्रसार कर रहा है। ऐसे कार्यों से आत्मिक शांति और जीवन की सार्थकता की अनुभूति होती है।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरीया, विनोद तोशनीवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय एवं लता गोयल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. जर्नादन रेड्डी की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष पी. राजेश वाल्मीकि सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गीत चाँदनी का विदा-2025 एवं स्वागत-2026 कवि सम्मेलन 31 को

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में वर्ष 2025 की विदाई और 2026 के स्वागत में कवि सम्मेलन आयोजित होगा। यह आयोजन डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव के निवास पर 31 दिसंबर को सायं 5 बजे शुरू होगा।

कार्यक्रम शांति निकेतन अपार्टमेंट, चिराग अली लेन, कृष्णवेणी हाई स्कूल के सामने, आबिड्स में संपन्न होगा। मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश ठाकुर गोपाल सिंह और विशेष अतिथि समाजसेवी परमानंद बंसल रहेंगे। अध्यक्षता गीतकार चंपालाल बैद करेंगे।

कवि 2025 की प्रमुख घटनाओं पर काव्य पाठ करेंगे और नववर्ष के स्वागत में आशा-उल्लास वाली रचनाएँ सुनाएँगे। संस्था का 44वाँ वर्ष चल रहा है। कार्यदर्शी गोविंद अक्षय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की।

समापन पर लकी ड्रा से भाग्यशाली कवि-2025 का रजत पदक (10 ग्राम चाँदी का सिक्का) रत्नकला मिश्र प्रदान करेंगी। सायं 5 से 5:20 तक पहुँचने वाले कवियों के नाम शामिल होंगे। सफलता में रत्नकला मिश्र, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, चंपालाल बैद, संतोष कुमार मिश्र ङ्गमाधुर्यफ, गोविंद अक्षय, ठाकुर दिनेश सिंह आदि सक्रिय रहेंगे। सभी कवियों से उपस्थिति का अनुरोध किया गया।

पाटनचेरु में बनेगा विश्व स्तरीय ट्विन-टावर अस्पताल

अपोलो और किम्स के विशेषज्ञों ने की रणनीतिक बैठक

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पाटनचेरु में स्वास्थ्य सेवाओं के परिदृश्य को बदलने के उद्देश्य से, टावर प्रॉस्पेक्ट हॉस्पिटल को एक विश्व स्तरीय ट्विन-टावर हेल-थकेयर सुविधा के रूप में विकसित करने के लिए एक उच्च स्तरीय रणनीतिक बैठक आयोजित की गई।

बंजारा हिल्स स्थित सनाया ग्रुप के कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित इस बैठक में चिकित्सा और प्रबंधन जगत के प्रमुख विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। बैठक में अपोलो हॉस्पिटल्स के प्रशासक डॉ. वेदांतम डी. चक्रवर्ती और किम्स हॉस्पिटल्स, गच्चीबोवली के सहायक उपाध्यक्ष और हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोफेशनल कुर्मा राव एस. ने भाग लिया। उन्होंने सनाया होम्स के इलियास खान के साथ अस्पताल के भविष्य के विकास और बुनियादी ढांचे पर विस्तृत चर्चा की।

इस बैठक में सनया ग्रुप के प्रधान सलाहकार मोहम्मद शम्सुद्दीन भी उपस्थित थे, जिन्होंने बुनियादी ढांचे की योजना, परियोजना की संरचना और दीर्घकालिक विकास रणनीति पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की।

संस्कार और सेवा का एक साथ लाभ मिलता है : गौरव गोयल

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए गौरव गोयल ने कहा कि युवाओं को इस परिवार से जुड़ना चाहिए। उन्होंने केबीआर पार्क स्थित नियमित अन्नदान केंद्र पर यह विचार व्यक्त किए।

गौरव गोयल ने बताया कि राधे राधे ग्रुप केवल अन्नदान तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार और सेवा की जीवंत पाठशाला है। यहाँ सेवा को साधना और करुणा को जीवन का आधार माना जाता है।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि ग्रुप से जुड़कर जीवन को सही दिशा दें और राष्ट्र कल्याण में योगदान करें। ग्रुप के संयोजकों सतीश जी, जगतनारायण जी, रामप्रकाश जी एवं महेश जी के प्रयासों के प्रति कृतज्ञता जताई।कार्यक्रम में जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, हरिश तोलाराम हिंदुजा, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा सहित ग्रुप के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

निस्वार्थ सेवा का अनुकरणीय उदाहरण है राधे राधे ग्रुप : रितेश गनेरीवाल

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगापुर से पधारे रितेश गनेरीवाल ने राधे राधे ग्रुप हैदराबाद की निस्वार्थ सेवा भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह ग्रुप समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है, जहाँ सेवा, संस्कार और समर्पण से मन श्रद्धा से भर जाता है।

नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान रितेश गनेरीवाल ने कहा कि ग्रुप केवल सेवा संगठन नहीं, बल्कि प्रेम, अपनत्व और मानवता का परिवार है। यहाँ सेवा को साधना और करुणा को जीवन आधार माना जाता है। ग्रुप ने उनका एवं परिवार का स्नेहपूर्ण स्वागत किया। आज की सेवा रितेश गनेरीवाल, नेहा गनेरीवाल एवं सांघवी गनेरीवाल परिवार की ओर से समर्पित की गई। सेवाभावियों ने परिवार के प्रति कृतज्ञता जताई और उनके सुख-शांति की कामना की।

कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, महेश गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चम्पापेट), भगतराम गोयल, प्रतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी, गोविंदराम पौदार, दुर्गा देवी पोद्दार, रितेश गनेरीवाल, नेहा गनेरीवाल, सांवि गनेरीवाल, सुकेत मुरारका, गौरव गोयल, विमल संघी, नारायण संघी, उमाकांत गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

तेलंगाना विधानमंडल सत्र की तैयारी

विधानसभा अध्यक्ष और परिषद अध्यक्ष ने की उच्च स्तरीय समीक्षा

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार से शुरू होने वाले तेलंगाना राज्य विधानसभा और विधान परिषद के सत्रों से पहले, रविवार को विधानसभा भवन के समिति हॉल में एक उच्च स्तरीय प्रारंभिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सत्र के सफल संचालन के लिए सुविधाओं, सुरक्षा उपायों और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।बैठक में विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज, मुख्य सचेतक पी. महेंद्र रेड्डी और दोनों सदनों के सचिव उपस्थित थे।

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव के दिल्ली दौरे पर होने के कारण, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप सुल्तानिया ने राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व किया। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें: राज्य के डीजीपी शिवधर रेड्डी। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार। साइबराबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्त। इंटेलिजेंस आईजी और असेंबली के मुख्य मार्शल।

विधानसभा अध्यक्ष और परिषद अध्यक्ष के निर्देश

विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने सभी अधिकारियों से पिछले सत्रों की तरह ही सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारी तुरंत उपलब्ध कराई जाए।

विभागीय अधिकारी चर्चा के दौरान मंत्रियों और विधायकों की सहायता के लिए उपस्थित रहें। सदन की कार्यवाही निर्बाध रूप से चलाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों।विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करने और नोडल व संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति करने को कहा। उन्होंने लंबित प्रश्नों के उत्तर तुरंत देने और चलो असेंबली जैसे विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर अग्रिम सावधानी बरतने के निर्देश दिए ताकि मंत्रियों और विधायकों के यातायात में कोई बाधा न आए।

बैठक के अंत में अधिकारियों ने पीठासीन अधिकारियों को आश्वस्त किया कि सरकार और सभी संबंधित विभाग विधानसभा और परिषद सत्रों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

इंकलाब सेना पार्टी ने किया जन-परिचय कार्यक्रम

आम जनता की समस्याओं को सुलझाने का दिया भरोसा

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंकलाब सेना पार्टी ने आम जनता की वास्तविक समस्याओं को समझने और उनके समाधान हेतु ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा के भीतर एक विशाल जन-परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया।

उक्त कार्यक्रम के दौरान पार्टी के पदाधिकारियों ने नागरिकों से सीधा संवाद किया और उनके दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी ली।इंकलाब सेना पार्टी ने जनता को यह भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा उठाए गए हर वास्तविक और गंभीर मुद्दे को प्राथमिकता दी जाएगी। पार्टी ने स्पष्ट किया कि इन समस्याओं को संकलित कर संबंधित अधिकारियों और विभागों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा ताकि उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया और अपनी शिकायतों व सुझावों को पार्टी के प्रतिनिधियों के साथ साझा किया।

WANTED
Wanted Accountants
(Female only)
With Experience 1 to 5 years
to work in Tally and Excel
Contact - 8074797592
(Tiwari Consultancy)
Note:Freshers/less experienced
will be provided with
proper traning.
Call Between 10 AM to 2 PM
Monday to Sunday

CHANGE OF NAME
I, Panchagnula Jaya Krishna Kishore, service No: JC-768689L Rank: SUB/MAJ, Name: Panchagnula Jaya Krishna Kishore, Unit:608 EME BN C/o. 56 APO, residing at, H-No. 1-5-563/1/411, F.No 502, Rambagicha Apartment, Road No 16, vill: Alwal, Post: Alwal, Teh: Alwal, Dist: Medchal Malkajgiri, State: Telangana, Pin 500010, I have Changed my Daughter name from P. KEERTHANA to PANCHAGNULA KEERTHANA, Affidavit singed by P.Dayavathi, and dated 05/12/2025

कांग्रेस 140 करोड़ भारतीयों की प्रतिनिधि पार्टी : रेवंत रेड्डी

कांग्रेस के 141वें स्थापना दिवस पर तेलंगाना भर में आयोजन

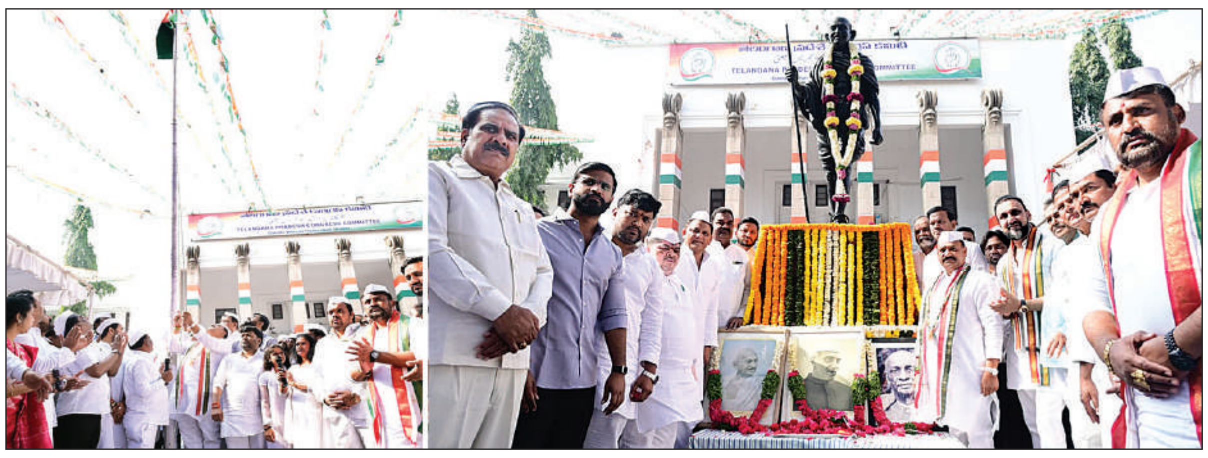

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार, 28 दिसंबर को कहा कि कांग्रेस 140 करोड़ भारतीयों की प्रतिनिधि है और वही पार्टी है जिसने गरीबों की भूख मिटाई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 141वें स्थापना दिवस के अवसर पर उन्होंने पार्टी की प्रशंसा करते हुए इसे इसके कार्यकर्ताओं के पसीने से लिखा गया इतिहास बताया।

उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद के लोकतांत्रिक सफर में कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस पूरे तेलंगाना में उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। यह आयोजन भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और 1947 के बाद राष्ट्र निर्माण में पार्टी के ऐतिहासिक योगदान का उत्सव है।

टीपीसीसी ने गांधी भवन में मनाया स्थापना दिवस

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने हैदराबाद स्थित गांधी भवन में आयोजित समारोह का नेतृत्व किया।

उन्होंने पार्टी का झंडा फहराया और महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर तेलंगाना के सड़क मंत्री पोन्नम प्रभाकर, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन, श्रम मंत्री विवेक वेंकट स्वामी, एमएलसी डॉ. बलमूर वेंकट नरसिंग राव और तेलंगाना योजना आयोग के उपाध्यक्ष चिन्ना रेड्डी भी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता संग्राम से राष्ट्र निर्माण तक कांग्रेस का योगदान अतुलनीय

पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कांग्रेस को दुनिया की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टियों में से एक बताया।

उन्होंने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म महान नेताओं के दृढ़ संकल्प और बलिदानों से हुआ था। भारत के स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण में इसका योगदान अतुलनीय है।

नेहरू से नरसिम्हा राव तक ऐतिहासिक नेतृत्व की विरासत

भारत के पहले प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व को याद करते हुए टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि बुनियादी विनिर्माण के अभाव वाले युग से अंतरिक्ष यात्रा करने वाला राष्ट्र बनने तक देश का परिवर्तन नेहरू द्वारा रखी गई मजबूत नींव के कारण ही संभव हो पाया।

उन्होंने इंदिरा गांधी के निर्णायक नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि एक समय पाकिस्तान उनके दृढ़ संकल्प से डरता था, जो वर्तमान स्थिति से बिल्कुल अलग है। गौड़ ने आर्थिक संसाधनों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए बैंकों के राष्ट्रीयकरण का श्रेय भी इंदिरा गांधी को दिया।

उन्होंने भारत में आधुनिक प्रौद्योगिकी लाने के लिए राजीव गांधी की भूमिका और ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों के माध्यम से देश को उन्नत बनाने के लिए पी.वी. नरसिम्हा राव के योगदान की भी सराहना की।भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल्याणकारी योजनाओं को कमजोर कर रहे हैं और उनसे महात्मा गांधी का नाम हटा रहे हैं।उन्होंने इसे देश की विरासत और स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों का अपमान बताया।

मनरेगा को कमजोर करने पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला, देशव्यापी विरोध का आह्वान

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर करने और राष्ट्रीय नेताओं की विरासत को धूमिल करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर गांधी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, विवेक वेंकट स्वामी और मोहम्मद अली शब्बीर अज़हरुद्दीन ने देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण में पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया।

ऐतिहासिक सुधारों और मनरेगा की विरासत का उल्लेख

प्रभाकर ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान पेश किए गए ऐतिहासिक सुधारों ने भारत को वैश्विक मंच पर प्रमुखता से खड़ा किया है।

उन्होंने उल्लेख किया कि 2004 में सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद, भुखमरी को रोकने और बेरोजगारी के समय रोजगार प्रदान करने के लिए मनरेगा की शुरुआत की गई थी, जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को बदल दिया।

केंद्र पर वादाखिलाफी और वित्तीय बोझ डालने का आरोप

केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि भाजपा ने अपने 2014 के घोषणापत्र में इस योजना को शहरी क्षेत्रों तक विस्तार देने का वादा किया था, लेकिन इसके विपरीत वह अब 60:40 का फंडिंग पैटर्न लागू करके राज्यों पर वित्तीय बोझ डाल रही है। उन्होंने कहा कि इससे राज्यों पर गंभीर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने और इतिहास से गांधी, नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के योगदान को मिटाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग्राम सभाओं में विरोध और आंदोलनों का आह्वान

प्रतिरोध का आह्वान करते हुए, उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे हर गांव में गांधी जी की तस्वीरों के साथ विरोध प्रदर्शन आयोजित करें।

उन्होंने पहली ग्राम सभा की बैठकों में इस कदम का विरोध करने वाले प्रस्ताव पारित करने और उनकी प्रतियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजने का आग्रह किया। उन्होंने उस विधेयक को तत्काल वापस लेने की मांग की, जो उनके अनुसार रोजगार गारंटी कार्यक्रम को कमजोर करता है।

पी. जनार्दन रेड्डी की 18वीं पुण्यतिथि: राजनीतिक सीमाओं से परे नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिवंगत कांग्रेस दिग्गज और जननेता पी. जनार्दन रेड्डी (झगठ) की 18वीं पुण्यतिथि पर रविवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। खैराताबाद चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा के पास आयोजित इस कार्यक्रम में नेताओं ने उनके सार्वजनिक जीवन और सेवा को याद किया।

कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, विवेक वेंकट स्वामी, पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन, कॉर्पोरेटर विजया रेड्डी और कई अन्य नेताओं ने पीजेआर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हैदराबाद की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए कृष्णा और गोदावरी का पानी लाने में पीजेआर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय थी। उन्होंने हैदराबाद के प्रभारी मंत्री के रूप में पीजेआर की सेवाओं को याद किया, विशेष रूप से महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकों और जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान उनके कार्यों का उल्लेख किया। प्रभाकर ने तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ता के रूप में उनके दृढ़ रुख और पोथिरेड्डीपाडू परियोजना के प्रति उनके विरोध की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पीजेआर ने एक श्रमिक नेता और कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में भी अमूल्य सेवा दी और शहर में कई बस्तियों की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई।

टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने पीजेआर को एक महान जननेता बताया, जिन्होंने लोगों के मुद्दों के लिए अथक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए।

विपक्षी नेताओं ने भी किया पीजेआर के साहस को नमन

दूसरी ओर, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने भी खैराताबाद में पीजेआर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। केटीआर ने उन्हें एक दूरदर्शी और साहसी नेता बताया, जो जनहित के लिए अपनी ही सरकार से सवाल पूछने से नहीं डरते थे। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में कृष्णा का पानी लाने के लिए पीजेआर का संघर्ष इतिहास में दर्ज रहेगा।

केटीआर ने कहा कि तेलंगाना गठन के बाद लागू की गई विकास और कल्याणकारी योजनाओं को देखकर पीजेआर को बहुत खुशी होती। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस सरकार ने हैदराबाद के लिए पीजेआर के विजन को काफी हद तक साकार किया है। इसके साथ ही उन्होंने पीजेआर के पुत्र और पूर्व विधायक विष्णुवर्धन रेड्डी द्वारा अपने पिता के आदर्शों को आगे बढ़ाने के प्रयासों की प्रशंसा की।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मल्ला रेड्डी और श्रीनिवास गौड़, विधायक मुथा गोपाल और बंडारू लक्ष्मण रेड्डी, एमएलसी दासोजू श्रवण, मगांती सुनीता गोपीनाथ सहित कई पार्षद और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकारी शिक्षा को मजबूत करें शिक्षक, देश का भविष्य आपके हाथों में : सीतक्का

जनगाँव, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया मसीथक्काफ ने रविवार को शिक्षकों से सरकारी शिक्षा को मजबूत करने और देश के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।

वे जनगाँव में तेलंगाना राज्य यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन (टीएसयूटीएफ) द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। इस कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी नरसी रेड्डी और एनजीओ एसोसिएशन के अध्यक्ष मरम जगदीश भी शामिल हुए। सम्मेलन में हजारों शिक्षकों ने हिस्सा लिया और मंत्री का भव्य स्वागत किया।

सभा को संबोधित करते हुए सीथक्का ने भावुक होते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं सरकारी संस्थानों में पढ़ाई की है और उनके सार्वजनिक जीवन के सफर का श्रेय सरकारी शिक्षकों को जाता है। उन्होंने मुलुगु गर्ल्स हॉस्टल में बिताए अपने दिनों को याद करते हुए कहा कि शिक्षा और सामाजिक आंदोलनों ने ही उनमें सामाजिक जागरूकता, श्रम की गरिमा और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता पैदा की।

उन्होंने कहा, "देश का भविष्य कक्षाओं में बसता है। शिक्षकों के पास लाखों छात्रों के जीवन को बदलने की शक्ति है।" उन्होंने तेलंगाना को केरल की तरह साक्षरता में अग्रणी बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।

सीतक्का ने कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ना डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा रचित संविधान और शिक्षा के कारण ही संभव हो पाया है। शिक्षकों की चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी ने रिक्त पदों को भरकर और लंबित पदोन्नति व तबादलों के मुद्दों को हल करके काम के बोझ को कम करने के कदम उठाए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पीआरसी (PRC), बकाया राशि, अनुकंपा नियुक्तियां और सेवानिवृत्ति लाभ जैसे मुद्दों पर मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी।

केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि देशभर में सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं और मनरेगा जैसी योजनाओं को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे लोगों के बीच यह जागरूकता पैदा करें कि रोजगार कोई खैरात नहीं बल्कि एक अधिकार है।

उन्होंने अंत में कहा, शिक्षक समाज के मार्गदर्शक हैं। अपने अधिकारों के साथ-साथ सार्वजनिक शिक्षा को बचाने के लिए आपका संघर्ष जायज है। कांग्रेस सरकार सरकारी शिक्षकों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

सिगाछी इंडस्ट्रीज के सीईओ अमित राज सिन्हा गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिगाछी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमित राज सिन्हा को इस साल 30 जून को संगारेड्डी जिले में कंपनी के विनिर्माण संयंत्र में हुए विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया है। इस भीषण दुर्घटना में 54 लोगों की जान चली गई थी और 25 अन्य घायल हुए थे। पुलिस ने रविवार को बताया कि सिन्हा, जिन्हें इस मामले में आरोपी नंबर 2 (ए-2) बनाया गया था, उन्हें शनिवार को गिरफ्तार किया गया।कंपनी ने आज एक बयान जारी कर हितधारकों को सूचित किया कि पुलिस ने हाल ही में कंपनी की इकाई में हुई आग की घटना के संबंध में सिन्हा और अन्य के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है। यह प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के विशिष्ट प्रावधानों के तहत दर्ज की गई है।

कानूनी प्रक्रिया के अनुसार, सिन्हा को संबंधित अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.